You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-162 ❒ रविवार, 12 जुलाई 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

बदलती अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिवहन भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती पर समूह के सभी देशों का मिलकर ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

नितिन गडकरी

पुस्तकालयों की भीड़ तय करती है देश का भविष्य : शाह 11

जनसेवा शिविर में मुख्यमंत्री ने सुनीं समस्याएं त्वरित समाधान के दिए निर्देश 12

संक्षेप

सुरक्षा परिषद सीट के लिए भारत का अभियान अगले सप्ताह शुरू होगा

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 2028-29 कार्यकाल के लिए यूएनएससी की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत के आधिकारिक चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। इस दौरान वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस से भी मुलाकात करेंगे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जयशंकर सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान भारत के अभियान का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। इसी दिन दोपहर में उनकी महासचिव गुटेरस के साथ द्विपक्षीय बैठक भी प्रस्तावित है। भारत 2028-29 कार्यकाल के लिए एशिया-प्रशांत समूह की एकमात्र सीट पर ताजिकिस्तान के साथ चुनावी मुकाबले में है। इस सीट के लिए मतदान जून 2027 में होगा। इससे पहले भारत 2021-22 के दौरान सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य रह चुका है।

नीट मामले में 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नीट-यूजी परीक्षा लीक मामले में 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ा दी है। सभी आरोपियों को शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। विशेष न्यायाधीश सतीश कुमार की अदालत ने शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, तेजस हर्षद कुमार शाह, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, मांगीलाल बिवाल, यश यादव, प्रहलाद कुलकर्णी, डॉ. मनोज शिरुरे, धनंजय लोखंडे, शुभम खैरनार, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार की हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। सीबीआई ने अदालत से 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे अन्य गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

लाल किले को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। किसी अनजान शख्स ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी दी। कॉल मिलते ही मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम की तरफ से तुरंत दिल्ली पुलिस से संपर्क कर इसकी जानकारी दी। इसके बाद उत्तरी जिला पुलिस ने मामले की सघन जांच शुरू की। मौके पर बम स्क्वॉड व डॉग स्क्वॉड की टीमों को बुलाया गया। एहतियातन अन्य दूसरी एजेंसियों की टीम भी मौके पर बुलाई गई। इस तरह से घंटो चली जरूरी जांच-पड़ताल के बाद, उत्तरी जिला पुलिस ने इस धमकी को झूठा (हॉक्स) करार दिया। पिछले साल 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास ही एक कार में जोरदार बम विस्फोट हुआ था।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का लोकार्पण करेंगे राजनाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

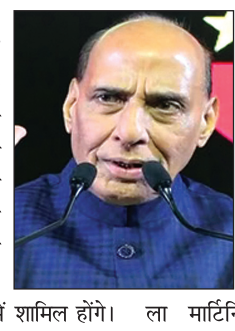

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह 13 जुलाई को एक दिवसीय दौरे पर लखनऊ आएंगे। अपने दौरे के दौरान वह किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। इसके अलावा वह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे और सैनिक स्कूल परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री सोमवार को प्रातः 10:35 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे केजीएमयू जाएंगे। यहां वह सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित 22वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। दीक्षांत समारोह के बाद राजनाथ सिंह पांच, कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पहुंचेंगे। इसके उपरांत दोपहर तीन बजे वह ला मार्टिनियर कॉलेज हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा उन्नाव के लिए रवाना होंगे, जहां वह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होकर इस महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजना का शुभारंभ करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के बाद रक्षा मंत्री पुनः लखनऊ लौटेंगे और सरोजिनी नगर स्थित सैनिक स्कूल के वार मेमोरियल पर ● शेष पेज 11 पर

अत्याधुनिक स्वदेशी युद्धपोत महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

एजेंसी

विशाखापत्तनम। अत्याधुनिक स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि को शनिवार को यहां एक समारोह में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि यह अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत जहाज निर्माण में देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। पिछले डेढ़ वर्ष में नौसेना में शामिल होने वाला यह प्रोजेक्ट 17 ए का छठा स्वदेशी युद्धपोत है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है और इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। श्री सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुएकहा कि आईएनएस महेंद्रगिरि तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार नौसेना के निर्माण के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समुद्री और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने भारत के सागर दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी और कहा कि मानवीय सहायता, समुद्री डकैती रोधी अभियानों तथा ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा में नौसेना की भूमिका भारत के आर्थिक हितों की रक्षा में उसके योगदान को दर्शाती है। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने कहा कि ● शेष पेज 11 पर

बढ़ेगी हिन्द महासागर में भारत की ताकत

मॉडर्न हथियारों से लैस

महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफ़ेस-टू-सरफ़ेस और सरफ़ेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफ़ेयर सिस्टम, एंटी-सबमरीन वॉरफ़ेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं।

स्टेल्थ तकनीक और हाई-स्पीड क्षमता

महेंद्रगिरि में उन्नत स्टेल्थ तकनीक दी गई है, जिससे इसकी रडार पर पहचान करना मुश्किल होगा। इसमें कम्बाइंड डीजल और गैस प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है, जो इसे लंबी दूरी तक तेज गति से संचालन की क्षमता देता है।

भारत-न्यूजीलैंड की रणनीतिक साझेदारी में सेतु का काम करें भारतीय समुदायः मोदी

भारत दुनिया को दे रहा विकास का नया मॉडल

एजेंसी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व है और वह दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है।

मोदी ने ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के 'किया ओरा मोदी' नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे। मोदी ने लोगों की तालियों और उत्साह के बीच कहा, ''वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को विकास का एक नया मॉडल दे रहा है। उन्होंने कहा, ''आज भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। भारत ड्रोन प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में नयी ऊंचाइयां छू रहा है। इस दौरान लोगों ने तालियां बजाईं और ''मोदी-मोदी'' के नारे लगाए। मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है तथा दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा को गति देगा। उन्होंने कहा, ''इससे भारत और न्यूजीलैंड, दोनों देशों के कारोबारियों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।'' मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे थे। पिछले 40 वर्ष में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को एक मफलर दिखाया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले करीब 25-30 वर्ष पूर्व जब वह न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह उपहार में मिला था। प्रधानमंत्री ने संबोधन की शुरुआत प्रधानमंत्री लक्सन की उपस्थिति तथा द्विपक्षीय साझेदारी, विशेषकर कीवी भारतीय समुदाय के कल्याण के प्रति उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए की। उन्होंने समुदाय द्वारा किये गये विशेष स्वागत की ● शेष पेज 11 पर

भारत न्यूजीलैंड ने रक्षा, व्यापार और हिंद-प्रशांत सहयोग के लिए रणनीतिक साझेदारी रोडमैप जारी किया

नयी दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय संबंधों का नया अध्याय शुरू करते हुए रणनीतिक साझेदारी रोडमैप 2030 की घोषणा की है और इसमें राजनीतिक सहयोग, रक्षा एवं सुरक्षा, व्यापार एवं आर्थिक सहयोग, जनसंपर्क, शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी तथा क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग को छह प्रमुख स्तंभों के रूप में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर के बीच शुक्रवार देर रात ऑकलैंड में हुई वार्ता के दौरान यह सहमति बनी। दोनों देशों ने प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री और विदेश मंत्री स्तर पर नियमित उच्च स्तरीय वार्ता जारी रखने के साथ-साथ संसदीय और संस्थागत सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जतायी। रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में भारत और न्यूजीलैंड ने सैन्य आदान-प्रदान, रक्षा वार्ता, समुद्री सहयोग, नौसैनिक गतिविधियों और हिंद-प्रशांत महासागर पहल के तहत सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया। दोनों देश आतंकवाद रोधी सहयोग, साइबर सुरक्षा, कानून प्रवर्तन, मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी सहयोग तंत्र को मजबूत करेंगे। व्यापार और आर्थिक ● शेष पेज 11 पर

वियतनाम में नाव पलटी भारतीयों समेत 15 लोगों की मौत

एजेंसी

हनोई। वियतनाम में फू क्वोक द्वीप के पास शनिवार को एक नाव के पलट जाने से भारतीय पर्यटकों समेत 15 लोगों की मौत हो जाने की आशंका है। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी है।

वियतनामी न्यूज पोर्टल 'वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल' के अनुसार, एक 'स्पीडबोट' 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार सदस्यों को लेकर 'होन मे रुट' से 'एन थोई पोर्ट' जा रही थी, तभी 'होन मे रुट न्गोई' से लगभग 400 मीटर दूर वह पलट गई, जिससे उसमें सवार सभी लोग समुद्र में गिर गए। वियतनामी समाचार पोर्टल 'वीएन एक्सप्रेस इंटरनेशनल' के अनुसार, यह स्पीडबोट 32 भारतीय पर्यटकों और चालक दल के चार सदस्यों को लेकर हॉन मे रुत से अन थोई बंदरगाह जा रही थी, तभी हॉन मे रुत नगोई से करीब 400 मीटर दूर यह पलट गई, जिससे नाव पर सवार सभी लोग समुद्र में गिर गए। इस न्यूज पोर्टल के मुताबिक, इस घटना में कुल 15 लोगों की मौत हुई। इससे पहले, हनोई में भारतीय दूतावास ने कहा था कि तलाश और बचाव अभियान जारी है तथा उसने इस घटना के सिलसिले में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये हैं। हालांकि, भारतीय दूतावास ने लोगों की मौत के बारे में अबतक कोई ● शेष पेज 11 पर

देश में सभी मैसेजिंग ऐप्स के लिए एक समान नियम बनेंगे

नई दिल्ली। व्हाट्सऐप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर पर आपत्ति जताने के बाद केंद्र सरकार अब देश में सभी मैसेजिंग ऐप्स के लिए एक समान नियम और मानक बनाने की तैयारी कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का मानना है कि समान नियम होने से सभी प्लेटफॉर्म पर एक जैसी व्यवस्था लागू होगी और किसी एक ऐप के लिए अलग नीति नहीं बनानी पड़ेगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार मंत्रालय व्हाट्सऐप के यूजरनेम फीचर के पक्ष में नहीं है। उसका मानना है कि भारत में व्हाट्सऐप के विशाल उपयोगकर्ता आधार को देखते हुए यह सुविधा फर्जी पहचान (इम्पर्सनेशन), ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों को बढ़ावा दे सकती है। इसके साथ ही यह एजेंसियों की जांच भी अधिक कठिन बना सकती है। सूत्रों ने ● शेष पेज 11 पर

अनिल अंबानी ग्रुप की 1,021 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत 1,021 करोड़ रुपये मूल्य की और संपत्ति कुर्क करने को लेकर नया आदेश जारी किया है।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत जारी इस अंतरिम आदेश में 'रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर' के पास मौजूद रिलायंस पावर के इक्विटी शेयर और सासन पावर व रिलायंस पावर से मिलने वाली कुछ कर्ज की रकम को कुर्क किया गया है। यह जांच 'रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड' (आरएचएफएल) और 'रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड' (आरसीएफएल) के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी के मुताबिक, जांच में पाया गया कि आरएचएफएल और आरसीएफएल द्वारा जुटाए गए 15,548 करोड़ रुपये की सार्वजनिक निधि का रिलायंस अनिल अंबानी समूह द्वारा नियंत्रित और संचालित 'फर्जी' और समूह की कंपनियों के जरिए 'सुनियोजित तरीके से दुरुपयोग' किया गया। ईडी इस समूह के खिलाफ कई मामलों की जांच कर रही है, जिनमें धन शोधन ● शेष पेज 11 पर

मेरी हत्या हुई तो बर्बाद होगा ईरान : ट्रंप

1000 मिसाइलें तुरंत हमला करेगी, ईरान की सभ्यता को नष्ट कर देंगे

एजेंसी

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी गुटों से जान से मारे जाने की मिल रही लगातार धमकियां के बीच कहा है कि ''1,000 मिसाइलें हमले के लिए पूरी तरह तैयारहैं'' और अगर ऐसी कोई साजिश रची गई तो इसका करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान को शनिवार को यह चेतावनी तब दी गई जब खुफिया जानकारी से पता चला कि कुछ ईरानी गुट इस तरह की योजना बना रहे हैं।

यह चेतावनी ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद बढ़े तनाव के बीच आई है। अंतिम संस्कार के दौरान शोक मनाने वालों ने खुलेआम ऐसे पोस्टर और बैनर दिखाए जिनमें श्री ट्रंप और इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जान से मारने की बात कही गई थी। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान पर अमेरिका के नेतृत्व वाले हमले के पहले दिन (28 फरवरी) मारे गए थे, जिसके बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई ने देश का नेतृत्व संभाला था। इस घटनाक्रम ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा की नाजुक स्थिति को और उजागर कर दिया है, क्योंकि क्षेत्र में स्थिरता लाने की कोशिशों को बार-बार झटके लग रहे हैं। श्री ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि अगर ईरानी नेतृत्व ने उनकी हत्या करने की कोशिश की, तो अमेरिका ज़बरदस्त सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्री ट्रंप ने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान पर एक हज़ार मिसाइलें निशाना साधकर तैयार रखी गई हैं और अगर ईरानी सरकार अपनी धमकी पर ● शेष पेज 11 पर

मोजतबा ने पिता की हत्या का बदला लेने का संकल्प दोहराया

ईरान। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई और युद्धों में मारे गए अन्य लोगों की हत्या का बदला लेने का संकल्प लिया है। खामेनेई ने शनिवार को जारी संदेश में कहा कि हम अपराधी और कलंकित हत्यारों से आपके खून और इन दो युद्धों के सभी शहीदों के खून का बदला लेने की शपथ लेते हैं। यह बदला हमारे राष्ट्र की मांग है और यह हर हाल में होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि वह या अन्य अधिकारी पद पर रहें या न रहें, बदला जरूर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह जवाबी कार्रवाई उनके या किसी अन्य अधिकारी की मौजूदगी पर निर्भर नहीं करती। उन्होंने कहा कि हम यहां रहे या न रहें। यह मकसद पूरा होकर रहेगा। नौ जुलाई की तारीख वाला यह संदेश शनिवार को सरकारी मीडिया के जरिये जारी किया गया है।

जो युवाओं का रोजगार खा गए, वे अयोध्या-मथुरा-काशी के बारे में क्या सोचते हैं : सीएम योगी

मंदिरों के सुंदरीकरण एवं पुनरुद्धार का कार्य जारी

एजेंसी

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग नौजवानों का रोजगार छीनने का पाप करते थे, वे अयोध्या, मथुरा व काशी के बारे में कैसे सोच सकते थे। ये लोग मंदिरों के नाम पर आने वाले पैसे को हजम कर जाते थे। मंदिरों पर कब्जा करवाते थे। आज उन्हीं मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है, सुंदरीकरण हो रहा है। मंदिरों का पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल पर खर्च करने वाले लोगों का विकास पर बात करना शोभा नहीं देता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कुशीनगर में 525 करोड़ रुपये की लागत से 464 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं रामकोला, हाटा और कुशीनगर विधानसभा क्षेत्रों से संबंधित हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने बुजुर्गों को सम्मानित करने के साथ ही लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, चेक व स्वीकृति पत्र भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले कुशीनगर इंसेफ़ेलाइटिस (दिमागी बुखार), पिछड़ेपन और पलायन जैसी गंभीर समस्याओं के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार की प्रभावी रणनीति और निरंतर प्रयासों से इस चुनौती पर निर्णायक नियंत्रण स्थापित किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, स्वच्छता, टीकाकरण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से इंसेफ़ेलाइटिस के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

सीएम ने कहा कि जो लोग वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्होंने मुसहर समाज जैसे वंचित वर्गों को मूलभूत सुविधाओं से भी वंचित रखा। वर्तमान सरकार ने ऐसे परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। मुसहर परिवारों को पक्के आवास, भूमि के पट्टे, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड, निःशुल्क राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन तथा बिजली कनेक्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उनमें सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्र भारत के समान अधिकार प्राप्त नागरिक होने का आत्मविश्वास पैदा हुआ है। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति दोहराते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में गुंडागर्दी व दंगाइयों के लिए कोई स्थान नहीं है। उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त राज्य के रूप में स्थापित हुआ है। नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा। दुर्गा पूजा, रामनवमी, जन्माष्टमी, होली सहित सभी प्रमुख त्योहार विभिन्न समुदायों द्वारा शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जा रहे हैं। सरकार ने शिक्षा से जुड़े कर्मियों का सामाजिक सुरक्षा कवच मजबूत किया है। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा ● शेष पेज 11 पर

उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री का उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया जन्मदिवस

❐ राजधानी लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास आज सुबह से प्रशंसकों और शुभचिंतकों की लगी रही भीड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

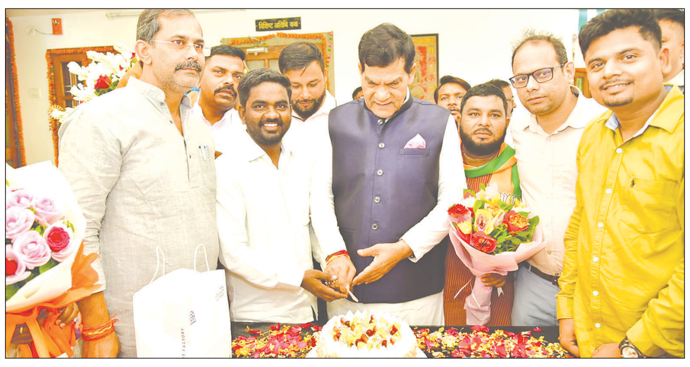

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा का जन्मदिवस शनिवार को पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। राजधानी लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर प्रातःकाल से ही प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों, प्रशंसकों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों का तांता लगा रहा। सभी ने श्री शर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। दिनभर उनके आवास पर बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी रहा। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उनसे भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर अनेक लोगों ने उनके जनसेवा, विकासोन्मुख कार्यों तथा सरल एवं संवेदनशील कार्यशैली की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व की प्रशंसा की। सोशल मीडिया पर भी श्री ए. के. शर्मा के जन्मदिवस को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। देश एवं प्रदेश के अनेक जनप्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधि संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों, शुभचिंतकों तथा समर्थकों ने विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों से उन्हें जन्मदिवस की शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। पूरे दिन शुभकामना संदेशों का सिलसिला जारी रहा। श्री शर्मा के गृह जनपद मऊ में भी उनके जन्मदिवस को लेकर विशेष उत्साह रहा। जनपद के 20 से अधिक स्थानों पर उनके समर्थकों एवं प्रशंसकों ने सामूहिक रूप से केक काटकर जन्मोत्सव मनाया। कई स्थानों पर गरीबों को फल एवं मिठाइयों का वितरण किया गया तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

जन्मदिवस पर मिले अपार स्नेह, सम्मान और शुभकामनाओं से अभिभूत श्री ए. के. शर्मा ने सभी शुभचिंतकों, समर्थकों एवं प्रदेशवासियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता का प्रेम, विश्वास और स्नेह ही उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और शक्ति है। यही अपनापन उन्हें निरंतर अधिक समर्पण, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ समाज एवं प्रदेश की सेवा करने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ प्रदेश के विकास तथा जनकल्याण के कार्यों में निरंतर जुटे रहेंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

वृक्षारोपण सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित, पौधों की सुरक्षा भगवान भरोसे: रेवती रमण सिंह

❐ एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान में नीम,पीपल, पाकड़,बरगद जैसे पारम्परिक पेड़ो का रोपण हो

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोराव, प्रयागराज। प्रयागराज 11 जुलाई। वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' वृक्षारोपण अभियान की जमीनी हकीकत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाए जा रहे हैं, लेकिन उचित रणनीति और देखरेख के अभाव में यह महत्वाकांक्षी योजना सिर्फ कागजी आंकड़ों और 'तस्वीरें खिंचवाने' (फोटो-ऑप) का जरिया बनकर रह गई है।

पूर्व सांसद ने अभियान की गंभीर कमियों को उजागर करते हुए सरकार को इसे सफल बनाने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए हैं। रेवती रमण सिंह ने कहा कि हर साल मानसून में रिकॉर्ड तोड़ पौधे रोपे जाते हैं, लेकिन रोपण के बाद उनकी सुरक्षा के लिए न तो ट्री-गार्ड लगाए जाते हैं और न ही गर्मियों में पानी देने की कोई व्यवस्था होती है। नतीजा यह होता है कि 80 फीसदी से अधिक पौधे कुछ ही महीनों में सूख जाते हैं या मवेशियों का निवाला बन जाते हैं। अवैज्ञानिक वृक्षारोपण उन्होंने तकनीकी खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मिट्टी और स्थानीय जलवायु का अध्ययन किए बिना कहीं भी कोई भी पौधा रोप दिया जा रहा है। विदेशी या अनुपयुक्त प्रजातियों के पौधे लगाने से स्थानीय जैव विविधता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। जवाबदेही की भारी कमी वन विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों के पास सिर्फ पौधे लगाने का लक्ष्य होता है। पौधा लगाने के बाद वह जीवित रहा या नहीं, इसकी ऑडिटिंग या जियो-टैगिंग की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने कहा कि पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने सुझाव दिया कि एक वर्ष तक गोद लेने की नीति बने सरकार केवल पौधा न बांटे, बल्कि संबंधित विभाग या उस व्यक्ति को उस पौधे की कम से कम एक वर्ष तक देखरेख और सुरक्षा (ट्री-गार्ड व पानी) की जिम्मेदारी सौंपे। थर्ड-पार्टी ग्रीन ऑडिट हो लगाए गए पौधों की हर छह महीने में किसी स्वतंत्र संस्था या एनजीओ से जांच (क्न्द्गद्ब इफ्द्घ्‌) कराई जाए। जो अधिकारी या विभाग केवल कागजों पर पेड़ दिखा रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई हो।पारंपरिक और औषधीय पौधों को प्राथमिकता अभियान में नीम, पीपल, बरगद, पाकड़, महुआ और जामुन जैसे पारंपरिक और दीर्घायु वृक्षों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सालों-साल चलते हैं और भारी मात्रा में ऑक्सीजन देते हैं।

मंत्री नंद गोपाल नंदी के पुनरप्राप्ति जन्मोत्सव पर साड़ी वितरण

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर पंचायत कोरांव में शनिवार को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी के पुनरप्राप्ति जन्मोत्सव के अवसर पर साड़ी वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया ज्वेलर्स एसोसिएशन के महामंत्री अजय प्रकाश केसरी उर्फ डब्लू सर्राफ और ओंकारनाथ सर्राफ कोरांव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोरांव विधायक राजमणि कोल और विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन गोपाल जी केसरी के हाथों गरीब महिलाओं और वृद्धजनों को सैकड़ों साड़ियां वितरित की गईं। इस दौरान पत्रकारों को भी अंगवस्त्र देकर विधायक ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सुमित कुमार सोनी, निशांत केसरी, सूरज सोनी, बुद्धसेन वर्मा, अभय केसरी उर्फ आकाश सर्राफ, लक्ष्मीकांत पांडेय, व्यास, अखंड पांडेय, विधायक के पीआरओ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मंत्री नंद गोपाल नंदी के दीर्घायु होने की कामना की और जन्मोत्सव पर बधाई दी। विधायक ने आयोजन समिति की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पीड़िता दो युवकों पर लगाया छेड़छाड़ करने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। माल थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है, कि उसके पड़ोस के रहने वाले अंशू और अजय ने गुरुवार को उससे छेड़छाड़ की और गंदी गंदी गालियां दीं। पुलिस ने महिला की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उसके पड़ोस के रहने वाले अंशू और अजय उसके प्रति बुरी नियत रखते हैं। गुरुवार को पड़ोस के रहने वाले सूरज की पत्नी ने हाथ का इशारा कर बुलाया तो मैंने समझा कोई काम होगा। जिससे मैं सूरज के घर चली गयी। जहां उनके घर में अंशू और अजय पहले से ही मौजूद थे। उन्होंने मुझसे मेरा फोन नंबर मांगा तो मैंने मना कर दिया। इस पर दोनों लोग गालियां देने लगे और मेरा हाथ पकड़कर खींचने लगे। इस पर मैंने शोर करना शुरू कर दिया। तो दोनों लोग गालियां देते हुए भाग निकले। पीड़िता ने शुक्रवार को थाने पहुंचकर आरोपितों के विरुद्ध तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।पुलिस ने महिला की तहरीर परजांच शुरू कर दी है।

ब्राह्मणी टोला, दौलतगंज में सीवर ओवरफ्लो, गंदगी और बदबू से लोग परेशान

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। के ब्राह्मणी टोला, दौलतगंज क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो होने से सड़कों पर गंदा पानी फैल गया है, जिससे इलाके में भारी गंदगी और दुर्गंध का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या के कारण राहगीरों और क्षेत्रवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभाग को कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों ने जल्द से जल्द सीवर की सफाई कराकर समस्या का समाधान करने और क्षेत्र को स्वच्छ बनाने की मांग की है।

थाना दिवस पर 2 मामलों का निस्तारण

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी प्रयागराज के निर्देशानुसार शनिवार को करछना थाने में आयोजित थाना दिवस में आए 2 प्रकरणों का समाधान किया गया। पहला मामला ग्राम खजुरी का था। यहां चकमार्ग संख्या 272 पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत मिली थी। नायब तहसीलदार संध्या गोस्वामी के नेतृत्व में राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया। दूसरा प्रकरण ग्राम पटेवरा का था। यहां गाटा संख्या 138 पर बनी सरकारी नाली पर अतिक्रमण किया गया था। राजस्व टीम ने नाली से भी अवैध कब्जा हटाकर उसे मुक्त कराया। थाना दिवस में लेखपाल, कानूनगो सहित पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बेलवनिया में राजस्व टीम ने की चकमार्ग की पैमाइश

कोरांव, प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में शनिवार को राजस्व टीम ने कोरांव क्षेत्र के बेलवनिया गांव में चकमार्ग की पैमाइश की। पैमाइश के दौरान गाटा संख्या 1061 पर आनंद मिश्र का पक्का मकान बना पाया गया। वहीं ग्रामीणों की शिकायत पर गाटा संख्या 1059 नवीन परती भूमि की भी पैमाइश की गई। इसमें आने-जाने का रास्ता अवरुद्ध कर अतिक्रमण किया जाना पाया गया। राजस्व टीम ने मौके पर नापजोख कर रिपोर्ट तैयार की है। तहसीलदार रोशनी सोलंकी ने बताया कि अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार अग्रिम बेदखली की कार्रवाई की जाएगी। पैमाइश के दौरान लेखपाल, कानूनगो व ग्रामीण लोग सहित राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

करंट लगने से इलेक्ट्रिशियन की मौत

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। सुशान्त गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में स्थित राममनोहर लोहिया प्रशासनिक भवन में इलेक्ट्रिशियन का काम कर रहे बिहार प्रदेश के गोपालगंज के रहने वाले लोकनाथ (38) काम करते समय शुक्रवार की शाम करंट की चपेट में आ गया। करंट लगने की वजह से वह बुरी तरह झुलस गया। ठेकेदार व अन्य लेबरो उसे इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहाँ से उसे राममनोहर लोहिया अस्पताल रिफर कर दिया गया जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। मृतक के साले ने बताया कि मृतक लोकनाथ चार महीने से लखनऊ में इलेक्ट्रिशियन का काम कर रहे थे। उनके पतिवार में पत्नी माला देवी है।

नकली नोट के साथ कथित बाबा गिरफ्तार,500 के 13 जाली नोट बरामद

दुबग्गा लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र स्थित झारखंड बाग में नकली नोट चलाए जाने की सूचना पर एक व्यापारी ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को कथित रूप से नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान संजीव मिश्रा 50 वर्ष पिता यदुवंश मिश्रा, के रूप में हुई है। वह वर्तमान में दुबग्गा के मौलवी खेड़ा क्षेत्र में मकान बनाकर रह रहा था। बताया जा रहा है कि वह पुजारी का चोला पहनकर साधु के वेश में रहता था और आसपास के लोग उसे 'बाबा जी' के नाम से जानते थे। आरोप है कि वह नकली नोट खपाने का काम करता था। सूचना के बाद थाना प्रभारी श्रीकांत राय के निर्देश पर पुलिस टीम, जिसमें दरोगा अभिषेक भारती और सिपाही असद फारूकी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली, जिसमें उसके पास से ?500 के 13 कथित नकली नोट बरामद हुए। बरामद नोटों की कुल कीमत ?6,500 बताई जा रही है। लोगों ने बताया है कि पहले भी काफी नोटों को यह खापा चुका है बारिश में नोटों के द्वारा कलर छुटने के बाद शक हुआ था फिलहाल पुलिस ने आरोपी और बरामद नोटों को कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोट कहां से आए और इन्हें कहां-कहां चलाया गया। मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी।

कोरांव विधायक ने बड़ोखर वन ब्लॉक और देवघाट इंटर कॉलेज में किया वृक्षारोपण

❐ डिप्टी रेंजर, वन दरोगा समेत वन विभाग के अधिकारी रहे मौजूद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। शनिवार को कोरांव रेंज के अंतर्गत बड़ोखर वन ब्लॉक भाग-2 क्षेत्र 28 हेक्टेयर में कोरांव के विधायक राजमणि कोल द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इसी क्रम में विधायक ने राजकीय इंटर कॉलेज देवघाट बैठकवा परिसर में भी पौधा रोपण किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही धरती को हरा-भरा बनाया जा सकता है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में वन विभाग से डिप्टी रेंजर मथुरा यादव, वन दरोगा आशीष सिंह सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग के अधिकारियों ने विधायक को पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्थानीय लोग और विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराया ट्रक, दुकान का छज्जा और पिलर क्षतिग्रस्त

लखनऊ । सुल्तानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की सुबह महुरा कला मोड़ के पास एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक पहले पास में ही स्थित एक दुकान के छज्जे से और फिर पिलर से भी जा भिड़ा। इस घटना में दुकान को हानि हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक संख्या यूपी 12 सीटी 9495 सुल्तानपुर से लखनऊ की ओर जा रहा था। सुबह करीब 8:10 बजे महुरा कला मोड़ पर सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। हादसे के बाद ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने के लिए हाइड्रा मशीन बुलाकर हटाने की कार्रवाई शुरू कराई गई। पुलिस के अनुसार, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल पर शांति व्यवस्था बनी हुई है। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। छज्जे और पिलर को नुकसान पहुंचने से दुकानदार की आर्थिक क्षति हुई है।

डीएम और एसएसपी ने कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा तथा सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल एवं जिलाधिकारी वाराणसी सत्येन्द्र कुमार द्वारा कांवड़ मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान निर्णय लिया गया कि कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम कैम्प स्थापित किए जाएंगे, जहां चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी तथा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से भण्डारे का आयोजन कराया जाएगा। कांवड़ियों की निर्बाध एवं सुरक्षित आवाजाही हेतु प्रयागराज से मण्डुवाडीह तक एक लेन पूर्णतः आरक्षित रहेगी, जिस पर अन्य वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक 4 किलोमीटर पर अस्थायी पुलिस चौकी, प्रत्येक 3 किलोमीटर पर पीआरवी टीम तथा पूरे मार्ग पर 10 क्विक रिस्पांस टीम (डट्ट्ठ) तैनात की जाएंगी। यात्रा मार्ग को सीसीटीवी निगरानी से आच्छादित किया जाएगा। मार्ग में पड़ने वाले जलाशयों का जीर्णोद्धार एवं सफाई कराई जाएगी तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रमुख शिव मंदिरों पर जिग-जैग बैरिकेडिंग, पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम, सीसीटीवी, महिला पुलिस बल एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून- व्यवस्था एवं मुख्यालय श्री शिवहरी मीणा एवं अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कोरांव के अधिकांश पेट्रोल पंपों में सुविधाओं का घोर अभाव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ हवा मशीन खराब, शौचालय में ताला, सीसीटीवी नहीं, कर्मचारी नशे में

❐ पेट्रोल पंपों पर कर्मचारियों की वर्दी, आईडी कार्ड और जूते तक नहीं है

कोरांव, प्रयागराज। कोरांव क्षेत्र में इंडेन, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम सहित अन्य कंपनियों के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। ज्यादातर पंपों पर हवा भरने की मशीन या तो है ही नहीं या खराब पड़ी है।शौचालयों की हालत और भी बदतर है। अधिकतर शौचालय गंदगी से भरे हैं। जो कुछ क्रियाशील हैं उनमें भी ताला लगा दिया जाता है। अधिकारियों के निरीक्षण के समय खोलकर दिखाने के लिए ऐसा किया जाता है।

पेट्रोल पंपों पर कर्मचारियों की वर्दी, आईडी कार्ड और जूते तक नहीं हैं। तेल देने वाले कर्मचारी भी मानकों के अनुसार नहीं रहते। अधिकांश पंपों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। परिसर में साफ-सफाई का भी अभाव है। चारों तरफ झाड़-झंखाड़ उगे हैं। किसी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक उपचार के लिए मरहम-पट्टी तक की व्यवस्था नहीं है। शिकायत पेटिका भी नहीं लगी है। ग्राहकों को जागरूक करने के कोई बोर्ड या सूचना नहीं है। कुछ पेट्रोल पंपों पर मीटर को जीरो किए बिना ही लगातार पेट्रोल दिया जा रहा है। तेल भरने वाले कर्मचारी नशे में धुत रहते हैं। कुल मिलाकर क्षेत्र में भ्रष्टाचार की भरमार है। जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान न देकर पंप संचालकों को संरक्षण दे रहे हैं। उपभोक्ताओं ने उच्चाधिकारियों से सभी पेट्रोल पंपों का सघन निरीक्षण कराकर कार्रवाई की मांग की है।

बाढ़ की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा

सीतापुर । जनपद में बाढ़ की तैयारियों और जन-सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों का विस्तृत दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने तहसील बिसवां के अंतर्गत आने वाले ग्राम म्योंडी छोलहा एवं श्रीरामपुरवा का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शारदा नदी के किनारे सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे स्टड निर्माण के कार्यों की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सुरक्षात्मक कार्य पूरी मजबूती के साथ समय से पूरे किए जाएं ताकि नदी के कटान से ग्रामीणों को पूरी सुरक्षा मिल सके। जिलाधिकारी महोदय द्वारा उपस्थिति अधिकारियों को बाढ़ तैयारियों के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने स्थानीय ग्रामवासियों से भी संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों से बाढ़ की स्थिति और बाढ़ के समय उनकी आवश्यकताओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की तथा उन्हें आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है।

लापता युवक का गंगा किनारे मिला कंकाल, चांदी के दांत और कपड़ों से हुई पहचान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ परिजन का आरोप है कि एक सप्ताह पहले दलापट्टी गांव के सामने गंगा में मिले एक शव का वीडियो वायरल हुआ था

मीरजापुर । उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में चील्ह थाना क्षेत्र के गहिया गांव स्थित गंगा घाट पर शनिवार को एक नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। कंकाल की पहचान देहात कोतवाली क्षेत्र के बेदौली गांव निवासी 23 वर्षीय शिवम यादव पुत्र शंभू शरण यादव के रूप में हुई। पहचान कपड़ों और एक दांत पर चढ़ी चांदी की परत के आधार पर की गई।

परिजन के अनुसार, बेटा शिवम 30 जून को घर से नाराज होकर बाइक लेकर निकला था और वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद 1 जुलाई को उसकी बाइक शास्त्री पुल पर लावारिस हालत में मिली थी, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया था। 2 जुलाई को देहात कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई और उसके गंगा में कूदने की आशंका गहरा गई।

परिजन का आरोप है कि एक सप्ताह पहले दलापट्टी गांव के सामने गंगा में मिले एक शव का वीडियो वायरल हुआ था। यदि पुलिस ने समय रहते उसका संज्ञान लिया होता तो शव सही अवस्था में मिल सकता था। पिछले दो दिनों से परिवार के लोग स्टीमर के जरिए गंगा में तलाश कर रहे थे। शनिवार दोपहर गहिया घाट पर एक नर कंकाल मिलने पर उन्होंने उसकी पहचान लापता बेटे शिवम के रूप में की। परिजन का कहना है कि शिवम के गले में सोने की चेन भी थी, जो नहीं मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद परिजन के लिखित लिखित अनुरोध पर कंकाल अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया। चील्ह थाना प्रभारी बद्री प्रसाद ने बताया कि नदी में मिले कंकाल की पहचान पिता ने कपड़ों और दांत के आधार पर लापता बेटे के रूप में पहचान की है तथा तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मृतक शिवम अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी एक छोटी बहन है और 21 अप्रैल 2026 को ही उसका विवाह हुआ था। घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा है।

मानसून और बारिश ने बढ़ाई गोवंश की मुश्किलें , बीमारियों का संक्रमण रोकने के लिए मिशन ऐनीमल वैक्सिनेशन की शुरुआत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । बारिश और बाढ़ का महीना गोवंश और महिष वंश के चलते मानसून के समय गोवंश के लिए मुश्किल का महीना होता है । पशुओं की बीमारी के लिए अनुकूल माने गए इस महीने में बीमारियों का संक्रमण बढ़ जाता है जिससे निपटने के लिए पशुधन विभाग ने मिशन वैक्सिनेशन की शुरुआत की है।

मानसून और बारिश के बाद अब बाढ़ मौसम पास है इसे देखते हुए विभिन्न संक्रामक बीमारियों के बचाव के लिए पशुधन विभाग की सक्रियता बढ़ गई है। प्रयागराज के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ एसएन यादव का कहना है कि जनपद में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (गइक्ष्ख्र्घ) और राज्य पशुपालन विभाग की तरफ से पशु टीकाकरण अभियान की शुरूआत हो चुकी है।

इसमें गलघोंटू या एचएस सेप्टीसीमिया के लिए टीकाकरण की शुरुआत मई से हो गई थी जो 15 जुलाई तक चलना है। इसमें अभी तक 7.36 लाख पशुओं का टीकाकरण हो चुका है। इसी तरह खुरपका- मुंहपका (एफएमडी) के लिए टीकाकरण की शुरुआत 22 जुलाई से हो रही है जो 45 दिन तक चलेगा। इसके लिए 9.2 लाख वैक्सीन आ चुकी हैं। लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) के लिए दूसरे राज्यों से मिलने वाले गांवों में अगस्त में टीकाकरण अभियान चलेगा। गोवंश और महिष वंश के पशुओं के अलावा सूकर की क्लासिक स्वाइन फीवर के लिए 11.5 हजार वैक्सीन लगाई जा चुकी है। बकरियो के लिए पीपीआर का वैक्सीनेशन अभी नहीं हुआ है।

प्रयागराज जनपद में वर्ष 2020 की पशुगणना में गोवंश और महिष वंश की संख्या 13 लाख 77 थी जो 2021 की पशु गणना में 8.90 लाख हो गई है। इन्हें संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए

दो स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा। सीवीओ डॉ शिवनाथ यादव के मुताबिक एक तरफ जिले के सभी 49 पशु चिकित्सा केंद्रों में मुफ़्त टीकाकरण किया जा रहा है जिसमें 39 पशु चिकित्सक और 311 सहकर्मी लगाए गए हैं। इसके अलावा डोर स्टेप वैक्सीनेशन भी चल रहा है जिसमें पशुधन प्रसार अधिकारी और टीकाकरण कर्मी गांवों में घर घर जाकर पशुओं का टीकाकरण कर रहे हैं। इसके लिए 39 वेटनरी मोबाइल वैन लगाई गई हैं।

सभी ब्लॉक में इसे लेकर सघन अभियान चलाया जा रहा है। टीका लगाने के बाद पशुओं के कान में एक प्लास्टिक टैग भी लगाया जाता है जिससे पशु का डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होता रहे।

पशुओं का वैक्सिनेशन करने के बाद भारत पशुधन ऐप में उसका रजिस्ट्रेशन करा कर अपलोड किया जा रहा हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता/सा., मंडल रेल प्रबंधक, हजरतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1	ई-निविदा सूचना सं.	1209-वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता-उत्तर रेलवे-लखनऊ-द्वितीय कॉल दिनांक 10.07.2026
2	कार्य का नाम	वाराणसी स्टेशन पर प्लैटफॉर्म शेड के विस्तार, वॉटर बूथ, वॉटर कूलर, शौचालय ब्लॉक, दिव्यांग सुविधाओं में वृद्धि, वेटिंग हॉल आदि के माध्यम से यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के संबंध में विधुत कार्य।
3	अनुमानित लागत	रु. 1,20,40,526.74/- (एक करोड़ बीस लाख चालीस हजार पाँच सौ छब्बीस रूपये एवं चौहत्तर पैसे मात्र)
4	ई निविदा की कीमत	शून्य
5	बयाना राशि	रु. 2,40,900/- (दो लाख चालीस हजार नौ सौ रूपये मात्र)
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
7	ई–निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 04.08.2026 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता/ सा., उत्तर रेलवे, हजरतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8	प्रस्ताव की वैधता	ई–निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन
9	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

सूचना सं. :1209–वरिष्ठ मंडल विधुत अभियंता–उत्तर रेलवे–लखनऊ–द्वितीय कॉल दिनांक 10.07.2026

2388/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय में प्रमुख सचिव (राज्य कर) का व्यापारी संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

❒ प्रतिबंधित चाइनीज मांझे पर जागरूकता एवं रोक लगाने पर विस्तृत चर्चा हुई

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ। प्रमुख सचिव, राज्य कर, उत्तर प्रदेश एवं राज्य कर आयुक्त कामिनी रतन चौहान के साथ लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय में शनिवार को अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की अध्यक्षता में व्यापारी संवाद का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य विषय प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री पर रोक एवं जन-जागरूकता रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि लखनऊ के व्यापारी प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का विक्रय नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री मुख्य रूप से कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से हो रही है। उन्होंने बताया कि पूर्व में चौक थाने में पुलिस प्रशासन के साथ हुई बैठक में व्यापारियों ने स्वेच्छा से प्रतिबंधित मांझे की चरखियां एवं धागे नष्ट किए थे तथा शपथ ली थी कि भविष्य में प्रतिबंधित मांझे का व्यापार नहीं करेंगे। उसी संकल्प को दोहराते हुए आज पुनः सभी व्यापारियों ने प्रमुख सचिव के समक्ष शपथ ली कि कोई भी व्यापारी जान-माल के लिए खतरा बनने वाले प्रतिबंधित मांझे का विक्रय नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि पहले शहर में पुल कम संख्या में थे, जबकि आज पूरे शहर में ऊंचे-ऊंचे पुल बने हुए हैं। पतंग का धागा इन पर फंस जाने से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए सभी को मिलकर इस गंभीर समस्या का समाधान करना होगा। महामंत्री अनुराग मिश्रा ने व्यापारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं से प्रमुख सचिव को अवगत कराया।व्यापारी पहले से संकल्पबद्ध है कि प्रतिबंधित मांझा नहीं बेचेंगे हम इसकी जिम्मेदारी लेते हैं।

जहां भी जरूरत होगी उन फ्लाई ओवर में हम व्यापारी मिल कर तार लगाएँगे

वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने कहा कि जब व्यापारियों ने स्वयं यह संकल्प लिया है कि प्रतिबंधित मांझा नहीं बेचेंगे, तब प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि किसी व्यापारी के यहां जांच की जाए तो संबंधित व्यापारी संगठन एवं व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों को भी साथ रखा जाए, जिससे अनावश्यक उत्पीड़न न हो। लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि यदि प्रतिबंधित मांझे के निर्माण स्तर पर ही प्रभावी रोक लगा दी जाए तो उसका अवैध व्यापार स्वतः समाप्त हो जाएगा।

प्रमुख सचिव (राज्य कर) श्रीमती कामिनी रतन चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रमुख सचिव बनने के बाद लखनऊ व्यापार मंडल के सभागार में व्यापारियों के साथ उनका यह पहला सीधा संवाद है। उन्होंने कहा कि यहां का पारिवारिक वातावरण अत्यंत सुखद है और इतने कम समय के नोटिस पर बड़ी संख्या में व्यापारियों की उपस्थिति सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का विषय केवल किसी एक विभाग का नहीं बल्कि पूरे समाज, पर्यावरण एवं जनसुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जांच के दौरान किसी भी व्यापारी, निर्माता अथवा कारीगर का अनावश्यक उत्पीड़न न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कानून का पालन करते हुए व्यापार संचालित हो।

स्कॉर्पियो में अगवा कर कारोबारी से लूट, तमंचे के बल पर ऑनलाइन कराई 1.28 लाख की वसूली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ परिचित ने बुलाकर साथियों संग बनाया बंधक, 48 घंटे बाद भी जानकीपुरम पुलिस ने नहीं दर्ज की एफआईआर

लखनऊ। राजधानी के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में सोलर पैनल कारोबारी को परिचित द्वारा स्कॉर्पियो में बैठाकर कथित रूप से अगवा करने, मारपीट कर असलहे के बल पर सोने की चेन लूटने और ऑनलाइन 1.28 लाख रुपये वसूलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि घटना के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया, जिससे वह न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

सीतापुर के मिश्रिख निवासी अभिषेक सिंह ने जानकीपुरम थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह लखनऊ में रहकर सोलर पैनल लगाने का कार्य करते हैं। नौ जुलाई को वह साईं विहार कॉलोनी स्थित एसबीआई के एक बैंक प्रबंधक के घर कार्य कर रहे थे। दोपहर में सामान लेने दुबग्गा गए और शाम करीब पांच बजे वापस लौटे। इसी दौरान उनके परिचित साहिल का फोन आया, जिसने उन्हें अपनी स्कॉर्पियो के पास बुलाया। आरोप है कि गाड़ी में पहले से सात लोग बैठे थे। जैसे ही वह अंदर बैठे, आरोपियों ने गाड़ी दौड़ा दी और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने तमंचा सटाकर गले में पहनी करीब 25 ग्राम सोने की चेन और छह ग्राम की दूसरी चेन व लॉकेट उतरवा लिया। इसके बाद पांच लाख रुपये की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। भयभीत होकर उन्होंने अपने खाते से 28 हजार रुपये ट्रांसफर किए। वहीं दोस्त दीपांशु से 50 हजार और ममेरे भाई सोनू से भी 50 हजार रुपये ऑनलाइन मंगवाकर आरोपियों को दिलाए। इस तरह आरोपियों ने कुल 1.28 लाख रुपये वसूल लिए।अभिषेक ने किसी तरह अपने ममेरे भाई सोनू को घटना की सूचना देकर बचाने की गुहार लगाई। सोनू ने बताया कि आरोपियों ने पहले सोलौनीनगर बुलाया, लेकिन वहां अभिषेक नहीं मिले। सूचना पर सोलौनीनगर पुलिस ने आरोपियों से संपर्क किया तो उन्होंने अपना स्थान गोमतीनगर बताया। इसके बाद फिर स्थान बदलकर जानकीपुरम बताया गया, वहां पहुंचे, जहां अभिषेक उन्हें मिले। इसके बाद दोनों जानकीपुरम थाने पहुंचे और लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।पीड़ित का आरोप है कि गंभीर आरोपों के बावजूद 48 घंटे से अधिक समय बीतने पर भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।जानकीपुरम पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तीन बैंक खातों से साइबर ठगों ने उड़ाए 2.35 लाख रुपये, पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

चिनहट, लखनऊ। चिनहट कोतवाली क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित के तीन अलग-अलग बैंक खातों से कुल 2,35,620.76 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। देवरिया खुर्द, लोलाई निवासी सुनील कुमार सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा के खातों से अनाधिकृत तरीके से रकम काट ली गई। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने 23 जून 2026 को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित ने बताया कि बैंक खातों का विवरण और संबंधित दस्तावेज भी पुलिस को उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसके बावजूद अब तक उन्हें रकम वापस नहीं मिल सकी है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। चिनहट पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच साइबर साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है और संबंधित बैंक खातों के लेनदेन की पड़ताल शुरू कर दी गई है।

लक्ष्मण नगरी में दिखा वृन्दावन का उल्लास बाबा चित्र-विचित्र की भजन संध्या में झूमे

❒ श्री द्वारिका रमण लाल जी का पावन प्राकट्योत्सव छप्पन भोग और भव्य आरती के साथ संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । आषाढ़ कृष्ण एकादशी के पावन मौके पर अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें देश के सुप्रसिद्ध भजन सम्राट बाबा श्री चित्र-विचित्र जी महाराज (वृंदावन) ने अपनी जादुई प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

शाम से शुरू हुई दिव्य भजन संध्या में दोनों भजन गायकों ने अपने मधुर कंठ से राधा-कृष्ण प्रेम की अविरल वर्षा की। भजनों की शुरुआत करते हुए बाबा चित्र-विचित्र जी ने श्रद्धालुओं को अध्यात्म का मर्म समझाते हुए कहा कि ''ठाकुर जी का श्रृंगार उन्हें सजाने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें बुरी नजर से बचाने के लिए किया जाता है। अक्सर लोग बाहरी तड़क-भड़क में उलझकर ठाकुर जी के असली और अलौकिक श्रीमुख के दर्शन का आनंद भूल जाते हैं।''इसके बाद उन्होंने अपना प्रसिद्ध भजन 'करुणामय कृपामय मेरे बांके बिहारी सरकार' और 'श्री वृंदावन हम हैं अति ही दीन जन, हमको मिले तेरी शरण' गाकर पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया। उन्होंने रसिक भक्तों को संदेश दिया कि भले ही हमारा तन वृंदावन में न हो, लेकिन हम अपने मन को हमेशा वहां बसाकर रख सकते हैं। जब उन्होंने 'वृंदावन वृंदावन गाऊं रे' की तान छेड़ी, तो पूरा सभागार झूमकर नाच उठा।

गर्भगृह से साक्षात भक्त की गोद में आने की चमत्कारिक कहानी

उत्सव के संयोजक और लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने ठाकुर जी के लखनऊ आने का एक बेहद भावुक और चमत्कारिक संस्मरण साझा किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 में जब वह अपनी पत्नी के साथ गुजरात के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर गए थे, तब उनकी पत्नी ने मुख्य पुजारी स्वर्गीय मन्नू जी महाराज से भावुक होकर ठाकुर जी का कोई विशेष प्रसाद मांगा था। भक्त की करुण पुकार पर पुजारी जी सीधे मंदिर के मुख्य गर्भगृह में गए और बलदाऊ जी के पास विराजमान 'लड्डू गोपाल' के विग्रह को उठाकर सीधे उनकी पत्नी की गोद में रख दिया। वर्षों तक घर में सेवा करने के बाद, भजन गायक चित्र-विचित्र जी की प्रेरणा से इस दिव्य दिन को उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। द्वारकाधीश मंदिर के पुराने रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि वह दिव्य तिथि 28 जून 2000 (आषाढ़ कृष्ण पक्ष की एकादशी) थी। अमरनाथ मिश्रा ने यह भी साझा किया कि ये ठाकुर जी बेहद संगीतप्रेमी हैं; उन्हें सुबह जगाने के लिए रोजाना करीब आधा घंटा तक चित्र-विचित्र जी के ही भजन बजाए जाते हैं, जिसके बाद ही मंदिर के पट खुलते हैं।

पद से नहीं, सेवा से होती है पहचान'', वार्ड-19 में ढाई करोड़ के विकास कार्य कराए : अमरेन्द्र भारद्वाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निगोहां , लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने और जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक बनाए जाने के बीच लखनऊ जनपद की वार्ड संख्या-19 के जिला पंचायत सदस्य अमरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि उनके लिए पद कभी उद्देश्य नहीं रहा, बल्कि जनसेवा ही उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर विकास कार्य कराना ही उनके सार्वजनिक जीवन का मूल उद्देश्य है और यह आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

अमरेंद्र भारद्वाज ने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान वार्ड संख्या-19 में लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत से अनेक विकास कार्य कराए गए। इनमें गांवों में सीसी सड़कें, खड़ंजा निर्माण, जल निकासी के लिए नालों का निर्माण तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। इन विकास कार्यों से क्षेत्र के लोगों को आवागमन और जलभराव जैसी समस्याओं से काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का असली दायित्व जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होता है। ''पद आज है, कल नहीं रहेगा, लेकिन जनता की सेवा का संकल्प हमेशा रहेगा। क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए मैं पहले भी समर्पित था और आगे भी पूरी निष्ठा के साथ काम करता रहूंगा।'' उन्होंने क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के सहयोग और विश्वास से ही विकास कार्यों को गति मिली और यही विश्वास उन्हें आगे भी जनहित में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

थाना समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण पर जोर

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संसवाददाता। नगराम थाना परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन सहित विभिन्न मामलों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव होता है, उनका मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। जबकि जटिल मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कर निष्पक्ष जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपनी समस्याएं थाना समाधान दिवस में अवश्य रखें, ताकि उनका समयबद्ध, पारदर्शी और न्यायसंगत समाधान किया जा सके। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय भी रही।

समाधान दिवस में लंबित प्रकरणों की सुनवाई, अधिकारियों ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

दुबग्गा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संसवाददाता। थाना दुबग्गा में आयोजित समाधान दिवस के दौरान फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्रीकांत राय, एडिशनल इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी, कानूनगो अशोक सिंह, लेखपाल अनुपमा राय तथा राजस्व निरीक्षक (आरआई) पारा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।समाधान दिवस में पुलिस एवं राजस्व विभाग से जुड़े कई लंबित प्रकरणों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद मामलों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया गया। जब कि शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस दौरान कई मामलों में तत्काल निस्तारण के आदेश भी जारी किए गए। थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने सभी शिकायतों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।राजस्व विभाग के अधिकारियों ने कानूनगो और लेखपाल के सहयोग से कई भूमि विवादों का मौके पर ही निस्तारण कराया। जिन प्रकरणों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें आवश्यक जांच एवं विधिक प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र निस्तारित करने का आश्वासन दिया गया।

माल के माधव उद्यान में आयोजित आम की दावत में पहुंचे यूपी के लोकायुक्त संजय मिश्रा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संसवाददाता। विकास खंड माल क्षेत्र के जल्लाबाद गांव में स्थित माधव उद्यान में कुँवर माधवेंद्र देव सिंह के द्वारा आयोजित आम की दावत में उत्तर प्रदेश शासन के लोकायुक्त संजय मिश्रा पहुंचे। उन्होंने माल क्षेत्र के विश्वप्रसिद्ध दशहरी सहित विभिन्न प्रजातियों के आमों का स्वाद लिया और आम उत्पादकों के प्रयासों की सराहना की। फिर भी विश्व प्रसिद्ध आम पर विभागीय अधिकारियों की निगाह टेढ़ी होने से कलमी आम के पेड़ छूट में घोषित कर दिए गए जिससे प्रतिदिन दर्जनों पेड़ों को काटा जा रहा है । कार्यक्रम के दौरान कुँवर माधवेंद्र देव सिंह ने लोकायुक्त मिश्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर बागवानी, आम उत्पादन और क्षेत्र की समृद्ध बागवानी परंपरा पर चर्चा हुई। लोकायुक्त ने कहा कि माल क्षेत्र के आम अपनी गुणवत्ता और स्वाद के कारण देश-विदेश में अलग पहचान रखते हैं तथा ऐसे आयोजन स्थानीय कृषि और पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। दावत में उपस्थित अतिथियों ने आम के बाग का भ्रमण किया और विभिन्न किस्मों के आमों की जानकारी भी प्राप्त की। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ । आम की दावतों का लुफ्त अधिकारी से लेकर मंत्री तक उठा रहे हैं इतना ही नहीं प्रति वर्ष आम महोत्सव भी होता है । फिर कलमी पेड़ों को काटने की छूट विभागीय अधिकारियों द्वारा दी गई । जिससे प्रतिदिन दर्जनों पेड़ों का कटान किया जा रहा है । जिसके कारण कुछ ही वर्षों में आम का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा । इस विषय में विभाग से लेकर अधिकारियों को भी जानकारी है फिर भी जानकर अनजान बने हुए हैं ।अवसर अजय प्रताप सिंह, दीपक गुप्ता सहित क्षेत्र के आम बागवान और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण पर जोर

❒ प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस-राजस्व विभाग ने संयुक्त रूप से सुनीं शिकायतें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम थाना परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन सहित विभिन्न मामलों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव होता है, उनका मौके पर ही निस्तारण किया जाता है। जबकि जटिल मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थल निरीक्षण कर निष्पक्ष जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपनी समस्याएं थाना समाधान दिवस में अवश्य रखें, ताकि उनका समयबद्ध, पारदर्शी और न्यायसंगत समाधान किया जा सके। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय भी रही।

मेड सर्विस एजेंसी के जरिए रखी गई घरेलू सहायिका पर लाखों के जेवर और नकदी लेकर फरार होने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट, लखनऊ। चिनहट कोतवाली क्षेत्र में एक मेड सर्विस एजेंसी के माध्यम से घर में काम पर रखी गई घरेलू सहायिका पर लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर फरार होने का आरोप लगा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मधुर विहार कॉलोनी, मटियारी निवासी तृषा सुरंगे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने 10 जून 2026 को एक मेड सर्विस एजेंसी के माध्यम से काजल साहू नामक महिला को घरेलू सहायिका के रूप में काम पर रखा था। एजेंसी की ओर से आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए थे।

आरोप है कि 2 जुलाई 2026 को काजल साहू बिना किसी सूचना के घर से चली गई और वापस नहीं लौटी। इसके बाद 5 जुलाई की रात जब परिवार के सदस्य ने गुल्लक उठाई तो वह नीचे से टूटी मिली और उसमें रखी नकदी गायब थी। शक होने पर अलमारी की जांच की गई तो उसमें रखे सोने की चेन, दो सोने की अंगूठियां, चांदी की पायल, पूजा की चांदी की थाली, चांदी का गिलास, चांदी की कटोरी तथा करीब 55 हजार रुपये नकद भी गायब मिले। पीड़िता ने मेड और एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी महिला की तलाश की जा रही है।

रोजगार की तलाश में राजस्थान गया निगोहां के युवक की करंट से मौत

निगोहां, लखनऊ। रोजगार की तलाश में राजस्थान गए निगोहां थाना क्षेत्र के राती गांव निवासी 23 वर्षीय इंद्रपाल की बिजली के करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद जब युवक का शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार, इंद्रपाल परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कुछ दिन पहले ही राजस्थान की एक क्रेशर कंपनी में मजदूरी करने गया था। काम के दौरान बिजली के बोर्ड में प्लग लगाते समय वह करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन राजस्थान पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को शव लेकर गांव लौटे। इंद्रपाल पांच भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटा था। उसकी असामयिक मौत से परिवार का सहारा छिन गया। परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर हादसे की सूचना देर से देने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

स्वर्णेश्वर महादेव मंदिर में चोरी, चांदी के मुकुट, अर्घ्य, दानपात्र की नकदी और सीसीटीवी कैमरे ले गए चोर

❒ मंदिर के कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चिनहट लखनऊ। चिनहट कोतवाली क्षेत्र स्थित विकल्पखंड-2 के स्वर्णेश्वर महादेव मंदिर में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोर मंदिर की पीछे की दीवार के रोशनदान से अंदर घुसे और चांदी के आभूषणों, दानपात्र की नकदी तथा एएट्ठठु कैमरे चोरी कर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंदिर के कोषाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह प्रतिदिन की तरह 10 जुलाई 2026 की सुबह करीब 5:30 बजे मंदिर पहुंचे। वहां पीछे की दीवार का रोशनदान टूटा मिला। मंदिर का ताला खोलकर अंदर देखा तो भगवान शंकर का चांदी का अर्घ्य, भगवान हनुमान सहित भगवान गणेश, सूर्यदेव, कार्तिकेय और माता पार्वती की मूर्तियों पर लगे करीब 2 किलोग्राम वजन के चांदी के मुकुट गायब थे।

इसके अलावा मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी भी चोरी कर ली गई। चोर मंदिर में लगे चार एएट्ठठु कैमरे भी उखाड़ ले गए, जबकि एएट्ठठु मॉनिटर नीचे टूटा पड़ा मिला। मंदिर के भीतर दो जोड़ी चप्पलें भी पड़ी मिलीं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि चोर जल्दबाजी में उन्हें छोड़कर फरार हुए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का निरीक्षण किया। पीड़ित की तहरीर पर चिनहट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस एएट्ठठु फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

दक्षिण भारत एवं 4 ज्योतिर्लिंग के साथ स्टेचू ऑफ़ यूनिटी की यात्रा करने का सुनहरा मौका

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ आईआरसीटीसी की भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से दी जा रही विशेष सुविधा

लखनऊ । इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड आईआरसीटीसी भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। आईआरसीटीसी को स्टेशनों, ट्रेनों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करने एवं पेशेवर बनाने और प्रबंधित करने और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे की एक विस्तारित शाखा के रूप में स्थापित किया गया है।

इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि0 (आईआरसीटीसी) द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा दक्षिण भारत यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इस यात्रा के मुख्य आर्कषण यात्रा गंतव्य, तिरुपति बालाजी मंदिर (तिरुपति), रामनाथ स्वामी मंदिर (रामेश्वरम), मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग (मरकापुर) रहेगा। उतरने-चढने के स्टेशन- गोरखपुर - मनकापुर - अयोध्या कैंट , सुल्तानपुर - माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ प्रयागराज संगम - रायबरेली - लखनऊ - कानपुर सेंट्रल , उरई- वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी , ललितपुर रहेगा ।

यात्रा 3 जुलाई 2026 से 11 अगस्त 2026 तक 11 रात एवं 12 दिन रहेगा।

यात्रा की मुख्य सुविधाए

इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लासं) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0- 23,560/- प्रति व्यक्ति , स्टैंडर्ड श्रेणी (3एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का रू0-39,100 प्रति व्यक्ति निर्धारित है कम्फर्ट श्रेणी (2एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-51,760/- प्रति व्यक्ति रहेगा। इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि0 (आईआरसीटीसी) द्वारा गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन द्वारा 4 ज्योतिर्लिंग के साथ स्टेचू ऑफ़ यूनिटी के साथ स्टेचू ऑफ़ यूनिटी का यात्रा संचालन किया जा रहा है।

यात्रा के मुख्य आर्कषण

यात्रा गंतव्य- महाकालेश्वर ज्योतिलिंग, ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग (उज्जैन), द्वारकाधीश, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग (गुजरात), स्टेचू ऑफ़ यूनिटी । उतरने-चढने के स्टेशन- गोरखपुर - मनकापुर - अयोध्या कैंट , सुल्तानपुर - माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ प्रयागराज संगम - रायबरेली - लखनऊ - कानपुर सेंट्रल , उरई - वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी , ललितपुर । यात्रा तिथि- 17 अगस्त 2026 से 26 अगस्त 2026 तक 09 रात एवं 10 दिन

इस पैकेज में 02 एसी, 03 एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी/ नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण सम्मिलित है। इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लासं) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-18,380/- प्रति व्यक्ति होगा। स्टैंडर्ड श्रेणी (3 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-29,570 प्रति व्यक्ति प्रति व्यक्ति, कम्फर्ट श्रेणी (2 एसी क्लास) में ठहरने पर पैकेज मूल्य रू0-38,870 प्रति व्यक्ति होगा । इस यात्रा सेवा मे एलटीसी एवं ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है।

उक्त यात्रा की बुकिंग हेतु पर्यटन भवन, गोमती नगर, लखनऊ स्थित आईआरसीटीसी कार्यालय एवं आईआरसीटीसी की बेवसाइट बबब.द्वन्दप्दध्थफ्द्धपद्व.दधद्व से आनलाइन बुकिंग भी कराई जा सकती है। अधिक जानकारी एवं बुकिंग के लिये नीचे दिये गये मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते हैः 9236391923, 9236391908, 8287930908, 9236391925, 8303555714 नम्बर उपलब्ध है।

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

❒ प्रदेश स्तर पर जनपद को सीएम डैशबोर्ड में मिला प्रथम स्थान

❒ जनपद में संचालित परियोनाओं की प्रगति एवं सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग की हुई समीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर । प्रमुख सचिव एवं जनपद के नोडल अधिकारी मनीष चौहान की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड कानून व्यवस्था एवं राजस्व, विकास कार्य एवं जनपद में संचालित परियोनाओं की प्रगति एवं सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी ने विभिन्न विभागों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। कहा कि प्रदेश स्तर पर जनपद को सीएम डैशबोर्ड में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने योजनाओं के प्रगति की रैंकिंग के संबंध में बताया। कहा कि जननी सुरक्षा योजना ग्रेड बी एवं सीएमआईएस में ग्रेड सी एवं अन्य सभी योजनाओं में जनपद में रैंक प्रथम रही है। प्रमुख सचिव ने आबकारी, स्टाम्प, खनन, मंडी, राज्यकर एवं नगर निगम के राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली करें। जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अपराधों में समय से कार्रवाई होती रहे। कहा कि मेडिकल कॉलेज, सेतु अन्य अस्पताल सहित निर्माण परियोजनाओं के निर्माण कार्य समय से गुणवत्तापूर्ण हों। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जाए वह प्रशासनिक सेवाओं से संतुष्ट रहें। अधिकारी आगे बढ़कर जनहित के कार्य करने का प्रयास करें। उन्होंने प्रदेश में जनपद की प्रथम रैंक आने पर सभी अधिकारियों को बधाई दी और कहा इसी तरीके से कार्य करते रहे। बैठक में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी, डीएफओ सचिन कुमार, एसपीआरए दीक्षा भंवरे सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साहित्य सृजन संस्थान, बिसवां ने जरूरतमंद, मेधावी बच्चों को नि:शुल्क वितरित की गईं पाठ्य पुस्तकें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। शैक्षिक, सामाजिक, साहित्यिक सरोकारों को समर्पित अ. भा. संस्था 'साहित्य सृजन संस्थान' द्वारा क्षेत्र बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए बिसवां में निकट पशु चिकित्सालय, तहसील रोड पर स्थापित 'सृजन पुस्तकालय' में (हाई स्कूल इंटर के छात्र, छात्राओं को) निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका, चेयरमैन, पुष्पू जायसवाल उपस्थित रहे। संस्थान द्वारा उन्हें अंगवस्त्र, स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समाजसेवी गिरिधर अग्रवाल, सौरभ बंसल के द्वारा कृष्णा देवी गर्ल्स कॉलेज की कुछ छात्राओं कोउनकी पाठ्यक्रम की पुस्तकें, स्टेशनरी और स्कूल बैग प्रदान किया गया। इसी क्रम में कुछ अन्य बच्चों को उनकी स्कूल किट उनके विद्यालय भेजी गई।

इस अवसर चेयरमैन ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकालय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हैं और एक प्रबुद्ध पाठक वर्ग का निर्माण करते हैं। सृजन पुस्तकालय का यह प्रयास सराहनीय है। हमारी शुभकामनाएं और भरपूर सहयोग संस्थान को सदैव सुलभ रहेगा। संस्थान के संस्थापक /अध्यक्ष साहित्यकार संदीप मिश्र सरस ने बताया कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष क्षेत्र के मेधावी जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क स्कूल बुक किट उपलब्ध कराई जाती है। ये बच्चे अपनी मेधा के बल पर सफलता अर्जित करके बिसवां का नाम पूरी दुनिया में जब रोशन करेंगे तो हमारे संस्थान का संकल्प सार्थक हो जाएगा। कार्यक्रम में कृष्णा देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी, उप प्रधानाचार्य उषा मिश्रा, गंगा स्वरूप मिश्र, एडवोकेट मनोज गुप्ता, श्रीकांत मिश्रा, नीरज मिश्रा सभासद, हरिशंकर त्रिवेदी मुकुंद पांडेय, अमन बाजपेई आदि एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस में 34 शिकायतें, 3 का मौके पर निस्तारण

❒ डीएम ने अनुपस्थित लेखपाल अजय प्रताप का एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश तो सो रहे लेखपाल पर नहीं हुई कोई कार्यवाही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार को सकरन थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

समाधान दिवस में कुल 34 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिनमें से 3 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष 31 शिकायतों को संबंधित विभागों को जांच एवं निस्तारण हेतु भेजा गया।

किस विभाग की कितनी शिकायतें

राजस्व21 शिकायतें, ग्राम पंचायत विकास 7 शिकायतें , आपूर्ति विभाग 3 शिकायतें, बजली विभाग 3 शिकायतें, जिलाधिकारी ने

सभी शिकायती पत्रों को निस्तारण के लिए उप जिलाधिकारी बिसवां आकांक्षा गौतम को सौंप दिया। एसडीएम ने संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में अनुपस्थित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने मानिकोडा के लेखपाल अजय प्रताप का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए जबकि समाधान दिवस में जब जिलाधिकारी समाधान करते रहे तो दूसरी तरफ सोते रहे लेखपाल महराजनगर ब्रजेश पर नहीं हुई कोई कार्यवाही। इस दौरान सीओ बिसवां हर्षित चौहान, थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल और पुलिस कर्मियों के साथ बड़ी संख्या में फरियादी मौजूद रहे।

25 पत्रावलियों में एक दंपति का हुआ समझौता, किया विदा

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में शनिवार को पुलिस लाइन में परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन किया गया। जिसमें 25 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई और 01 दम्पति का आपसी सहमति से समझौता कराकर विदा किया गया। थाना सदर बाजार क्षेत्र के एक दम्पति का लगभग डेढ़ साल पहले प्रेम विवाह हुआ था। शादी के कुछ दिनों बाद से ही दोनों का घरेलू बातों को लेकर विवाद हो गया था। जिसके चलते पत्नी नाराज होकर अपने मायके चली गई थी। पति ने अपनी पत्नी को विदा करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। वहीं, पत्नी ने बताया कि उसका पति शराब पीकर मारपीट करता था और घरवालों से बात नहीं करने देता था। इसी बात से नाराज होकर वो करीब 03 माह से अपने मायके में रह रही है। पत्नी ने बताया कि वो अपने पति के साथ ससुराल जाने के लिए तैयार है। शनिवार को दोनों को परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया और उन्हें समझाकर आपसी वार्ता कराई गई। परामर्श के बाद पति-पत्नी ने आपसी सहमति से समझौता कर लिया है। जिसके बाद दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र से सकुशल विदा किया गया।

पत्रकार व समाजसेवी अखिलेश कुमार विश्वकर्मा 'सूरज मिस्त्री' (बाबा रिपोर्टर) का निधन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ जनपद के समस्त सभ्रांत लोगों ने उपस्थित होकर शनिवार को नम आंखों से हुआ अंतिम संस्कार

सीतापुर। पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले पत्रकार अखिलेश कुमार विश्वकर्मा उर्फ ''सूरज मिस्त्री'' (बाबा रिपोर्टर) का शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 को हृदयाघात (हार्ट अटैक) आने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। पूरे दिन उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा।

सूरज मिस्त्री अपनी निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ-साथ समाजसेवा के कार्यों में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते थे। गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाना तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रशासन तक पहुंचाना उनकी कार्यशैली का हिस्सा था। अपने सरल, मिलनसार और सहयोगी स्वभाव के कारण वे आम लोगों के बीच ''बाबा रिपोर्टर'' के नाम से विशेष रूप से लोकप्रिय थे।

शनिवार को पूरे विधि-विधान और गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में पत्रकार, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण तथा नगर क्षेत्र के लोग शामिल हुए। शोकाकुल माहौल के बीच नम आंखों से सभी ने उन्हें अंतिम विदाई दी। मुखाग्नि उनके बड़े साले ने दी। अंतिम संस्कार के दौरान अंकुश राज विश्वकर्मा, मोहन प्रसाद बारी, दुर्ग विजय सिंह यादव, अबतक टीवी के संपादक राजेश कुमार सिद्धार्थ, कोटेदार राजेश वर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के कई जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, पत्रकार साथी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगर क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत पत्रकार को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि सूरज मिस्त्री ने अपने जीवन में हमेशा निष्पक्ष पत्रकारिता और जनसेवा को प्राथमिकता दी। उन्होंने समाज के दबे-कुचले और जरूरतमंद लोगों की आवाज़ बुलंद करने का कार्य किया। उनका व्यवहार सभी के प्रति आत्मीय और सहयोगपूर्ण था, जिसके कारण उन्होंने समाज में अपनी अलग पहचान बनाई। उनके निधन पर उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभी ने कहा कि पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में सूरज मिस्त्री का योगदान सदैव याद किया जाएगा और उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाती रहेगी।

जाम व अतिक्रमण की समस्या को दूर करने के लिए चलाया अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक नगर देवेन्द्र कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर/यातायात शुभम वर्मा के पर्यवेक्षण में शनिवार को यातायात पुलिस ने जाम एवं अतिक्रमण की समस्या को दूर करने के लिए थाना सदर बाजार क्षेत्र के लाल इमली चौराहा से सुभाषनगर होते हुए मॉडल रोड तक विशेष अभियान चलाया।

इस दौरान यातायात पुलिस टीम ने मुख्य मार्ग के किनारे दुकानों के सामने किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाया। साथ ही सड़क तक फैले सामान, अवैध ठेलों एवं अन्य बाधाओं को हटाकर मार्ग को सुचारु रूप से आवागमन योग्य बनाया। इसके अलावा नो-पार्किंग क्षेत्र एवं मुख्य सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्यवाही की और सड़क पर यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों को भविष्य में नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। प्रभारी निरीक्षक यातायात ने आमजन से अपील की है कि सभी नागरिक यातायात नियमों का स्वयं पालन करें तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। दुकानदार अपनी दुकान की सीमा के भीतर ही सामान रखकर व्यापार करें तथा वाहन चालक अपने वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें। कहा कि जनहित में जाम एवं अतिक्रमण के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टॉवर पर चढ़ी युवती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ तीन घंटे की मशक्कत के बाद उतरी सुरक्षित

लखीमपुर खीरी। जिले में प्रेम संबंधों को लेकर एक बार फिर हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। तिकुनिया कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवती अपने प्रेमी से शादी की मांग को लेकर करीब 145 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। करीब तीन घंटे तक चले समझाने-बुझाने के बाद युवती सुरक्षित नीचे उतर आई।

जानकारी के अनुसार, जसनगर निवासी पायल का तिकुनिया क्षेत्र के करन नामक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन युवती के परिजन इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं थे। इसी बात से नाराज होकर युवती खैरटिया गांव स्थित मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई और प्रेमी से शादी कराने की मांग पर अड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही तिकुनिया पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को समझाने का प्रयास शुरू किया। पुलिस ने उसे शांतिपूर्वक बातचीत कर सुरक्षित नीचे आने के लिए प्रेरित किया। काफी देर तक चले प्रयासों और प्रेमी को बुलाने का आश्वासन मिलने के बाद युवती टॉवर से नीचे उतर आई। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। तिकुनिया कोतवाली प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि युवती को पूरी तरह सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है और दोनों पक्षों से बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।यह जिले में करीब 20 दिनों के भीतर दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले 22 जून को निघासन तहसील क्षेत्र के मंझली पुरवा में भी एक युवती प्रेमी से शादी की मांग को लेकर मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई थी, जिसे पुलिस और ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से सुरक्षित नीचे उतारा गया था। लगातार सामने आ रही इस तरह की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यक्तिगत विवाद या पारिवारिक मतभेद का समाधान इस प्रकार जान जोखिम में डालकर नहीं किया जाना चाहिए। संवाद, परिवार की सहमति और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से ही ऐसे मामलों का समाधान निकालना सुरक्षित और

डीएम ने वीएचएसएनडी सत्र का किया औचक निरीक्षण

सीतापुर । जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज प्राथमिक विद्यालय रंगवा, विकास क्षेत्र लहरपुर में संचालित वीएचएसएनडी सत्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ए0एन0एम0 से वार्ता करते हुये गांव की जनसंख्या के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुये एच0आर0पी0, ड्यू लिस्ट रजिस्टर एवं अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टर का अवलोकन किया। एएनएम से वैक्सीनेशन बारे में भी जिलाधिकारी ने जानकारी ली। जिलाधिकारी ने वैक्सीनेशन किट एवं आईस बाक्स का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से वार्ता करते हुये विभागीय अभिलेखों का गहनतापूर्वक अवलोकन करते हुये वी0एच0एस0एन0डी0 सत्र के दौरान की गयी तैयारियों के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुये पुष्टाहार वितरण के बारे में जाना। आंगनबाड़ी के सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कोई गर्भवती महिला एवं शिशु वैक्सीनेशन से छूटने न पाये।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

मछरेहटा,सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी सिमी निगार से शनिवार को बीआरसी स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कक्ष में ब्लॉक अध्यक्ष देवर्षि प्रताप सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ मछरेहटा द्वारा पुष्प गुच्छ देते हुए शिष्टाचार भेंट की गई। संगठन की वरिष्ठ महिला उपाध्यक्ष सीमा द्वारा नवागत बीईओ का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।गौरतलब है कि तहसील मिश्रिख के विकासखंड मछरेहटा में खंड शिक्षा अधिकारी के रिक्त पद पर अतिरिक्त प्रभार के रूप में सिमी निगार की तैनाती बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा की गयी है। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्ण मोहन गुप्ता, नीरज गौतम, कीरत कुमार, विवेक, महेंद्र कुमार रूपेश गुप्ता, अरविंद माली इत्यादि शिक्षक पदाधिकारी मौजूद रहे ।

हरसिंहपुर की ग्राम प्रधान किरन देवी का निधन,क्षेत्र में शोक की लहर

धौरहरा,संवाददाता, कैनविज टाइम्स संवाददाता। धौरहरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत हरसिंहपुर की ग्राम प्रधान किरन देवी का शनिवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया।उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और गांव सहित आसपास के इलाकों में मातम छा गया।जानकारी के अनुसार,ग्राम प्रधान किरन देवी 26वर्षीय पत्नी प्रमोद गुप्ता पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं और उनका उपचार लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा था।शनिवार सुबह उनकी तबीयत अचानक अधिक बिगड़ गई।जिसके बाद उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।उनके निधन की खबर जैसे ही क्षेत्र में पहुंची,बड़ी संख्या में ग्रामीण,जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक उनके आवास पर पहुंचने लगे।किरन देवी अपने सरल स्वभाव,जनसेवा की भावना और ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थीं।उनके निधन को ग्रामीणों ने अपूरणीय क्षति बताया है।लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किया।

रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए: प्रमुख सचिव

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददात। जनपद में 12 जुलाई को आयोजित होने वाले वृहद वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 की तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवार को विकास भवन सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन, उत्तर प्रदेश एवं पुनर्गठन, समन्वय, भाषा विभाग के नोडल अधिकारी मनीष चौहान ने की। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी सचिन कुमार ने बताया कि शाहजहांपुर में इस वर्ष 52.55 लाख पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें वन विभाग को 6.21 लाख तथा अन्य विभागों को 46.34 लाख पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित किया गया है। सभी विभागों ने लक्ष्य के अनुरूप गड्ढा खुदान का कार्य पूर्ण कर लिया है। साथ ही विभिन्न विभागों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा मांगे गए पौधों की आपूर्ति भी वन विभाग की पौधशालाओं के माध्यम से सुनिश्चित कर दी गई है। समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव मनीष चौहान ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिससे अधिक से अधिक पौधे जीवित रह सकें और अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके। जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी ने विकास खंड स्तर पर सतत मॉनिटरिंग तथा ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में नगर आयुक्त सौम्या गुरूरानी, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भंवरे अरुण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत योजना के तहत गोला में आधुनिक इलाज का भरोसा बना सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ 5 लाख तक कैशलेस उपचार, 24-7 ट्रॉमा सेंटर, आईसीयू, डायलिसिस, मॉड्यूलर ओटी सहित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम दे रही सेवाएं

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। अब गंभीर बीमारी या सड़क दुर्घटना की स्थिति में बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर दौड़ लगाने की मजबूरी काफी हद तक कम होती नजर आ रही है। गोला गोकर्णनाथ की नई बाईपास, लखीमपुर रोड पर स्थित सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को ?5 लाख तक कैशलेस उपचार उपलब्ध कराकर क्षेत्र के लोगों का भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बनकर उभरा है।

अस्पताल का उद्देश्य है कि जनपद लखीमपुर खीरी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हों। इसके लिए अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तथा मरीजों के लिए व्यवस्थित उपचार व्यवस्था विकसित की गई है।

आयुष्मान भारत योजना का मिल रहा लाभ

अस्पताल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (घ्ब्र-ख्ड्ड) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सरकार द्वारा निर्धारित पैकेजों के अनुसार ?5 लाख तक कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल प्रशासन द्वारा मरीजों और उनके परिजनों को योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन भी दिया जाता है, जिससे आर्थिक तंगी इलाज में बाधा न बने।

24 घंटे इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर की सुविधा

दुर्घटनाओं और गंभीर स्वास्थ्य आपात स्थितियों को देखते हुए अस्पताल में 247 इमरजेंसी एवं ट्रॉमा सेंटर संचालित किया जा रहा है। सड़क दुर्घटना, गंभीर चोट, हार्ट अटैक अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का ''गोल्डन ऑवर'' जीवन बचाने में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए अस्पताल में ट्रॉमा सेवाओं को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित किया गया है।

एक ही छत के नीचे आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं

सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में मरीजों को अत्याधुनिक आईसीयू, वेंटिलेटर सुविधा, डायलिसिस यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, डिजिटल एक्स-रे, आधुनिक पैथोलॉजी, 24 घंटे फार्मेसी तथा एम्बुलेंस सेवा जैसी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम दे रही सेवाएं

अस्पताल में ऑर्थोपेडिक, जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी, जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, मैक्सिलोफ़ेशियल सर्जरी सहित विभिन्न विशेषज्ञ विभागों की सेवाएं उपलब्ध हैं। प्रत्येक मरीज का उपचार उसकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में किया जाता है।

प्रमुख सचिव ने निर्माणाधीन स्पोर्ट्स स्टेडियम का किया निरीक्षण,दिए निर्देश

❒ वित्त मंत्री 19 जुलाई को करेंगें लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगभग 26.3276 करोड़ रूपए की लागत से निर्माणाधीन आधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम का प्रमुख सचिव मनीष चौहान ने निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन स्विमिंग पूल, बैडमिंटन हॉल, कबड्डी हॉल तथा 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी एसपी बामनिया ने बताया कि आगामी 19 जुलाई को प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। वहीं, प्रमुख सचिव ने स्टेडियम में विकसित की जा रही आधुनिक एवं आकर्षक खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह खेल परिसर जनपद के खिलाड़ियों के लिए एक नई पहचान बनेगा। यहां उपलब्ध होने वाली विश्वस्तरीय सुविधाओं से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा तथा वे प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन करेंगे। यह परियोजना शाहजहांपुर में खेल प्रतिभाओं को नई उड़ान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के एपीएम श्याम, यूपी सिडको के अधिशासी अभियंता विनोद कुमार, एई परवेज आलम, जेई अग्रसेन तथा स्टेडियम के समस्त प्रशिक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण चौपाल का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश (बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ) के तत्वावधान में शनिवार को भारत नेपाल सीमावर्ती इलाके में स्थित देव संस्कृति ग्रामोदय इंटर कॉलेज रामपुर परिसर में पर्यावरण व जल संरक्षण विषयक चौपाल का आयोजन कर पर्यावरण का सामूहिक संकल्प लिया गया तथा पर्यावरण विषयक आधारित निबंध व वाद विवाद प्रतियोगिता में सहभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों विद्यार्थियों के अलावा शिक्षक, अभिभावक, पर्यावरणविद वन कर्मी अधिकारी व एस0एस0बी कर्मी तथा उप सेना नायक आदि उपस्थित रहे। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित पर्यावरण जल संरक्षण चौपाल का शुभारंभ सीमावर्ती क्षेत्र के विभिन्न इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा वृक्ष गंगा अभियान यात्रा निकालकर लोगो को हरीतिमा संवर्धन का प्रभावी संदेश दिया गया आयोजित चौपाल को संबोधित करते हुए उप सेनानायक (42वी वाहिनी) एम0एस0 बेनीवाल ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है हम सबका दायित्व बनता है कि अपने आस पास खाली पड़े स्थानों विद्यालय परिसरो में अधिकाधिक संख्या में पेड़ लगाए तथा उनका संरक्षण भी करे तभी जल व जीवन संरक्षित रह सकेगा। रेंजर अब्दुल्लागंज पंकज साहू ने कहा कि भारत नेपाल सीमावर्ती इलाकों में वन विभाग की ओर से लगातार सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है तथा स्थानीय जन सहयोग से रोपित वृक्षों के संरक्षण का प्रभावी प्रयास भी किया जा रहा है । उन्होंने बताया कि सीमावर्ती वन्य क्षेत्र का लगातार दायरा बढ़ रहा है और अब्दुल्लागंज (चरदा) वन्य क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ व हिरण प्रजाति के जंगली जानवरो की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह हर्ष का विषय है। कार्यक्रम आयोजक संजीव श्रीवास्तव एडवोकेट (अध्यक्ष) महामना मालवीय मिशन ने बताया कि पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए समान विचारधारा वाले संगठनों गायत्री परिवार, संघ परिवार व शिक्षा जगत तथा पर्यावरणविदो से समन्वय बनाकर गांव गांव में पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है विद्यालय परिसर, धार्मिक स्थल व सरयू नदी के तटीय इलाकों में पंचवटी प्रजाति के वृक्षों का रोपण कर उनको संरक्षित करने का प्रभावी प्रयास भी किया जा रहा है।कार्यक्रम का संचालन करते हुए विद्यालय परिवार संरक्षक प्रवक्ता राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि ग्रामीणांचल इलाको के बालिकाओं को शिक्षित व दीक्षित करने के लिए विद्यालय में लगातार प्रभावी प्रयास किया जा रहा है तथा अन्य सामाजिक व धार्मिक संगठनों का सतत सहयोग भी लिया जा रहा है। धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य शुभम श्रीवास्तव ने किया विद्यालय परिवार के बच्चों ने विद्यालय परिसर से आस पास के गांवों में फलदार वृक्षों को हाथ में लेकर पर्यावरण संबंधित गीत गाते हुए व गगनभेदी नारे लगाकर समूचे वातावरण को गुंजायमान कर दिया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डिप्टी रेंजर रुपईडीहा विनय राणा, वन दरोगा ब्रम्हदेव, चरदा डिप्टी रेंजर शम्भूनाथ यादव,वन रक्षक अवनीश कुमार, रघुनाथ शर्मा, प्रवक्ता वरुण श्रीवास्तव,आचार्य (विद्या मंदिर) अनिल शर्मा, गायत्री बाल संस्कारशाला संचालिका रेखा श्रीवास्तव, गायत्री परिजन जगत राम वर्मा, सौरभ श्रीवास्तव, समाज सेवी राघवेंद्र शर्मा, समाज सेवी हृद प्रताप मिश्रा, सरिता शर्मा, देवेश शर्मा, शिक्षा शास्त्री समाजसेविका डॉ तस्लीम जैदी आदि उपस्थित रहे । समापन अवसर पर पर्यावरण विषयक आयोजित प्रतियोगिता में सहभाग करने वाले विद्यार्थियों व पर्यावरणविदो को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा पर्यावरण व जल संरक्षण जन जागरण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

कलयुगी बेटे ने पिता का बहाया खून! पड़ोसी के साथ मिलकर 75 वर्षीय वृद्ध की हत्या, दोनों आरोपी फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जनपद के थाना बिनावर क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थाना क्षेत्र के ग्राम ब्योर निवासी राधेलाल (लगभग 75 वर्ष) की कथित रूप से उनके ही पुत्र और पड़ोसी ने मिलकर हत्या कर दी। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार, मृतक राधेलाल की हत्या का आरोप उनके पुत्र तथा पड़ोसी राकेश पर है। वारदात की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सीओ सिटी राहुल पांडे ने पत्रकार वार्ता में बताया कि हत्या की घटना के बाद दोनों नामजद आरोपी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद सहित अन्य संभावित कारणों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा और उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे गांव में घटना को लेकर शोक और दहशत का माहौल है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

अंतरजनपदीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

इस्लामनगर पुलिस ने 10 चोरी की मोटरसाइकिलों समेत तीन शातिर चोरों को दबोचा

इस्लामनगर/बदायूँ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं वाहन चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना इस्लामनगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नियमित वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान फूल सिंह उर्फ मोनू, मनवीर और आदित्य के रूप में हुई है। तीनों को संदिग्ध अवस्था में चेकिंग के दौरान रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। बरामद वाहनों के संबंध में पूछताछ करने पर अभियुक्त कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विभिन्न स्थानों से मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें ठिकाने लगाने की फिराक में थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद सभी मोटरसाइकिलें किन-किन क्षेत्रों से चोरी की गई थीं और इस गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि गिरोह का नेटवर्क अन्य जनपदों तक फैला हुआ है या नहीं।थ्इस कार्रवाई को वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस बरामद मोटरसाइकिलों के वास्तविक स्वामियों की पहचान कर उन्हें वाहन सुपुर्द कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर रही है। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे गिरोह के नेटवर्क और चोरी के अन्य मामलों से इनके संबंधों की गहन जांच कर रही है।

गायत्री महायज्ञ, जनसंख्या संतुलन एवं सांस्कृतिक पुनर्ज़ागरण का हुआ आह्वान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। गायत्री शक्तिपीठ एवं आध्यात्मिक चेतना केंद्र पर विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में प्रखर बाल संस्कारशाला के तत्वावधान में विराट गायत्री महायज्ञ हुआ। बाल संस्कारशाला के बच्चों ने लोकमंगल, वैश्विक शांति, मानवीय सद्भाव तथा संतुलित जनसंख्या व्यवस्था की कामना से गायत्री मंत्र एवंमहामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां यज्ञ भगवान को समर्पित कीं। संपूर्ण वातावरण वैदिक ऋचाओं, मंत्रोच्चार एवं यज्ञीय सुगंध से आध्यात्मिक चेतना से अनुप्राणित हो उठा। परिव्राजक सुमित कुकरेती ने विधि-विधानपूर्वक यज्ञ संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का शाश्वत प्राणतत्त्व है, जो मानव के अंतःकरण का परिष्कार, पर्यावरण का परिमार्जन तथा सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। वरिष्ठ ट्रस्टी सुखपाल शर्मा ने कहा कि जनसंख्या तभी राष्ट्रीय संपदा सिद्ध होती है, जब वह शिक्षित, सुसंस्कृत, स्वावलंबी, अनुशासित एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों में रूपांतरित हो।

गायत्री परिवार के संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरणीय संतुलन, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार पर बहुआयामी दबाव उत्पन्न करती है। नारी सशक्तिकरण, संस्कार-संपन्न परिवार व्यवस्था आध्यात्मिक दृष्टिकोण के समन्वित प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि यज्ञीय जीवनदर्शन व्यक्ति में संयम, सदाचार, सेवा, त्याग एवं उत्तर दायित्वबोध का संवर्धन करता है, जिससे सुदृढ़, संतुलित और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला निर्मित होती है। इस मौके रिया, रौनक, नीतू, पायल, ऐनी, अनुष्का, राधिका, शिखा, दीपाली, शैलेश आदि मौजूद रहे।

देवरिया में लगेंगे 40 लाख पौधे, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रविवार को करेंगे अभियान का शुभारंभ

एजेंसी

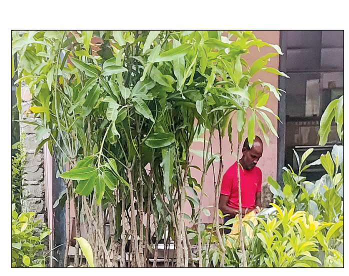

देवरिया । पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से देवरिया जनपद में रविवार 12 जुलाई को वृहद पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले में 39 लाख 91 हजार 900 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की मुख्य थीम 'एक पेड़ मां के नाम' रखी गई है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को लक्ष्य आवंटित कर तैयारियां पूरी कर ली हैं और इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने की रणनीति बनाई है। अभियान का मुख्य जिला स्तरीय कार्यक्रम बरियारपुर में आयोजित होगा, जहां प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही सुबह 8:30 बजे पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी मौजूद रहेंगे। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को बताया कि चारागाहों, अमृत सरोवरों, सरकारी परिसरों, विद्यालयों, पंचायत भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। एक हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले चारागाहों की मेड़ों पर भी पौधे लगाए जाएंगे। अभियान में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां, ग्राम प्रधान, पंचायत प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और स्थानीय ग्रामीण सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। अभियान के तहत जिले के 2121 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सहजन अथवा आंवले के पौधे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर विद्यालय खुले रहेंगे और शिक्षक तथा छात्र पौधारोपण में भाग लेंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में सहजन, आंवला, गुड़हल, मौलश्री, रुद्राक्ष और मीठी नीम के पौधे लगाए जाएंगे, जबकि अमृत सरोवरों के आसपास पीपल, नीम, जामुन और पाकड़ जैसे छायादार एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया जाएगा। साथ ही लगभग एक लाख अंत्योदय राशन कार्डधारकों को भी पौधे वितरित किए जाएंगे। विभागवार लक्ष्य के अनुसार, वन एवं वन्यजीव विभाग 13.46 लाख, ग्राम्य विकास विभाग 13.97 लाख, कृषि विभाग 4.32 लाख, उद्यान विभाग 2.13 लाख, पर्यावरण विभाग 1.52 लाख, पंचायतीराज विभाग 1.53 लाख तथा राजस्व विभाग 1.07 लाख पौधे लगाएगा। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, ऊर्जा, सहकारिता, समाज कल्याण, मत्स्य, परिवहन सहित अन्य विभागों को भी लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान की सफलता केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उनके संरक्षण और नियमित देखभाल पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। सभी विभागों को लगाए गए पौधों की निगरानी और उन्हें जीवित रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

नीलिमा पाठक ने लिया देहदान का संकल्प, ''जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी

बिसौली-श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा शुक्रवार 11 जुलाई को ''देह से दिव्यता तक'' विषय पर विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बिसौली की मूल निवासी एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संस्थान व उड़ान - एक प्रयास की अध्यक्ष नीलिमा पाठक को देहदान का संकल्प लेने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के संस्थापक एवं चेयरमैन देवमूर्ति जी ने नीलिमा पाठक को शाल ओढ़ाकर,जीवन के प्रतीक स्वरूप एक पौधा, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एच.ओ.डी. एनाटॉमी विभाग डॉ. नमिता मेहरोत्रा, डॉ. एयर मार्शल एम.एस. वाटला, लखनऊ से एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, संस्थान के विभिन्न विभागों के अतिथि एवं बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र उपस्थित रहे। नीलिमा पाठक ने कहा कि ''मेरी विशेष इच्छा है कि मेरे देहांत के बाद मेरी आंखें किसी जरूरतमंद को दी जाएं, ताकि मेरे न रहने पर भी इस खूबसूरत दुनिया को मेरी आंखें देख सकें। मेरा शेष शरीर मेडिकल छात्रों के अध्ययन के काम आ सके। उन्होंने

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहीं : सूर्य प्रताप शाही

देवरिया । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला प्रशिक्षण वर्ग का दूसरा दिन चार महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्रों के साथ सफलतापूर्वक शनिवार को सम्पन्न हुआ। पूरे दिन आयोजित विभिन्न सत्रों में संगठन की कार्यपद्धति, व्यवहारिक कौशल, मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रबंधन, डाटा प्रबंधन, विचार परिवार, कार्यकर्ता विकास तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा का संगठन निरंतर प्रशिक्षण और वैचारिक मजबूती के आधार पर आगे बढ़ता है तथा प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है।

द्वितीय दिवस के अष्टम व्यवहारिक सत्र के मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य विजय यादव रहे। उन्होंने ''व्यवहारिकता'' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में कार्य करते समय विनम्रता, अनुशासन, समयबद्धता और समन्वय का विशेष महत्व होता है। एक सफल कार्यकर्ता वही है जो अपने व्यवहार से समाज का विश्वास अर्जित करे और संगठन की गरिमा को बढ़ाए। इसी सत्र में पूर्व प्रदेश संयोजक सदस्यता अभियान आनंद शाही ने ''मीडिया प्रबंधन'' विषय पर कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सकारात्मक संवाद, तथ्यों के साथ अपनी बात रखने तथा संगठन के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने के उपाय बताए। जिला आईटी संयोजक शिवेश पांडे ने ''सोशल मीडिया एवं आईटी'' विषय पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यम संगठन विस्तार का सबसे प्रभावी साधन बन चुका है। उन्होंने सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, डिजिटल प्रचार-प्रसार तथा तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग पर बल दिया। जिला महामंत्री रविंद्र किशोर कौशल ने ''डाटा प्रबंधन'' विषय पर प्रशिक्षण देते हुए कहा कि किसी भी संगठन की सफलता के लिए सटीक एवं व्यवस्थित डाटा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को डाटा संग्रह, संरक्षण एवं उसके प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री नीरज शाही ने की तथा संचालन जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक पांडे ने किया। नवम सत्र के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय मंत्री हरिचरण कुशवाहा रहे। उन्होंने ''विचार परिवार'' विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा का व्यापक परिवार है। उन्होंने संगठन के वैचारिक आधार, विभिन्न आनुषंगिक संगठनों की भूमिका तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी सहभागिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. अजय मणि त्रिपाठी, प्रधानाचार्य ने की तथा संचालन निर्मला गौतम ने किया।

दशम सत्र में पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ला ने ''कार्यकर्ता विकास'' विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की अमूल्य पूंजी है। उन्होंने कहा कि निरंतर अध्ययन, सेवा, अनुशासन और समर्पण से ही एक कार्यकर्ता नेतृत्व की भूमिका तक पहुंचता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय बहादुर दुबे ने की तथा संचालन पूर्व जिला मंत्री सी.पी. सिंह ने किया।

दूसरे दिन के अंतिम एकादश एवं द्वादश सत्र के मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहे। उन्होंने ''सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं एवं क्रियान्वयन में संगठक की भूमिका'' विषय पर विस्तार से संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि संगठन के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी केवल योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना ही नहीं, बल्कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने में सक्रिय भूमिका निभाना भी है।

राज्य मंत्री कारागार का आगमन 12 जुलाई को

बहराइचकैनविज टाइम्स संवाददाता। राज्य मंत्री, कारागार सुरेश राही का 12 जुलाई 2026 को जनपद आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है। श्री राही 12 जुलाई 2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे विकास खण्ड मिहींपुरवा अन्तर्गत ग्राम सेमरहना (ग्राम भरतपुर) एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधरोपण करेंगे। तदोपरान्त विकास खण्ड तेजवापुर अन्तर्गत ग्राम सभा कटहा (कटहा ग्राम समाज भूमि) पर आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग वृक्षारोपण कर कपि वन की स्थापना करेंगे। कार्यक्रम के उपरान्त मा. मंत्री श्री राही जनपद सीतापुर के लिए प्रस्थान कर जायेंगे। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने दी है।

वृक्षारोपण महा अभियान की शिथिलता पर कार्यवाही

संभल कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पंचायत एवं अन्य विभाग की विकास खण्ड बहजोई के खण्ड विकास अधिकारी तथा ग्राम पंचायत सचिवों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान खण्ड विकास अधिकारी, बहजोई द्वारा अवगत कराया गया कि श्री अजय यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी विगत लगभग 15 दिनों से बिना किसी पूर्व सूचना अथवा स्वीकृत अवकाश के अनुपस्थित चल रहे हैं। इसी प्रकार श्री विकास कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी को समीक्षा बैठक में उपस्थित होने हेतु दूरभाष के माध्यम से कई बार सूचित किए जाने के बावजूद उन्होंने न तो बैठक में प्रतिभाग किया और न ही दूरभाष का उत्तर दिया। समीक्षा में यह भी संज्ञान में आया कि दोनों कार्मिकों द्वारा वर्तमान वृहद वृक्षारोपण अभियान में अपेक्षित सहयोग नहीं किया जा रहा है। वृक्षारोपण की कार्ययोजना तैयार करने, स्वयं सहायता समूहों के गठन में सहयोग देने तथा ग्राम पंचायतों में उपलब्ध धनराशि का नियमानुसार एवं शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित कराने में भी उनकी कार्यप्रणाली संतोषजनक नहीं पाई गई। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी को दोनों ग्राम पंचायत अधिकारियों के समस्त कार्यों एवं आचरण की तत्काल विस्तृत जांच कराकर नियमानुसार विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रशासनिक हित में दोनों के आवंटित क्लस्टरों को तत्काल हटाकर अन्य विकास खण्डों में पुनः आवंटित किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, अनुशासनहीनता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

देहदानियों को उनके सकल्प हेतु दिया गया प्रशस्ति पत्र

बिसौली/ बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आज 11 जुलाई को ''देह से दिव्यता तक'' विषय पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बिसौली की मूल निवासी एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संस्थान व उड़ान - एक प्रयास की अध्यक्ष नीलिमा पाठक को देहदान का संकल्प लेने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के संस्थापक एवं चेयरमैन देवमूर्ति जी रहे। उन्होंने नीलिमा पाठक को शाल ओढ़ाकर,जीवन के प्रतीक स्वरूप एक पौधा, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एच.ओ.डी. एनाटॉमी विभाग डॉ. नमिता मेहरोत्रा, डॉ.एयर मार्शल एम.एस. वाटला, लखनऊ से एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, संस्थान के विभिन्न विभागों के अतिथि एवं बड़ी संख्या में मेडिकल छात्र उपस्थित रहे। नीलिमा पाठक ने कहा कि मेरी विशेष इच्छा है कि मेरे देहांत के बाद मेरी आंखें किसी जरूरतमंद को दी जाएं, ताकि मेरे न रहने पर भी इस खूबसूरत दुनिया को मेरी आंखें देख सकें। मेरा शेष शरीर मेडिकल छात्रों के अध्ययन के काम आ सके। उन्होंने कहा कि ''देहदान 1एक पावन कार्य है। जिससे दूसरों का भला हो, वही सबसे बड़ा धर्म है। आइए हम सब मिलकर इस पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि हम रह सकें - जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी।

मेरठ कांड के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (भारत सरकार) के पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर सतीश प्रेमी के नेतृत्व में शुक्रवार को मेरठ में दलित युवती ललिता गौतम हत्याकांड और मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडे पर लगाए गए आरोपों के विरोध में प्रदर्शन किया गया। सैकड़ों कार्यकर्ता कैंप कार्यालय से तहसील परिसर तक नारेबाजी करते हुए पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार अंगराज सिंह को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ''ललिता गौतम के हत्यारों को फांसी दो'', ''एसएसपी अविनाश पांडे को बर्खास्त करो'' तथा ''लाठी-गोली की सरकार नहीं चलेगी'' जैसे नारे लगाए। सभा को संबोधित करते हुए सतीश प्रेमी ने कहा कि प्रदेश में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने ललिता गौतम हत्याकांड की सीबीआई जांच, दोषियों को फांसी, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, आंदोलनकारियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने तथा गिरफ्तार नेताओं की रिहाई की मांग की। इसके अलावा उपजिलाधिकारी को क्षेत्रीय समस्याओं से संबंधित अलग ज्ञापन भी सौंपा गया। इसमें भगतपुर के किसान रणवीर सिंह की पांच भैंसों की मौत पर मुआवजा, विद्युत व्यवस्था में सुधार, ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता, पेयजल संकट के समाधान तथा छुट्टा गौवंश से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की गई।

प्रदर्शन में कल्याण सिंह यादव, पंकज यादव, राजीव यादव एडवोकेट, सत्यपाल सिंह यादव, कपिलदेव, गौरव प्रधान, सुबोध यादव, जुगल किशोर गुप्ता, विनोद यादव, रामऔतार सिंह, राजकुमार जाटव सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नामी स्कूल के हॉस्टल से छात्र रहस्यमय ढंग से लापता, विद्यालय प्रशासन की बड़ी लापरवाही उजागर! 3 घंटे बाद परिजनों को दी सूचना, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर के एक नामी विद्यालय के हॉस्टल से छात्र के रहस्यमय ढंग से लापता होने की घटना ने विद्यालय प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि आभास पटेल पुत्र हेमंत पटेल, निवासी ग्राम औरामई, विद्यालय के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता था। जानकारी के अनुसार, छात्र शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे हॉस्टल से गायब हो गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि विद्यालय प्रशासन को काफी देर तक इस बात की भनक तक नहीं लगी कि छात्र हॉस्टल में मौजूद नहीं है। आरोप है कि छात्र के गायब होने के बावजूद विद्यालय प्रशासन ने समय रहते खोजबीन शुरू नहीं की और न ही तत्काल परिजनों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि करीब 11 बजे जब छात्र की तलाश की गई और वह कहीं नहीं मिला, तब विद्यालय प्रशासन ने उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन घबराहट में विद्यालय पहुंचे और छात्र की तलाश शुरू की गई, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। इस घटना के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि जब बच्चे हॉस्टल में विद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी में रहते हैं तो उनकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी भी स्कूल प्रबंधन की होती है। यदि कोई छात्र तीन घंटे तक गायब रहे और प्रशासन को इसकी जानकारी ही न हो, तो यह गंभीर लापरवाही का मामला है। यह घटना विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था, हॉस्टल प्रबंधन, निगरानी प्रणाली और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। इस संबंध में जब थाना अध्यक्ष सिविल लाइन से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया हैदमदार हेडलाइनः

उझानी में मक्का लोडिंग बनी आफत! कादरचौक रोड पर घंटों रेंगता रहा ट्रैफिक, एंबुलेंस तक जाम में फंसी

उझानी/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। उझानी नगर का कादरचौक मार्ग शनिवार को एक बार फिर भीषण जाम की चपेट में आ गया। रेलवे स्टेशन पर मक्का की लोडिंग के चलते दोपहर करीब चार बजे से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लग गई, जिससे सड़क पूरी तरह जाम हो गई। हालात इतने खराब हो गए कि दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। जाम में एंबुलेंस सहित कई आवश्यक सेवाओं के वाहन भी घंटों फंसे रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि अढौली फाटक पार करते ही धर्म कांटे पर तौल कराने के लिए ट्रैक्टर चालक अपने वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं। मक्का सीजन में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। शनिवार को भी बड़ी संख्या में मक्का से लदे ट्रैक्टर पहुंचने से पूरा कादरचौक मार्ग ठप पड़ गया। नगरवासियों का आरोप है कि यह समस्या नई नहीं है, बल्कि रोज की बन चुकी है। इसके बावजूद न तो ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए कोई स्थायी कदम उठाया जा रहा है और न ही मौके पर पुलिस या परिवहन विभाग की प्रभावी मौजूदगी दिखाई देती है।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि सड़क किनारे खुले नाले होने के कारण कई ओवरलोड वाहन और ई-रिक्शा पहले भी उनमें गिर चुके हैं, जिससे कई लोग घायल हुए हैं। इसके बावजूद सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जाम में फंसे लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे स्टेशन पर मक्का लोडिंग का समय निर्धारित किया जाए, धर्म कांटे पर ट्रैफिक पुलिस कीनियमित तैनाती हो तथा सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने वाले और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि रोज-रोज लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिल सके।

बिजनौर में पौधारोपण महायज्ञ 80 लाख पौध रोपित कर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के नामित नोडल अधिकारी योगेश कुमार, आयुक्त एवं निबंधक, सहकारिता, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में शनिवार दोपहर कलेक्ट्रेट सभागार में पौधारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों एवं प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष पौधों की उपलब्धता, पौधों के उठान, रोपण स्थलों के चयन तथा तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधों का उठान निर्धारित समयावधि में शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए तथा पौधारोपण से पूर्व उन्हें चिन्हित प्लांटेशन स्थलों पर सुरक्षित एवं संरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय जनसहभागिता के माध्यम से अधिकाधिक पौधारोपण कराया जाए तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल की प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, जिससे अभियान सफल एवं स्थायी परिणाम देने वाला सिद्ध हो।

बेलसर के तीन फूड प्रोसेसिंग प्लांटों के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री से मांगा समय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। बेलसर ब्लॉक के लौव्वा टेपरा स्थित अथरिष्ट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीओ) एवं भारत मेज प्रोड्यूसर सीएफसी के प्रतिनिधि कुलदीप मिश्रा ने शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्र में तैयार तीन फूड प्रोसेसिंग प्लांटों के उद्घाटन के लिए समय देने का अनुरोध किया। इस दौरान उनकी बेटियां अंजली मिश्रा और खनक मिश्रा भी मौजूद रहीं।

कुलदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बताया कि लौव्वा टेपरा में मक्का, आटा और मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट पूरी तरह तैयार हो चुके हैं।उद्घाटन के बाद इनके संचालन से क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलने के साथ

स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजि त होंगे।उन्होंने बताया कि इन तीनों प्लांटों के शुरू होने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पांच हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से उन्हें उद्घाटन के लिए जल्द समय उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने भी परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित ऐसे फूड प्रोसेसिंग प्लांट स्थानीय कृषि उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ- साथ रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जेल रोड की पटरियों पर दुकानदारों का कब्जा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❏ रोजाना जाम से जूझ रही जनता, दुकानदारों के कब्जे से घुट रही जेल रोड, राहगीरों का निकलना हुआ मुश्किल

गोंडा। शहर की जेल रोड पर सड़क की पटरियों पर बढ़ते अतिक्रमण ने यातायात व्यवस्था को पूरी तर ह प्रभावित कर दिया है।दुकानदारों के द्वारा सड़क की पटरियों तक सामान फैलाकर किए गए कब्जे के कारण सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे पटरियों पर स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण के कारण वाहनों का आवागमन बाधि त हो रहा है। सुबह और शाम के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब स्कूली वाहन, एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। राहगीरों और स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कई बार प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्था यी कार्रवाई नहीं की गई।लोगों का आरोप है कि समय-समय पर औपचारिक अभियान चलाकर खानापूर्ति कर दी जाती है, जिसके बाद फिर से अतिक्रमण हो जाता है।स्थानीय नागरिकों ने जि ला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि जेल रोड को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और सड़क की पटरियों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए।

लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जाम की समस्या और गंभीर हो सक ती है तथा किसी दिन बड़ा हादसा भी हो सकता है।

गोंडा में आज 5634 स्थलों पर होगा वृक्षारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में रविवार को वृहद पौधरोपण अभि यान के तहत एक दिन में 56 लाख 32 हजार 460 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलेभर में 5634 स्थलों का चयन किया गया है।अभियान में वन विभाग के साथ ग्राम्य विकास,कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायतीराज और अन्य विभाग भी भागीदारी करेंगे। वन विभाग के मुताबिक जिले में मुख्य कार्यक्रम मनकापुर स्थित आईटीआई (इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज लिमिटेड) परिसर में आयोजित होगा।यहां आयोजित कार्य क्रम में जनप्रतिनिधि, अफसरों के साथ आम लोग भी हिस्सा लेंगे। वन विभाग को 141 स्थलों पर 21 लाख 38 हजार 60 पौधे लगाने की जिम्मे दारी सौंपी गई है।जबकि अन्य विभाग 5493 स्थलों पर 34 लाख 94 हजार 400 पौधों का रोपण करेंगे। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को गड्ढों की तैयारी, पौधों की उपलब्धता और रोपण के बाद उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रभागीय वनाधिकारी अनुराग प्रियदर्शी ने बताया कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।पौधों को संबंधित स्थलों तक पहुंचा दिया गया है और विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल लक्ष्य पूरा करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक पौधे जीवित रह सकें। उन्होंने आमजन से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि एक पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उसकी देख भाल करना भी उतना ही जरूरी है।जनसह भागिता से ही वृक्षारोपण अभियान सफल होगा और पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा हो सकेगा।

पंद्रह वर्षों से बदहाल सड़क पर फूटा छात्रों का गुस्सा,राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने खोला मोर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के इतियाथोक विकासखंड के अंतर्गत रैगांव तक जाने वाली मुख्य सड़क पिछले पंद्रह व र्षों से पूरी तरह बदहाल और जर्जर स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और विशेष रूप से स्कूली बच्चों का आवागमन दूभर हो गया है।इस गंभीर जनसम स्या को लेकर राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने प्रशासन औ र लोक निर्माण विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दि या है।राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव म पांडे ने इस बदहाली पर कड़ा आक्रोश व्यक्त क रते हुए कहा कि,''यह अत्यंत शर्मनाक है कि पिछ ले डेढ़ दशक (15 वर्ष) से इस महत्वपूर्ण सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं है।इसी जानलेवा औ र गड्ढों से भरी सड़क से होकर क्षेत्र के मासूम बच्चे प्रतिदिन स्कूल जाने को मजबूर हैं, जिससे हमेशा किसी बड़ी दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। गोंडा का पीडब्लू विभाग पूरी तरह कुंभकरणी नींद सो या हुआ है और जनता की समस्याओं के प्रति उदा सीन है।''संगठन ने इस संबंध में सूबे के

गड्ढों में दबी विकास की राह, राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने जिला प्रशासन को घेरा..

रैगांव मार्ग की बदहाली पर भड़की छात्र पंचायत, पीडब्लूडी पर लगाए गंभीर आरोप...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधे हस्तक्षेप की मांग की है राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य और ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए इस मार्ग के अविलंब नवनि र्माण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने की कृपा करें।

राष्ट्रीय छात्र पंचायत की दो टूक चेतावनी

राष्ट्रीय छात्र पंचायत ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि इस सड़क का निर्माण कार्य अतिशीघ्र शुरू नहीं किया गया, तो संगठन छात्रों और क्षेत्रीय जनता को लामबंद करके एक विशाल और ऐतिहासिक प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली किसी भी कानून–व्यवस्था की स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी गोंडा प्रशासन और पी डब्लूडी विभाग की होगी।छात्रों की शिक्षा सुरक्षा और ग्रामीणों के हक के लिए राष्ट्रीय छात्र पंचायत किसी भी स्तर पर पीछे नहीं हटेगी।

नाबालिग बालिका को 1.20 लाख रुपये में खरीदकर छोटे भाई से शादी कराने वाला गिरफ्तार

सोनभद्र। जिले की एक किशोरी को एक लाख 20 हजार रुपये में खरीदकर अपने छोटे भाई से विवाह कराने के आरोप में फरार आरोपित को राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग की संयुक्त टीम की मदद से शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कुछ आरोपित पहले गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने शनिवार को बताया कि राबर्ट्सगंज कोतवाली में एक नाबालिग बालिका की 1.20 लाख रुपये में खरिद फरोक्त, जबरन शादी और दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज था। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी थी। शुक्रवार को पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सूचना के आधार पर राबर्ट्सगंज रेलवे स्टेशन के पास से अलीगढ़ निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया की सहअभियुक्त बिन्दु, सोनी एवं शिव सिंह उर्फ रामलाल के माध्यम से नाबालिग पीड़िता को अलीगढ़ लाया? था। यहां पर पिता अशोक पंडित के साथ मिलकर 1 लाख 20 हजार रुपये देकर देकर किशोरी को खरीदा और उसका जबरन विवाह अपने छोटे भाई राहुल कुमार से करा दिया। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए वह लगातार फरार चल रहा था।

घाघरा नदी में मगरमच्छ की हलचल से आसपास के इलाकों में दहशत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले से होकर अयोध्या की ओर बहने वाली घाघरा नदी में इन दिनों मगरमच्छ दिखाई देने से आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है।नदी के अलग -अलग हिस्सों से दो वीडियो सामने आए हैं,जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया और तटीय क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी कर दिया ग या है।जिले के तरबगंज व कर्नलगंज क्षेत्र में घाघरा नदी बहती है।करनैलगंज से लेकर अयोध्या की सीमा तक घाघरा नदी लगभग सौ किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है।मानसून के बाद नदी में पानी का स्तर और बहाव दोनों बढ़ गए हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि इसी वजह से घड़ियाल और मगर मच्छ अपने ठिकानों से निकलकर किनारों तक आ रहे हैं।इस पूरे इलाके में लगातार इन जंगली जानवरों के देखे

जाने की सूचना मिल रही है। प्रशासन के अनुसार इन जानवरों के हमले में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है,जबकि कई लोग घायल भी हुए हैं।सामने आए पहले वीडियो में सो नौली मोहम्मदपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले बच्ची माझा क्षेत्र में एक मगरमच्छ नदी के किनारे बैठा नजर आया।आसपास ग्रामीणों की मौजूदगी देखकर वह तुरंत पानी की तरफ भाग गया। वहीं दूसरा वीडियो करनैलगंज के पास घाघ रा नदी का है, जिसमें एक घड़ियाल साफ तौर पर देखा जा सकता है।वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के सामने आते ही गोंडा जिला प्रशासन ने करनैलगंज और तरबगंज तहसील के एक दर्जन से ज्यादा तटीय गांवों के लिए चेतावनी जारी की है।प्रशासन की तरफ से एडवाइजरी भी जारी की गई है जिसमें लोगों से नदी के किनारे न जाने की अपील की गई है।एडवाइजरी में स्पष्ट कहा गया है कि अगर कि सी काम से नदी किनारे जाना बेहद जरूरी हो तो पूरी सावधानी बरतें, बच्चों और बुजुर्गों को साथ न ले जाएं और अपने साथ बचाव के पूरे इंतजाम र खें,इसके साथ ही लोगों को सलाह दी गई है कि वे अपने पशुओं को भी नदी में न ले जाएं और मछ ली पकड़ने या नहाने के लिए नदी में न उतरें।प्रशा सन का कहना है कि नदी में पानी का बहाव तेज है और इसी वजह से घड़ियाल और मगरमच्छ बह कर किनारे तक आ सकते हैं, जिससे कोई भी हा दसा होने की संभावना बनी हुई है।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने जानकारी दी कि मगरमच्छ को लेकर लोगों को सतर्क करने के लिए सभी तटीय इलाकों में चेतावनी बोर्ड लगवाए गए हैं।वन विभा ग की टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है और वह लगातार गश्त कर रही हैं।साथ ही ग्रामीणों से लगा तार अपील की जा रही है कि वे अफवाहों पर ध्या न न दें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरं त प्रशासन या वन विभाग को दें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। फिलहाल स्थिति पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की नजर बनी हुई है।अधिकारियों का कहना है कि स्थिति सामान्य होने तक सतर्कता बरतना जरूरी है।

जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज में मनाया कन्या जन्मोत्सव, नवजात का नाम रखा अनुग्रहिता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। मेडिकल कॉलेज के प्रसव विंग में पहली डि लीवरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई है।शुक्रवार देर रात प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती कराई गई एक महि ला ने देर रात एक स्वस्थ नवजात बच्ची को जन्म दिया।प्रथम प्रसव के उपलक्ष्य में शनिवार दोपहर में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन मेडिकल कॉलेज पहुंचीं और नवजात का नामकरण कर कन्या का जन्मोत्सव मनाया।जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ.बीना के साथ प्रसव विंग का निरीक्षण किया और प्रसूता महिला से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना।परिवार की सहमति से उन्होंने नवजात बच्ची का नाम अनु ग्रहिता' रखा, जो मां दुर्गा के नाम पर आधारित है।

नामकरण कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने प्रसू ता के साथ केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया इस दौरान मेडिकल कॉलेज के अधिकारी,चिकि त्सक,कर्मचारी तथा प्रसूता के परिजन भी मौजूद रहे।जिलाधिकारी ने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए नवजात बच्ची को उपहार भी भेंट किया।कार्य क्रम के बाद जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में अब महिलाओं की डिली वरी सेवाएं शुरू हो गई हैं।उन्होंने बताया कि प्रथम प्रसव के उपलक्ष्य में यह विशेष कार्यक्रम आयोजि त किया गया।मेडिकल कॉलेज में अत्याधुनिक चि कित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं और अब जिला महि ला अस्पताल के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज के प्र सव विंग में भी सुरक्षित प्रसव की सुविधा महिला ओं को मिलेगी।

एसपी ऑफिस में तैनात दरोगा पर पत्रकार को धमकाने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई के लिए तैनात एक दरोगा पर पत्रकार को कथित रूप से धमकाने और खबर न चलाने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। मामले को लेकर पत्रकारों में नाराजगी व्याप्त है तथा निष्पक्ष जांच की मांग उठाई जा रही है।आरोप है कि पुलिस कार्यालय में तैनात दरोगा अमित तिवारी ने एक पत्रकार से बातचीत के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, ''तुम्हारे जैसे हजारों पत्रकार पैदा किए हैं, मेरे भतीजे भी बड़े पत्रकार हैं। विभाग के खिलाफ अगर कोई खबर चलाओगे तो अच्छा नहीं होगा। दोबारा ऐसी खबर

मत चलाना अन्यथा तुम्हारे खिलाफ उचित कार्रवाई कर दी जाएगी।'' शिकायत कर्ताओं का कहना है कि यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह न केवल पत्रका रिता की स्वतंत्रता पर सवाल खड़ा करता है,बल्कि जनसुनवाई व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।उनका कहना है कि पुलिस कार्यालय में तैनात अधिकारियों का दायित्व जन सुनवाई के लिए आने वाले फरियादियों की सम स्याओं का समाधान करना है,न कि किसी पत्रकार या नागरिक पर दबाव बनाना।मामले को लेकर पत्रकारों ने उच्च पुलिस अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में मीडिया की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए और यदि किसी अधिकारी द्वारा अपने पद का दुरुपयोग किया गया है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए।हालांकि,समाचार लिखे जाने तक इस मामले में दरोगा अमित तिवारी अथवा पुलिस विभाग की ओर से कोई आधिका रिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी।

थाना समाधान दिवस में एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। तहसील नानपारा की उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी की अध्यक्षता में शनिवार को थाना नानपारा परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 4 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने स्पष्ट

निर्देश दिए कि किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों अथवा थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। प्रत्येक शिकायत की मौके पर जाकर जांच की जाए तथा नियमानुसार त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने पर विशेष बल दिया। समाधान दिवस के दौरान एसडीएम ने विभिन्न अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन कर उनके सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं अद्यतन किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि जनसुनवाई शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण किया जाना चाहिए।एसडीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित न्याय एवं बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) नानपारा पहुप सिंह, कोतवाल नानपारा राजनाथ तथा समस्त राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल उपस्थित रहे।

अमेठी में हाइटेक इंटीग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर बनेगा

कंट्रोल सेंटर से गौशालाओं के साथ ही यातायात व्यवस्था तक रखी जायेगी नजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । जनपद में प्रशासनिक कार्यों की निगरानी को और अधिक प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी संजय चौहान के प्रयासों से कलेक्ट्रेट परिसर में शीघ्र ही इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जायेगी। इस अत्याधुनिक केंद्र के माध्यम से जनपद की विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जायेगी। इसी क्रम में इंडोरामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के जनरल मैनेजर मनोज झां एवं सीएसआर हेड अभिनव सिन्हा द्वारा सीएसआर के अन्तर्गत इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के संचालन हेतु एक अत्याधुनिक एलईडी वॉल, कंप्यूटर तथा सर्वर सिस्टम उपलब्ध कराया गया। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए इन उपकरणों से कंट्रोल सेंटर की स्थापना एवं संचालन को गति मिलेगी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से जनपद की विभिन्न व्यवस्थाओं पर एकीकृत रूप से निगरानी रखी जाएगी। विशेष रूप से जनपद में संचालित गौशालाओं, यातायात व्यवस्था, सार्वजनिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की मॉनिटरिंग कंट्रोल सेंटर से की जा सकेगी। इसके लिए संबंधित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की प्रक्रिया भी तेजी से संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कंट्रोल सेंटर के संचालन से प्रशासन को विभिन्न व्यवस्थाओं की वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त होगी, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान और बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

साथ ही कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पशु संरक्षण एवं अन्य विकासात्मक कार्यों की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि तकनीक आधारित इस पहल से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा जनपद की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर की स्थापना में सहयोग के लिए इंडोरामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का आभार व्यक्त किया। कलेक्ट्रेट में स्थापित होने वाला यह कंट्रोल सेंटर जनपद प्रशासन के लिये एक महत्वपूर्ण डिजिटल निगरानी केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जिसके माध्यम से अधिकारियों को एक ही स्थान से विभिन्न विभागों एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने की सुविधा प्राप्त होगी।

भूमाफियाओं का गिरोह चला रही भाजपा कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष का पलट वार, सत्ता की हनक पर जमीनो पर कब्जा

सुल्तानपुर । सोशल मीडिया पर भाजपा नेत्री पूजा कसौधन के वायरल वीडियो पर पलट वार करते हुए व्यापारी नेता विजय प्रधान व अभिषेक बरनवाल ने गंभीर आरोप लगाए हैं। विजय प्रधान ने पूजा कसौधन पर भू माफिया का संगठित गिरोह चलाने दूसरों की जमीन कब्जाने व उनसे अपनी जान को खतरा बताया है।आरोप प्रत्यारोप के बीच शहर में करोड़ों की बेस कीमती जमीन को लेकर चर्चा आम है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के शाहगंज चौराहे के नजदीक एक बड़ा भूखंड मौजूद है जिस पर एक ताले का निर्माण हो चुका है इसी बेस कीमती जमीन को लेकर बीते महीने पूजा कसौधन के पति ने अंबरीश पांडेय से एग्रीमेंट कराया है इसके बाद विजय प्रधान अभिषेक बरनवाल आमने-सामने है। बीते दिनों पूजा कसौधन ने अभिषेक बरनवाल व विजय प्रधान पर अपनी छवि खराब करने का आरोप लगाया था इसी आरोप पर पलटवार करते हुए शनिवार को विजय प्रधान अभिषेक बरनवाल मीडिया के सामने प्रस्तुत हुए और अपना पक्ष रखा। यहां विजय प्रधान ने बताया सत्तासीन भाजपा के प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए भाजपा नेत्री पूजा कसौंधन जमीनों पर कब्जा कर रही हैं।पुलिस पर प्रभाव जमा कर लोगों को प्रताड़ित कर रही है वायरल वीडियो ने पूजा कसौंधन के भूमाफिया चेहरे और दबंगई को उजागर किया है।आगे कहा की मैं प्रथम बैनामेदार हूं। हमारे खरीदे मकान के ताले में पूजा कसौधन ने फ़ेवीक्विक समेत अन्य केमिकल डलवा दिया। नगर कोतवाली पुलिस पर प्रभाव जमाते हुए मेरे कैमरे को हटवा दिया गया। मुझ पर प्रभाव जमाने और अपने घर के सामने की जमीन को कब्जा करने के लिए भाजपा नेत्री पूजा कसौंधन सत्ता का खुलेआम दुरुपयोग कर रही है। पुलिस स्टेशन में सरेआम युवक की पिटाई इसका जीता जागता नमूना है। भाजपा नेत्री प्रशासनिक और पुलिस अफसरों से अपना मनचाही करवा रही हैं। मुझे और मेरे जैसे लोगों को परेशान कर रही हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में न्याय व्यवस्था पंगु हो चुकी है। व्यापारी नेता ने अधिकारियों के यहां न्याय की गुहार लगाने की भी बात कही।

खुरपका और मुंहपका से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है टीकाकरण : मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जी.के. शुक्ला ने बताया कि जनपद अमेठी में बाइस जुलाई से खुरपका मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान प्रारम्भ किया जायेगा। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान के तहत जनपद के सभी गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण पशुपालकों के घर-घर जाकर किया जायेगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि खुरपका मुंहपका पशुओं में होने वाली अत्यंत संक्रामक एवं आर्थिक दृष्टि से हानिकारक बीमारी है।यह रोग मुख्य रूप से गाय, भैंस, बछड़े, बैल, बकरी, भेड़ तथा सूकर जैसे खुर वाले पशुओं में फैलता है। एक संक्रमित पशु से यह बीमारी तेजी से अन्य पशुओं में फैल सकती है जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस रोग के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, मुंह, जीभ, मसूड़ों एवं होंठों पर दर्दयुक्त छाले, अत्यधिक लार गिरना, खुरों एवं पैरों में छाले पड़ना, लंगड़ाकर चलना, चारा-पानी छोड़ देना तथा दूध उत्पादन में अचानक कमी आना शामिल हैं। डॉ. शुक्ला ने बताया कि खुरपका मुंहपका रोग से दूध उत्पादन घट जाता है, पशु कमजोर हो जाते हैं, उनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है तथा उपचार पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है कई मामलों में पशुओं को पूरी तरह स्वस्थ होने में लंबा समय लग जाता है। उन्होंने कहा कि यह रोग संक्रमित पशुओं के संपर्क, उनकी लार, दूध, मल-मूत्र, नाक से निकलने वाले स्राव, दूषित चारा-पानी, वाहनों, उपकरणों तथा संक्रमित व्यक्तियों के माध्यम से भी फैल सकता है इसलिये संक्रमित पशु को तुरंत स्वस्थ पशुओं से अलग रखना आवश्यक है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि समय पर टीकाकरण ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने पशुपालकों से अपील की है कि सभी पात्र पशुओं का समय पर टीकाकरण कराएं। साथ ही पशुशाला की नियमित साफ-सफाई रखें। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के बाद पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने में लगभग इक्कीस दिन का समय लगता है इसलिये समय पर टीकाकरण कराना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. शुक्ला ने कहा कि अभियान के दौरान प्रत्येक पशु के कान में ईयर टैग लगाया जायेगा तथा उसका भारत पशुधन ऐप (बीपीए) पर पंजीकरण किया जायेगा। इससे पशु का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा, टीकाकरण का विवरण ऑनलाइन दर्ज होगा, पशुपालकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा पशु की पहचान एवं स्वामित्व का प्रमाण सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने जनपद के सभी पशुपालकों से अपील की कि जिन पशुओं के कान में अभी तक टैग नहीं लगे हैं, वे टीकाकरण से पूर्व टैग लगवाकर भारत पशुधन ऐप पर पंजीकरण अवश्य कराएं। साथ ही बाइस जुलाई से शुरू होने वाले अभियान में अपने सभी गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण कराकर जनपद को खुरपका-मुंहपका मुक्त बनाने में सहयोग करें। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने ग्राम पंचायतों, नगर पंचायतों एवं नगर पालिका परिषदों से भी अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग करने तथा पशुपालकों को सामूहिक टीकाकरण के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

इनर व्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी ने भव्यता के साथ मनाया पुरस्कार एवं शपथ ग्रहण समारोह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी द्वारा गुरुवार, 9 जुलाई 2026 को पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब की नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की, वहीं वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों का उल्लेख करते हुए निवर्तमान कार्यकारिणी को सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन में उत्साह, सौहार्द, मनोरंजन और सम्मान का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं इनर व्हील प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात पूर्व अध्यक्ष मोनिका गुप्ता ने अत्यंत प्रभावशाली एवं गरिमामयी शैली में मंच संचालन करते हुए वर्ष 2025-26 में क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों एवं सामाजिक गतिविधियों की विस्तार से सराहना की। उन्होंने निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गुप्ता के नेतृत्व में क्लब द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गुप्ता ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्लब के प्रत्येक सदस्य को विशेष सम्मान शीर्षक के साथ स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके योगदान की सराहना की है।समारोह का मुख्य आकर्षण शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह रहा। निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गुप्ता ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष रुचि खन्ना को इनर व्हील की पारंपरिक कॉलर पिन पहनाकर विधिवत पदभार सौंपा। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ करने की शपथ ली।नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष रुचि खन्ना, सचिव रिंकी गुप्ता, आईएस निधि वर्मा तथा संपादिका पूनम कपूर ने शपथ ग्रहण की। सभी पदाधिकारियों ने क्लब के उद्देश्यों एवं सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का सफल आयोजन चार्टर अध्यक्ष सलोनी गुप्ता के विशेष सहयोग और मार्गदर्शन से हुआ।औपचारिक कार्यक्रम के उपरांत मनोरंजन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें हाउजी सहित विभिन्न रोचक खेलों का आयोजन हुआ। सदस्यों के लिए प्रेरणादायी एवं भावपूर्ण पंक्तियाँ भी प्रस्तुत की गईं, जिन्हें सभी ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान मधुर गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आनंद का अनुभव किया।प्रतियोगिताओं में प्रथम खेल की विजेता पूनम कपूर रहीं, जबकि दूसरे खेल में पूनम गुप्ता एवं मीना रस्तोगी संयुक्त विजेता बनीं। लकी ड्रा का पुरस्कार पूनम गुप्ता ने अपने नाम किया। समय की पाबंदी के लिए आयोजित 'पंक्चुअलिटी ' श्रीमती निधि वर्मा की निकली। हाउजी प्रतियोगिता में भी सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न राउंड में पुरस्कार प्राप्त किए।इस अवसर पर सभी सदस्यों को भगवान श्रीराम दरबार के आकर्षक स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए, जिन्हें सभी ने श्रद्धापूर्वक स्वीकार किया।क्लब की चार्टर अध्यक्ष सलोनी गुप्ता ने निवर्तमान अध्यक्ष को उनके सफल कार्यकाल के लिए सुंदर पंक्तियों के साथ स्मृतिचिह्न दिया । कार्यक्रम के अंत में स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई, जहाँ सभी सदस्यों ने आपसी सौहार्द एवं आत्मीयता के साथ समय बिताया। कार्यक्रम में कीर्ति मल्होत्रा, शैफाली गुप्ता, सुधा गुप्ता पूनम गुप्ता, मीना रस्तोगी, शशि खंडेलवाल, अंजू मिश्रा, सोनम गर्ग, मिताली गुप्ता, राज कौर एवं प्रीति अग्रवाल सहित क्लब की अनेक सदस्याएँ उपस्थित रहीं।समारोह सौहार्द, सेवा, सम्मान एवं नई ऊर्जा का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ। सभी सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इनर व्हील क्लब ऑफ पूरनपुर ग्लोरी आगामी वर्ष में भी सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण एवं जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ स्थापित करेगा।

प्रताड़ना से तंग आकर दी जान ,मृतक के भाई ने दर्ज कराई शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। हजारा थाना क्षेत्र में चार माह पूर्व हुई एक किसान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है पंजाब के बठिंडा निवासी बरजिन्दर सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उनके भाई हरविन्दर सिंह उर्फ बंटू की आत्महत्या के पीछे जमीन हड़पने और आर्थिक शोषण का दबाव था उन्होंने मामले में नामजद आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है कबीरगंज स्थित नानक फार्म नंबर-2 में करीब 26-27 एकड़ कृषि भूमि उनके पिता के निधन के बाद दोनों भाइयों के नाम दर्ज हुई थी रिश्तेदार सुखवन्त सिंह और उनकी मां मंजीत कौर मृतक की जमीन अपने नाम कराना चाहते थे आरोप है कि ठेके की रकम का भुगतान नहीं किया गया और मृतक पर भूमि हस्तांतरित करने का दबाव बनाया जाता रहा यह भी कहा गया है कि वर्ष 2022 में कथित रूप से दबाव और धोखे से एक वसीयत कराई गई, जिसे हरविन्दर सिंह ने जून 2025 में निरस्त करा दिया था बरजिन्दर सिंह ने यह भी आरोप लगाया है कि उनके भाई के नाम पर बैंकों से लगभग 20 लाख रुपये का ऋण लिया गया तथा कुछ सादे कागजों पर हस्ताक्षर भी कराए गए उनका कहना है कि इन परिस्थितियों से परेशान होकर हरविन्दर सिंह ने 8 मार्च 2026 को कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी थी, लेकिन अब तक उनकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है ।

गोमती तट पर बनेगी 47 किमी की मानव श्रृंखला, वृक्षारोपण महाअभियान की तैयारियां अंतिम चरण में

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले वृक्षारोपण महाअभियान की तैयारियां पूरनपुर तहसील क्षेत्र में तेज हो गई हैं शनिवार को तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपते हुए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए एसडीएम ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता के उद्देश्य से गोमती नदी के किनारे लगभग 47 किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई जाएगी यह श्रृंखला क्षेत्रवासियों को प्रकृति संरक्षण का संदेश देने के साथ-साथ वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रेरित करेगी अभियान में ग्राम प्रधानों, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं, विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है बैठक में सभी संबंधित विभागों को पौधरोपण स्थलों की तैयारी, पौधों की उपलब्धता, सुरक्षा और कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पौधे लगाने और उनकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही हरित एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण संभव है, जो आने वाली पीढ़ियों को बेहतर भविष्य प्रदान करेगा।

माला-महोफ रेंज में हाथियों का आतंक, टूटी सुरक्षा फेंसिंग ग्रामीणों ने लगाई मदद की गुहार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पीलीभीत टाइगर रिजर्व और उससे सटे ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से नेपाल से आए जंगली हाथियों का आतंक जारी है हाथियों के झुंड ने माला और महोफ रेंज में वन विभाग द्वारा लगाई गई चैन लिंक फेंसिंग को कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिससे ग्रामीणों और वन्यजीवों के बीच टकराव का खतरा बढ़ गया है रात के समय हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर आसपास के गांवों में पहुंच रहे हैं और किसानों की गन्ना व धान की खड़ी फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं माला रेंज के रिछोला, गोयल कॉलोनी, सिरसा, शारदा पुरवा, बसंतापुर और मारोरी समेत कई गांवों में दहशत का माहौल है रिछोला गांव के किसानों को सबसे अधिक क्षति हुई है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यूनाइटेड अकाली दल और ऑल इंडिया मतुआ महासंघ ने हस्तक्षेप की मांग की है यूनाइटेड अकाली दल (उप्र) के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह कहलों और ऑल इंडिया मतुआ महासंघ (उप्र) के अध्यक्ष जय किशन मंडल ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर प्रभावित गांवों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है पत्र में संगठनों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर चिंता जताते हुए हाथियों को सुरक्षित रूप से वापस जंगल अथवा नेपाल सीमा की ओर खदेड़ने, क्षतिग्रस्त फेंसिंग की तत्काल मरम्मत कराने तथा किसानों को समुचित सुरक्षा और राहत उपलब्ध कराने का आग्रह किया है ग्रामीणों का कहना है कि जब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक उनके जान-माल पर मंडराता खतरा बना रहेगा।

ग्राम प्रशासक सहित कई लोगों ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।जनपद के समस्त ग्राम पंचायत के ग्राम प्रशासक गणमान्य लोगों ने सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जितिनप्रसाद से मुलाकात कर बंगाली समाज में तमाम समस्याओं के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट करते हुए निराकरण की मांग किया गया सर्वप्रथम वगांली समाज को हिंदुवर्ण व्यवस्था के अंतर्गत मान्यता देने व जिन विस्थापित परिवारों को वनविभाग के साथ भूमि विवाद के चलते अभी तक मालिकाना अधिकार नहीं दिया गया है उन्हें भी पट्टा देने व अन्य तमाम समस्या के संबंध में मंथन कर चर्चा हुआ है इस?अवसर पर? मंत्री को शखं धन्यवाद पत् देकर? सम्मानित किया गया प्रतिनिधि मंडल में संध्या हजार के ग्राम प्रशासन वासुदेव कुंडू, प्वीर सरकार,नगरिया खुर्द कला के ग्राम प्रशासक विवेकानंद सरकार, ग्राम पंचायत भरतपुर के ग्राम प्रशासन मनोज जोरदार, ग्राम पंचायत जोशी के ग्राम प्रशासक समीर मंडल, ग्राम पंचायत टांडा बीजेपी के ग्राम प्रशासन मनोज सरकार,ग्राम पंचायत नगरिया खुर्द से हरीश मंडल, मतुआ संघ के प्रदेश अध्यक्ष जय किशन, समाज सेवी मिथुन दे, अजीत डे सहित तमाम बंगाली समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं।

अशोक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में नन्द गोपाल नंदी के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर हुआ विशेष जलाभिषेक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री एवं विधायक नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' के पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर शनिवार को अशोक कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मंदिर में भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया आचार्य अनिल शास्त्री के सान्निध्य में भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया गया तथा मंत्री के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर जनसेवा के लिए विशेष प्रार्थना की गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से रितेश गुप्ता उर्फ पारू, अशोक खंडेलवाल,डॉ. दिनेश गुप्ता, बृजेश गुप्ता,भाजपा नगर अध्यक्ष हर्ष प्रधान, सभासद अनुज गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष मानस शुक्ला तथा सचिन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया उपस्थित जनों ने 12 जुलाई को प्रयागराज में आयोजित मुख्य समारोह की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं गौरतलब है कि 12 जुलाई 2010 को प्रयागराज के बहादुरगंज क्षेत्र में शिव मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद नंदी पर आरडीएक्स से भरा स्कूटर बम विस्फोट कर जानलेवा हमला किया गया था इस घटना में एक पत्रकार और एक सुरक्षाकर्मी की मृत्यु हो गई थी, जबकि नंदी गंभीर रूप से घायल हो गए थे कई महीनों के उपचार के बाद उनके स्वस्थ होने को उन्होंने ईश्वर की कृपा से मिला नया जीवन माना तभी से वे प्रत्येक वर्ष 12 जुलाई को 'पुनर्प्राप्त जन्म दिवस' के रूप में मनाते आ रहे हैं इस वर्ष प्रयागराज के मनोकामनापूर्ति प्राचीन शिव मंदिर में महारुद्राभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं शिव मंदिर चौराहे से लेकर राम भवन, चंद्रलोक और मानसरोवर चौराहे तक विशेष सजावट की गई है तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और जनप्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है।

जनसेवा की मिसाल बना श्रद्धा हॉस्पिटल, 350 से अधिक लोगों ने उठाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार स्थित श्रद्धा हॉस्पिटल में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जनसेवा की मिसाल बनता जा रहा है। 1 जुलाई से शुरू हुए इस शिविर में अब तक 350 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया है। क्षेत्र के साथ-साथ दूरदराज के मरीज भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। श्रद्धा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.सूरज वैश्य ने बताया कि शिविर 15 जुलाई तक लगातार संचालित रहेगा। इसमें सीबीसी, ईसीजी, टायफाइड जांच, डिजिटल एक्स-रे, ब्लड शुगर समेत कई महत्वपूर्ण जांचें पूरी तरह निःशुल्क की जा रही हैं। अब तक करीब 350 मरीजों का पंजीकरण कर उनकी जांच की जा चुकी है और जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया है।डॉ.वैश्य ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को समय रहते बीमारियों की पहचान कर उपचार के प्रति जागरूक करना है,ताकि गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण तभी संभव है,जब लोग नियमित स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।स्वास्थ्य सुविधाओं को आमजन तक पहुंचाने की इस पहल को क्षेत्र में सराहना मिल रही है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं परामर्श का लाभ ले रहे हैं।

पर्यावरण सरंक्षण को लेकर पत्रकारों ने उठाया कदम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने शुरू किया पौधरोपण अभियान, पत्रकारों ने लिया हरियाली बढ़ाने का संकल्प

सुल्तानपुर। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के बैनर तले एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के निर्देशन में आज सुल्तानपुर में वृहद पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत पौधे रोपे गए तथा 300 पौधों का वितरण किया गया। इस अभियान को एक पेड़ - एक पत्रकार नाम दिया गया है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्रत्येक पत्रकार को कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प दिलाना है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पौधरोपण अभियान पूरे सप्ताह लगातार चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण के साथ-साथ लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के मण्डल महामंत्री नीरज तिवारी जिलाध्यक्ष रामानन्द जिला उपाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव जिला महामंत्री फरीद अहमद अर्शी अवधेश गुप्ता रामराज पाण्डेय सिद्धार्थ उपाध्याय राकेश कुमार शर्मा ओम प्रकाश शर्मा महामंत्री कुड़वार ब्लॉक सहित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है।

सम्पादकीय

जिम्मेदारी न लेने का घातक रोग

नोटबंदी, लॉकडाउन, चीन की घुसपैठ, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमले, मणिपुर में जनजातीय संघर्ष, बारिश, सूखा आदि की आपदाएं, पेपर लीक न जाने कितने मामलों में जनता को जान-माल हर तरह का नुकसान हुआ। अभी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कारण भावनात्मक तौर पर भी जनता बुरी तरह आहत है। लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी इन मामलों में आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं ली या किसी गलत फैसले के लिए माफी नहीं मांगी, इस्तीफा देना तो दूर की बात है। वहीं आम जनता में से कोई जब किसी मामले पर सरकार की आलोचना करे तो उसे कैसे कानूनी शिकंजे में जकड़ा जाता है, इसकी बड़ी मिसाल उमर खालिद की गिरफ्तारी है। विपक्ष सरकार की आलोचना करे, तो नरेन्द्र मोदी उसे व्यक्तिगत निंदा मानकर कहते हैं कि गालियां उनके लिए टॉनिक का काम करती हैं। अब नरेन्द्र मोदी की राह पर ही देवेन्द्र फड़नवीस चल पड़े हैं। महाराष्ट्र में थोड़े दिनों की बारिश से हाहाकार मच चुका है। कई लोगों की जान चली गई है। 7,000 करोड़ रुपए की लागत वाले और हाल ही में शुरू किए मुंबई-पुणे च्मिसिंग लिंकज्‌ एक्सप्रेसवे पर जो भूस्खलन हुआ और करीब 18 घंटे यातायात बंद रहा, तो विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सरकार की खिंचाई हुई। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठा। विधानसभा में शहरों के विकास पर नियम 293 के तहत जब बहस हो रही थी तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर कड़ा हमला करते हुए इस परियोजना को इंजीनियरिंग का एक शानदार वैश्विक नमूना करार दिया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस को बुरा-भला कहना ठीक है। मुझे इसकी आदत है। मुझ पर इन बातों का कोई असर नहीं होता। मैंने जिंदगी में एक बात सीखी है, आज से 10 साल बाद, जो लोग आज बुरा-भला कह रहे हैं, वे शायद दिखाई न दें, लेकिन च्कनेक्टिंग लिंकज्‌ कायम रहेगा, और उस पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नाम होंगे। आप मुझे जितना चाहें बदनाम करें, लेकिन अगर आप महाराष्ट्र को बदनाम करेंगे, तो मैं किसी को नहीं बख्शूंगा। इसके बाद अपनी भाषा का स्तर प्रचलित भाजपाई राजनीति के अनुरूप गिराते हुए फड़नवीस ने कहा कि जिनको कुत्ता भी नहीं पूछा, वो आजकल सोशल मीडिया पर आकर सबको गाली देते हैं, मुख्यमंत्री को भी गाली देते हैं। ऐसे भाड़े के टट्टे इस मिसिंग लिंक के बारे में भी पैसा ले-लेकर सोशल मीडिया पर लिख रहे थे, ऐसे लोगों को कह देना चाहता हूं कि अगर महाराष्ट्र का अपमान करोगे तो छोडूंगा नहीं। देवेन्द्र फड़नवीस ने सदन की गरिमा को हाशिए पर धकलते हुए कुत्ते जैसे असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया और इस पर जिस तरह सदन में सत्ता पक्ष के लोगों ने उनका समर्थन किया, उससे जाहिर होता है कि सरकार को लोकतांत्रिक शालीनता और मर्यादा की कोई परवाह नहीं है। सोशल मीडिया पर पैसे लेकर ट्रोलिंग का काम भाजपा के शासन में ही खूब बढ़ा है और इसके पीछे किन लोगों का समर्थन रहा है, यह जनता जानती है। वैसे अगर संरचनात्मक गड़बड़ियों पर सरकार से ही जवाब मांगा जाएगा, इस पर भाजपा सरकार के लोग चिढ़ते क्यों हैं, यह समझ से परे है। हाल ही में एक वाकया उत्तरप्रदेश से सामने आया है, जब पत्रकार ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह से सवाल किया कि मुख्यमंत्री के उद्घाटन से पहले ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे कई जगह से धंस गया है। तो दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब दिया कि इसमें कौन सी नयी बात है, आप सड़क खुद बनवा लो। उन्होंने सड़कों की टूट-फूट और मरम्मत को प्रक्रिया का हिस्सा बताया। बेशक सड़कें टूटती हैं, उनमें गड्ढे बनते हैं, लेकिन जब वे कई बरसों तक इस्तेमाल हो जाएं तब उनकी मरम्मत की नौबत आनी चाहिए। अगर उद्घाटन से पहले या शुरु होने के चंद दिनों में सड़कें, पुल या कोई भी इमारत टूटे तो जाहिर है कि उसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। इस समय अकेले महाराष्ट्र या उत्तरप्रदेश से नहीं, बल्कि गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली कई राज्यों में कहीं सड़कें टूटीं, कहीं एयरपोर्ट पानी-पानी हुआ, कहीं स्टेशन पर पंखे से पानी गिरने लगा। ऐसी तस्वीरें देखकर समझा जा सकता है कि विकास के नाम पर जनता के दिए टैक्स से जो भारी-भरकम परियोजनाएं बन रही हैं, उनकी लागत का बड़ा हिस्सा भाजपा नेताओं, अधिकारियों या ठेकेदारों की जेब में जा रहा है।

चिता आंदोलन: मोदी की महत्वाकांक्षी योजना पर मोहन सरकार की बेरुखी

प्रधानमंत्री ने इसे केवल एक बांध या सिंचाई परियोजना नहीं बताया, बल्कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने वाली योजना कहा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह उनकी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो बुंदेलखंड की दशकों पुरानी प्यास बुझाएगी और इस क्षेत्र की तकदीर बदल देगी। मंच पर विकास के बड़े-बड़े दावे थे। करोड़ों लोगों के बेहतर भविष्य की तस्वीर खींची जा रही थी। इस समय का मैं स्वयं प्रत्यक्षदर्शी था। परियोजना के भूमि पूजन कार्यक्रम को कवर करने भोपाल से खजुराहो गया था। अपार जनसमूह के बीच इस परियोजना पर बात करते हुए प्रधानमंत्री के चेहरे पर तेज देखते ही बनता था। शायद उस वक़्त उन्हें उम्मीद होगी कि उनका प्रयास अटल बिहारी वाजपेयी का सपना पूरा करने जा रहा है, लेकिन महज डेढ़ वर्ष बाद उसी परियोजना की पहचान विकास नहीं, बल्कि ''चिता आंदोलन'' बनती दिखाई दे रही है। भारी बारिश के बीच पानी में खड़े आदिवासी किसान, आसपास से लकड़ियां बटोरकर प्रतीकात्मक चिता तैयार करते लोग और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते परिवार,ये दृश्य किसी भी सरकार के लिए चिंता का विषय होने ही चाहिए। पहली नजर में ही लगता है कि यह केवल विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक है, जो इस परियोजना के साथ लोगों के मन में जगाया गया था।

25 दिसंबर 2024, खजुराहो की ऐतिहासिक धरती, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती का अवसर, मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। देशभर से आए संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि और हजारों लोगों के बीच उन्होंने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ने इसे केवल एक बांध या सिंचाई परियोजना नहीं बताया, बल्कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने वाली योजना कहा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह उनकी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो बुंदेलखंड की दशकों पुरानी प्यास बुझाएगी और इस क्षेत्र की तकदीर बदल देगी। मंच पर विकास के बड़े-बड़े दावे थे। करोड़ों लोगों के बेहतर भविष्य की तस्वीर खींची जा रही थी। इस समय का मैं स्वयं प्रत्यक्षदर्शी था। परियोजना के भूमि पूजन कार्यक्रम को कवर करने भोपाल से खजुराहो गया था। अपार जनसमूह के बीच इस परियोजना पर बात करते हुए प्रधानमंत्री के चेहरे पर तेज देखते ही बनता था। शायद उस वक़्त उन्हें उम्मीद होगी कि उनका प्रयास अटल बिहारी वाजपेयी का सपना पूरा करने जा रहा है, लेकिन महज डेढ़ वर्ष बाद उसी परियोजना की पहचान विकास नहीं, बल्कि ''चिता आंदोलन'' बनती दिखाई दे रही है। भारी बारिश के बीच पानी में खड़े आदिवासी किसान, आसपास से लकड़ियां बटोरकर प्रतीकात्मक चिता तैयार करते लोग और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते परिवार,ये दृश्य किसी भी सरकार के लिए चिंता का विषय होने ही चाहिए। पहली नजर में ही लगता है कि यह केवल विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक है, जो इस परियोजना के साथ लोगों के मन में जगाया गया था। सरकार दावा करती है कि यह परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर बदल देगी। इसमें दो चरण होंगे और इसे पूरा होने में लगभग आठ वर्ष लगेंगे। पहले चरण में पन्ना जिले में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचा दौधन बांध बनाया जाएगा। 221 किलोमीटर लंबी नहर के जरिए केन नदी का अतिरिक्त पानी बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना से 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई मिलेगी। लगभग 62 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा। 103 मेगावाट जल विद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन भी होगा। मध्य प्रदेश के पन्ना, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, सागर, विदिशा, रायसेन, शिवपुरी और दतिया सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों को इसका लाभ मिलेगा। इन आंकड़ों को सुनकर यह परियोजना हर दृष्टि से ऐतिहासिक परियोजना लगती है। लेकिन इन चमकदार आंकड़ों के पीछे एक दूसरा सच भी है। इस परियोजना की सबसे बड़ी कीमत वे आदिवासी परिवार चुका रहे हैं, जिनकी जमीन, खेत, जंगल और गांव जलाशय में समा जाएंगे। विकास की इस पूरी कहानी में सबसे कमजोर पक्ष वही लोग बन गए हैं, जिनके जीवन पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने वाला है। छतरपुर जिले के दौनी सहित प्रभावित गांवों के लोग पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि पुनर्वास को लेकर उन्हें लगातार भ्रम में रखा गया। पहले पांच लाख रुपये की सहायता तय थी। लंबे संघर्ष के बाद सरकार ने पन्ना जिले के लिए अतिरिक्त 202.50 करोड़ रुपये मंजूर कर पुनर्वास पैकेज बढ़ाकर 12 लाख 50 हजार रुपये कर दिया। सरकार इसे अपनी बड़ी उपलब्धि बताती है। लेकिन प्रभावित परिवारों का कहना है कि केवल राशि घोषित कर देने से पुनर्वास पूरा नहीं हो जाता। उन्हें रहने योग्य जमीन चाहिए, खेती का विकल्प चाहिए, रोजगार चाहिए, सामाजिक सुरक्षा चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि उनका भविष्य उजड़ने वाला नहीं है। यही वह बिंदु है, जहां मध्य प्रदेश सरकार सबसे कमजोर दिखाई देती है। केंद्र सरकार की ओर से इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री स्वयं इसका भूमिपूजन करते हैं। करोड़ों रुपये स्वीकृत होते हैं। लेकिन पुनर्वास जैसी सबसे संवेदनशील जिम्मेदारी राज्य सरकार के हिस्से आती है। यदि पुनर्वास ठीक ढंग से होता, प्रभावित लोगों से लगातार संवाद होता और प्रशासन उनकी शिकायतों का समय पर समाधान करता, तो शायद आज पानी के बीच खड़े होकर ''चिता आंदोलन'' करने की नौबत नहीं आती। किसी भी बड़ी परियोजना में विरोध होना असामान्य नहीं है। लेकिन यह विरोध जब इस स्तर तक पहुंच जाए कि लोग अपने जीवित रहते अपनी ही चिता का प्रदर्शन करने लगे,ऐसे में इसे केवल एक साधारण नागरिक की पीड़ा की पराकाष्ठा माना जाना चाहिए। यदि कोई प्रशासन सामान्य नागरिकों की पीड़ा को न समझ सके तो फिर यह शासन की संवेदनहीनता पर आरोप-पत्र बन जाता है। सबसे हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास स्वयं खनिज, राजस्व और प्रशासन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विभागों की प्रत्यक्ष निगरानी है। ऐसी परियोजनाओं की समीक्षा नियमित रूप से होती है। प्रभावित गांवों की स्थिति, आंदोलन की जानकारी और प्रशासनिक रिपोर्टें लगातार मुख्यमंत्री तक पहुंचती होंगी। फिर भी यदि आंदोलन चार दिन से अधिक चलता है, आदिवासी परिवार पानी में उतरकर प्रदर्शन करते हैं और सरकार की ओर से कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं देती, तो इसे केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि राजनीतिक उदासीनता भी मानी जाएगी। सरकार यह तर्क दे सकती है कि मुआवजा बढ़ा दिया गया है लेकिन यहां प्रश्न केवल पैसों का नहीं है। आदिवासी समाज के लिए जमीन बैंक बैलेंस नहीं होती। वह उसकी पहचान होती है। जंगल उसकी संस्कृति है। नदी उसका जीवन है। गांव उसका सामाजिक ताना-बाना है। इन सबका मूल्य केवल 12 लाख 50 हजार रुपये से नहीं आंका जा सकता। यही कारण है कि पुनर्वास केवल नकद भुगतान नहीं होता। सफल पुनर्वास का अर्थ होता है कि विस्थापित परिवार नए स्थान पर पहले से बेहतर जीवन जी सके। यदि उसके बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाएं, खेती समाप्त हो जाए, रोजगार छिन जाए और सामाजिक ताना-बाना टूट जाए, तो मुआवजे की राशि कुछ वर्षों में समाप्त हो जाती है, लेकिन विस्थापन की पीड़ा पीढ़ियों तक चलती है। इस पूरे मामले का राजनीतिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अगले वर्ष उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। केन-बेतवा परियोजना का बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र को भी मिलना है। भाजपा इस परियोजना को विकास की बड़ी उपलब्धि के रूप में जनता के सामने रखना चाहती है। लेकिन यदि इसी परियोजना की पहचान आदिवासी असंतोष, पुनर्वास विवाद और चिता आंदोलन बन गई, तो विपक्ष इसे चुनावी मुद्दा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी इसी मुद्दे को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार ने आदिवासियों को न्याय नहीं, संघर्ष दिया है। कांग्रेस इसे ''जल, जंगल और जमीन'' के अधिकार से जोड़ रही है। स्वाभाविक है कि चुनावी राजनीति में ऐसे दृश्य भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकते हैं। यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस परियोजना को अपनी महत्वाकांक्षी योजना बताया, क्या मध्य प्रदेश सरकार उसी गंभीरता से उसे लागू भी कर रही है? यदि केंद्र सरकार की प्राथमिकता और राज्य सरकार के क्रियान्वयन के बीच तालमेल मजबूत होता, तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती। परियोजना का निर्माण कार्य जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण लोगों का विश्वास जीतना है। विकास केवल मशीनों, बांधों और नहरों से नहीं होता। विकास तब होता है, जब परियोजना से प्रभावित व्यक्ति भी यह महसूस करे कि सरकार उसके साथ खड़ी है। आज जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वे ठीक इसका उलटा संदेश देती हैं। सरकार बार-बार कहती है कि यह परियोजना बुंदेलखंड का भविष्य बदल देगी। लेकिन प्रभावित परिवार पूछ रहे हैं कि हमारा वर्तमान कौन संभालेगा? यह प्रश्न सरकार के पास अब तक अनुत्तरित है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि यदि इस आंदोलन को समय रहते नहीं संभाला गया, तो यह केवल केन-बेतवा परियोजना तक सीमित नहीं रहेगा। प्रदेश में आने वाले समय में जिन भी बड़ी परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण होगा, वहां लोग इसी उदाहरण का हवाला देंगे। तब सरकार के लिए विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाना और कठिन हो जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने अभी भी अवसर है। उन्हें केवल प्रशासनिक बैठकों तक सीमित रहने के बजाय प्रभावित गांवों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करना चाहिए। पुनर्वास पैकेज की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए। जिन लोगों को राशि मिली है, उसका विवरण सामने आना चाहिए। जिनकी शिकायतें हैं, उनका समयबद्ध निराकरण होना चाहिए। केवल प्रेस विज्ञप्तियों से विश्वास नहीं बनता, विश्वास जमीन पर दिखाई देने वाले निर्णयों से बनता है। यदि सरकार वास्तव में चाहती है कि केन-बेतवा परियोजना प्रधानमंत्री मोदी की सबसे सफल योजनाओं में गिनी जाए, तो उसे यह समझना होगा कि किसी भी परियोजना की सफलता का पहला पैमाना बांध की ऊंचाई नहीं, बल्कि विस्थापित परिवारों की संतुष्टि होती है। खजुराहो में प्रधानमंत्री मोदी ने जिस दिन इस परियोजना का भूमिपूजन किया था, उस दिन इसे बुंदेलखंड के स्वर्णिम भविष्य की शुरुआत बताया गया था। आज उसी परियोजना के विरोध में पानी के बीच खड़े आदिवासी किसानों की तस्वीरें सरकार से पूछ रही हैं कि क्या विकास का अर्थ केवल निर्माण कार्य पूरा कर लेना है, या फिर उन लोगों का भविष्य सुरक्षित करना भी है, जिनकी कीमत पर यह विकास खड़ा हो रहा है? यदि मध्य प्रदेश सरकार ने इस सवाल का संवेदनशील उत्तर नहीं दिया, तो इतिहास केन-बेतवा परियोजना को केवल नदी जोड़ने वाली योजना के रूप में नहीं, बल्कि उस परियोजना के रूप में भी याद रखेगा, जहां विकास के दावों के बीच विस्थापितों की पीड़ा की आवाज सबसे अधिक सुनाई दी। **-पवन वर्मा**

दिल्ली की ईवी नीति: क्या स्वच्छ हवा की राह इलेक्ट्रिक होगी?

संजय तिवारी

लगभग डेढ़ दशक पहले बीजिंग दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में था। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही शहर आज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का वैश्विक उदाहरण बन जाएगा। चीन सरकार ने शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक बसों व टैक्सियों का बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया। इससे वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि प्रदूषण पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। दिल्ली आज बहुस्तरीय प्रदूषण संकट से जूझ रही है। सर्दियों में धीमी हवाओं और तापमान उलटाव से जहरीली हवा फंस जाती है। वाहनों का दबाव, निर्माण व औद्योगिक धूल, पराली जलाने का धुआं और कचराध्बायोमास दहन प्रदूषण को और गहरा करते हैं। आसपास के कोयला आधारित बिजलीघर और मथुरा रिफायनरी से निकलने वाले सल्फर डाइऑक्साइड व नाइट्रोजन ऑक्साइड भी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। इन सबके संयुक्त प्रभाव से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट खड़ा होता है और सरकारों के सामने ऊर्जा संक्रमण, क्षेत्रीय सहयोग तथा शहरी परिवहन सुधार जैसी चुनौतियां उपस्थित होती हैं। इन परिस्थितियों के बीच दिल्ली सरकार द्वारा अधिसूचित नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2026 केवल परिवहन नीति नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा संक्रमण की दिशा में एक महत्वाकांक्षी पहल के रूप में सामने आई है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की यात्रा केवल राज्यों की पहल तक सीमित नहीं रही। केंद्र सरकार ने 2015 में फ़ेम इंडिया योजना शुरू की, जिसे बाद में फ़ेम-11 के रूप में विस्तारित किया गया। अनुदान, बैटरी निर्माण, चार्जिंग अवसंरचना तथा पीएम ई-ड्राइव जैसी पहलों के माध्यम से केंद्र सरकार ने केवल वाहन खरीद ही नहीं बल्कि पूरे ईवी पारितंत्र को विकसित करने का प्रयास किया है। राष्ट्रीय प्रयासों के समानांतर अनेक राज्यों ने अपनी-अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीतियां बनाई हैं। दिल्ली के साथ-साथ, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, हरियाणा और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों ने ऐसी नीतियां लागू कीं, जिससे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटे, प्रदूषण कम हो और हरित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिले। दिल्ली ने वर्ष 2020 में देश की सबसे प्रगतिशील इलेक्ट्रिक वाहन नीतियों में से एक लागू की थी, जिसका आधार प्रोत्साहन था। खरीद पर सब्सिडी, सड़क कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट, चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वेच्छा से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम यह हुआ कि दिल्ली देश के सबसे तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन बाजारों में शामिल हो गई, विशेषकर दोपहिया वाहनों और ई-रिक्शा के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2026 की नई नीति इसी यात्रा का अगला चरण है। यदि 2020 की नीति को प्रोत्साहन आधारित नीति कहा जाए, तो 2026 की नीति समयबद्ध परिवर्तन आधारित नीति है। अब सरकार केवल रियायतें देकर लोगों की स्वैच्छिक भागीदारी पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर चरणबद्ध रूप से पेट्रोल और सीएनजी वाहनों से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण सुनिश्चित करना चाहती है। इसी उद्देश्य से 1 जनवरी 2027 से केवल इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा तथा 1 अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। यही गुणात्मक परिवर्तन नई नीति को 2020 की नीति से अधिक साहसिक, स्पष्ट और दूरगामी बनाता है। यद्यपि नई नीति में इलेक्ट्रिक कारों की खरीद पर भी कर एवं पंजीकरण शुल्क में छूट सहित विभिन्न प्रोत्साहनों का प्रावधान है, फिर भी सरकार का मुख्य जोर दोपहिया वाहनों के विद्युतीकरण पर है, क्योंकि दिल्ली के लगभग दो-तिहाई पंजीकृत वाहन इसी श्रेणी के हैं। इनके विद्युतीकरण से वायु प्रदूषण, ईंधन खपत और कार्बन उत्सर्जन में सबसे अधिक कमी लाई जा सकती है। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी केवल पर्यावरणीय परियोजना नहीं, बल्कि औद्योगिक नीति भी है। बैटरी निर्माण, सॉफ्टवेयर, चार्जिंग नेटवर्क, बिजली वितरण, ऑटोमोबाइल विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में लाखों नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। यदि भारत इस क्षेत्र में समय रहते निवेश करता है तो वह वैश्विक ईवी आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। परंतु किसी भी नीति की सफलता केवल उसकी घोषणा से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन से तय होती है। दिल्ली की नई नीति के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी चुनौती चार्जिंग अवसंरचना हैकृलाखों नए ईवी सड़कों पर आने वाले हैं, जबकि मौजूदा नेटवर्क अभी भी अपर्याप्त है। दूसरी चुनौती बिजली वितरण व्यवस्था की है, जिसे बढ़ती मांग के अनुरूप सुदृढ़ करना होगा।

सेहत मंत्र

पेट को स्वस्थ और वजन को कम करने में फायदेमंद है चीकू शेक

चीकू आलू की तरह दिखने वाला फल है, जो हर मौसम में आसानी से मिल जाता है। चीकू को सपोटा भी कहते हैं। यह ऐसा फल है जिसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटैशियम, सोडियम, विटामिन सी, विटामिन बी 6, फाइबर और आयरन की भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए चीकू को कई गुणों की खान माना जाता है। आप चीकू के फल और इसका शेक बनाकर भी पी सकते हैं, यह आपके लिए बहुत हेल्दी होता है। चीकू आपके पेट की समस्याओं को दूर करने के साथ आपको हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करता है। चीकू में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेट्री एजेंट होने की वजह से यह कब्ज, दस्त जैसी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार है। इसके अलावा यह वजन को प्राकृतिक तरीके से कम करने में मदद करता है। चीकू में मौजूद कैल्शियम व आयरन होने के कारण यह आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने और आंखों की रौशनी के लिए फायदेमंद माना जाता है। चीकू आयरन और कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत है। यह हड्डियों के विकास में भी मददगार है। आप चीकू फल और जूस दोनों का ही सेवन कर सकते हैं। यह आपको बीमारियों से बचाता है। चीकू में मौजूद एंटीइंफ्लामेट्री एजेंट आपको कई बामारियों से बचाने में मददगार है। चीकू के सेवन से शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा मिलती है। चीकू कब्ज, अतिसार, एनिमिया व हृदय रोगों से बचाव में फायदेमंद है। इसके अलाव यह यूरिन जलन को दूर करता है। चीकू शेक को एनर्जी ड्रिंक के तौर पर भी पिया जा सकता है क्योंकि इसमें ग्लूकोज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। चीकू में सभी पोषक तत्व पाये जाते हैं, जिसकी वजह से यह आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ व सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करता है। चाकू को उबालकर उसका काढ़ा बनाकर पीने से आपके पेट संबंधी समसयाएं दूर होंगी। चीकू का फल और शेक आपके वजन को कम करने में बेहद फायदेमंद है। यदि आप वजन को कम करने वालों की दौड़ में शामिल हैं, तो अपनी डाइट में चीकू शेक को जरूर शामिल करें। चीकू शेक एक हेल्दी, टेस्टी व एनर्जी ड्रिंक है, जो मोटापे को कम करने में सहायक है। इसमें मौजूद फाइबर आपकी भूख को शांत करता है और गैस्ट्रिक एंजाइम को खत्म करके पाचन को मजबूत रखता है।

धर्म मंत्र

जब धरती से प्रकट हुए थे भगवान शिव और महाकाल मंदिर का ऐसे हुआ निर्माण

मध्यप्रदेश की धार्मिक राजधानी यानी अवंतिका, उज्जैयिनी समेत कई नामों से प्रसिद्ध शहर उज्जैन। जहां भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग है। मां शिप्रा के तट पर बसा हुआ शहर अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। उज्जैन को भगवान महाकाल की नगरी कहते हैं। शिव पुराण के अनुसार उज्जैन में बाबा महाकाल का मंदिर काफी प्राचीन है। इस मंदिर की स्थापना द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण के पालन करता नंद जी की 8 पीढ़ी पूर्व हुई थी। जैसा कि आप सभी जानते होंगे कि 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक इस मंदिर में दक्षिण मुखी होकर विराजमान है। महाकाल मंदिर के शिखर के ठीक ऊपर से कर्क रेखा गुजरी है। इसी वजह से इसे धरती का नाभि स्थल भी माना जाता है। उज्जैन के राजा प्रद्योत के काल से लेकर ईसवी पूर्व दूसरी शताब्दी तक महाकाल मंदिर के अवशेष प्राप्त होते हैं। महाकालेश्वर मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार ईस्वी पूर्व छठी सदी में उज्जैन के राजा चंद्रप्रद्योत ने महाकाल परिसर की व्यवस्था के लिए अपने बेटे कुमार संभव को नियुक्त किया था। कहा जाता है कि 10 वीं सदी के अंतिम दशकों में पूरे मालवा पर परमार राजाओं का कब्जा हो गया। 11 वीं सदी के आठवें दशक में गजनी सेनापति द्वारा किए गए आघात के बाद 12 वीं सदी के पूर्वार्ध में उदयादित्य एवं नर वर्मा के शासनकाल में मंदिर का पुनर्निमाण हुआ। इसके बाद सुल्तान इल्तुतमिश ने महाकालेश्वर मंदिर पर दोबारा आक्रमण कर इसे ध्वस्त कर दिया लेकिन मंदिर का धार्मिक महत्व हमेशा बरकरार रहा।

पर्यटन

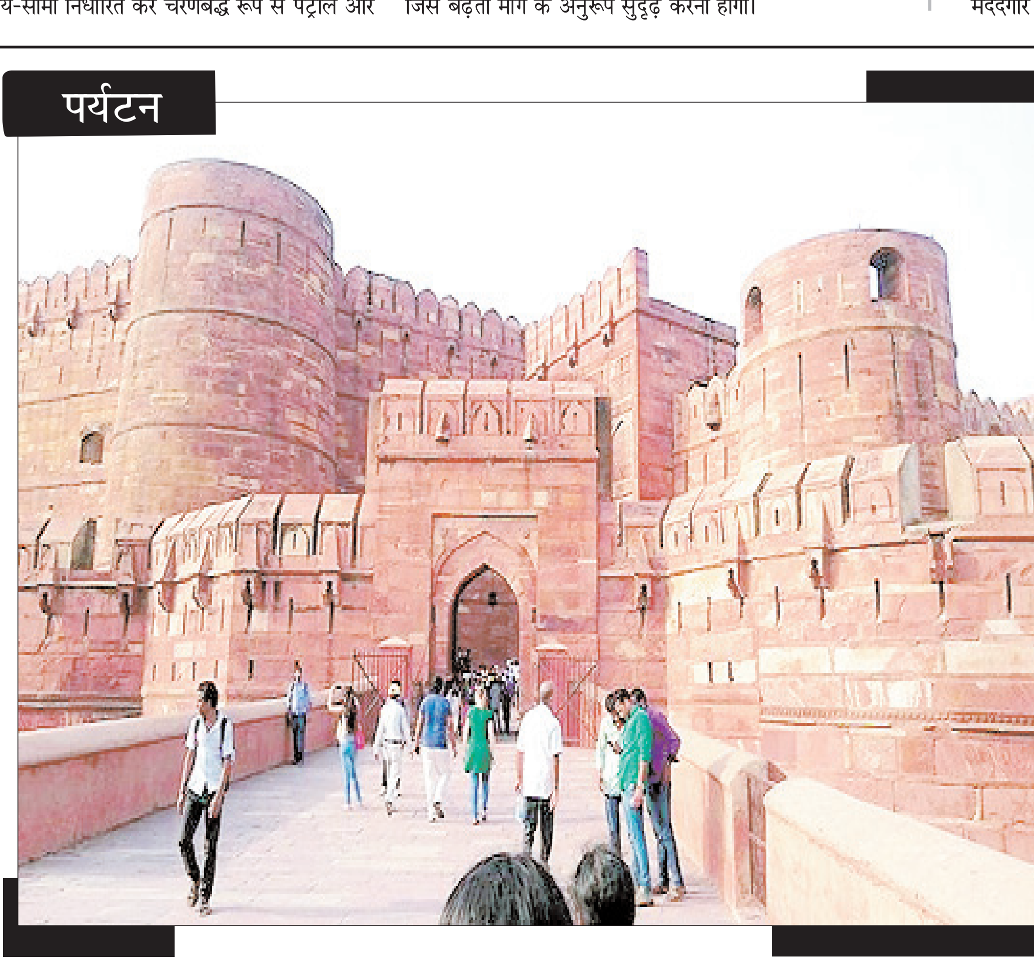

आगरा का लाल किला जहाँ जहाँगीर का न्याय लोकप्रिय हुआ

भारत किलों का देश है। राजाओं ने सुरक्षा व्यस्था को मजबूत करने के लिए पूरे देश में जगह-जगह दुर्गो का निर्माण कराया। अनेक दुर्गो के बीच इतिहास की गवाही देता मैं हूं आगरा का लाल किला। लाल बलुआ पत्थरों से बना होने की वजह से मेरी रंगत लाल दिखाई देती है इसी लिए मुझे लाल किला कहा जाता है। करीब 940 वर्षो के इतिहास के उतार-चढ़ाव को समेटे मुझे देखने के लिए दुनियां भर के लोग हर साल मेरे द्वार पर आते हैं। मेरी मजबूत संरचना, स्थापत्य, कारीगरी और मेरे कई आकर्षणों को निहारते हैं। मुझे गर्व है कि मेरे महत्व को जान कर मुझे वर्ष 1983 ई. में यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल किया गया,जिस से मेरा मान और भी बढ़ गया है। कई काल के शासकों ने मझे भारत की राजधानी होने का गौरव प्रदान किया और यहीं से देश के शासन का संचालन किया। कलात्मक झरोखों से ताजमहल को निहारना मेरी विशेषता हैं। देश के कई शासकों के उत्थान और पतन के इतिहास की गवाही है मेरी आन बान और शान। यहीं से जहाँगीर का न्याय लोकप्रिय हुआ और उन्होंने आम जन के लेते घण्टियों की श्रंखला बनाई, जिसे न्याय पाने वाला इसे बजा कर अपनी फरियाद कर सकता था। अर्धवृताकार आकृति में मेरा निर्माण 2.4 किलोमीटर की परिधि में करवाया गया है तथा किलेनुमा 70 फीट ऊंची चारदीवारी दोहरे परकोटे युक्त है। दीवार के बीच-बीच में भारी बुर्जियां बराबर अंतराल पर बनी हैं, जिन पर सुरक्षा छतरियां बनाई गई हैं। इनके साथ-साथ तोपों के झरोखें एवं रक्षा चौकियाँ भी बनाई गई हैं। दीवार के चार कोनों पर चार द्वार बनाये गए हैं। एक खिजड़ी द्वार है जो यमुना नदी की और खुलता है। दूसरा दिल्ली द्वार एवं तीसरा लाहौर द्वार या अकबर द्वार कहलाता है। लाहौर द्वार का नाम आगे चल कर अमरसिंह द्वार कर दिया गया, इसी द्वार से दर्शक भीतर प्रवेश करते हैं। शहर की दिशा में दिल्ली द्वार भव्य स्वरूप लिए हुए है। इस के अंदर एक चौथा द्वार हाथी पोल कहलाता है। इस द्वार के दोनों और दो हाथी सवार रक्षकों के साथ मूर्तियां बनी हैं जो द्वार की शोभा को बढ़ाती हैं।

गौरक्षा के मुद्दे पर एकजुट हो रहा सनातन समाज जगद्गुरु के आगमन से बाराबंकी में उत्साह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रविवार 12 जुलाई को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बाराबंकी आगमन को लेकर पूरे जनपद में उत्साह का माहौल है। गांव से लेकर शहर तक सनातन समाज के लोग उनके स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। कई स्थानों पर स्वागत द्वार सजाए जा रहे हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कार्यक्रमों में शामिल होने की तैयारी है।

जगद्गुरु की यात्रा का मुख्य उद्देश्य गौरक्षा तथा गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। आयोजकों का कहना है कि गौरक्षा के विषय पर सनातन समाज के सभी वर्ग एकमत हैं और इसे भारतीय संस्कृति, आस्था और सनातन परंपरा से जुड़ा विषय मानते हैं।

हाल के दिनों में राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बाद धार्मिक विषयों पर जनमानस की संवेदनशीलता और बढ़ी है। ऐसे समय में जगद्गुरु का बाराबंकी आगमन श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। लोगों का मानना है कि उनके संदेश से धर्म, संस्कृति और गौरक्षा के प्रति जनजागरण को नई गति मिलेगी।

जगद्गुरु का काफिला जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगा। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत, पादुका पूजन और धर्मसभाओं का आयोजन होगा। आयोजकों का दावा है कि बाराबंकी के इतिहास में पहली बार किसी जगद्गुरु शंकराचार्य का इतना व्यापक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित हो रहा है, जिससे पूरे जिले के सनातन समाज में विशेष उत्साह का वातावरण है। सियासी-धार्मिक हलचल तेज, जनभावनाएं मुखर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संगठनों में स्वागत की तैयारियां चल रही हैं। इसी बीच कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया की सक्रियता ने जिले के राजनीतिक माहौल को भी गर्म कर दिया है। ऐसे में बाराबंकी में धर्म और राजनीति दोनों के मुद्दे एक साथ चर्चा के केंद्र में हैं।

जगद्गुरु के आगमन को लेकर हिंदू समाज में गोरक्षा, सनातन परंपरा और धार्मिक एकता को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। विभिन्न संगठनों का कहना है कि गौ-संरक्षण अब केवल धार्मिक विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दायित्व बन चुका है। दूसरी ओर राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी की घटना ने भी श्रद्धालुओं में आक्रोश पैदा किया है। लोगों का मानना है कि इस मामले में दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर किसी प्रकार का आघात न पहुंचे। इसी माहौल में सांसद तनुज पुनिया के जिले में कार्यक्रमों और जनसंपर्क ने राजनीतिक चर्चाओं को भी गति दी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि धार्मिक और जनभावनाओं से जुड़े मुद्दों के बीच नेताओं की सक्रियता आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कुल मिलाकर 12 जुलाई को बाराबंकी में होने वाला शंकराचार्य का आगमन केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि इसके साथ गोरक्षा, राम मंदिर और जनभावनाओं से जुड़े मुद्दे भी प्रमुखता से उभर रहे हैं। जिले में इन विषयों को लेकर व्यापक चर्चा और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

वरदान हैं निशुल्क चिकित्सा शिविर, ऐसे आयोजन बढ़ने चाहिए : अरविंद गोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने कहा कि महंगाई के इस दौर में गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर किसी वरदान से कम नहीं हैं। आर्थिक तंगी से जूझ रहे और बीमारियों से ग्रसित लोगों के लिए ऐसे शिविर जीवनरक्षक साबित होते हैं, इसलिए समाज में इस तरह के आयोजनों को निरंतर बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

पूर्व मंत्री शनिवार को नगर के पीरबटावन स्थित ईदगाह मैदान में बाराबंकी ईदगाह कमेटी द्वारा आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने शिविर में मौजूद चिकित्सकों से जानकारी ली, मरीजों का हालचाल जाना और उपचार व्यवस्था का अवलोकन किया।

अरविंद कुमार सिंह गोप ने कहा कि निशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को मुफ्त जांच, चिकित्सकीय परामर्श और दवाइयां उपलब्ध होती हैं। इससे न केवल गरीब परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होता है, बल्कि समय रहते बीमारियों की पहचान होने से गंभीर रोगों का भी प्रभावी उपचार संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पूर्व मंत्री ने सफल आयोजन के लिए ईदगाह कमेटी और सहयोगी चिकित्सकों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। इससे पहले समाजसेवी उमेर किदवई और ईदगाह कमेटी के पदाधिकारियों ने अरविंद कुमार सिंह गोप का माला और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर समाजसेवी उमेर किदवई, पूर्व विधायक रामगोपाल रावत, वरिष्ठ पत्रकार हशमतउल्ला, अजय वर्मा 'बबलू', ताज बाबा राइन, मुक्तदिर अंसारी, इरफान कुरैशी, हुमायूं नईम खान, मुजीब अंसारी, मोहम्मद आसिफ तथा सपा जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नगदी सहित पेट्रोल पंप कर्मी गिरफ्तार

बेलहरा-बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने लापता पेट्रोल पंप कर्मचारी को गिरफ्तार कर उसके पास से एक लाख रुपये की नगदी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। थाना क्षेत्र के ममतामऊ में स्थित सूरतगंज फिलिंग सेंटर(पेट्रोल पंप) से गत चार जुलाई को पम्प पर कार्यरत कर्मचारी अंकित यादव करीब आठ लाख रुपये की नगदी लेकर फतेहपुर स्थित भारतीय स्टेट बैंक जमा करने के लिए ऑटो से निकला था लेकिन वह बैंक नही पहुचा न ही व पेट्रोल पंप पर वापस लौटा। मैनजर विजय यादव ने अंकित के विरुद्ध थाने में अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने काफी खोजबीन कर छठे दिन उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से एक लाख रुपये की नगदी बरामद की है। इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि अंकित को गिरफ्तार कर उसके पास एक लाख रुपये की नगदी बरामद कर ली गई। शेष की रिकवरी के प्रयास किये जा रहे है। फिलहाल अंकित को जेल भेज दिया गया है।

अफसर बेलाग, व्यवस्था बेहाल, निन्दूरा ब्लॉक में सरकारी आदेशों की धज्जियां, जनता त्रस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। शासन का दावा है ''सुशासन, पारदर्शिता और शून्य सहनशीलता''। लेकिन निन्दूरा विकास खंड में इसकी हकीकत बिल्कुल उलट है। यहां तैनात अधिकारी न समय से आते हैं, न मुख्यालय पर मिलते हैं, न रात निवास करते हैं और न फोन उठाते हैं। सरकारी आदेशों की खुलेआम अनदेखी के कारण विकास कार्य ठप हैं और आम जनता दर-दर भटक रही है।

ब्लॉक में 4 बड़ी खामियां, जनता परेशान

समय से गैरहाजिरी

कार्यालय का समय सुबह 10 बजे है। लेकिन 11 बजे तक भी कई अफसरों की कुर्सी खाली रहती है। फरियादी घंटों बैठकर लौट जाते हैं।

. मुख्यालय से गायब

शासन का आदेश है कि उक्त और अन्य अधिकारी मुख्यालय पर ही रहेंगे। लेकिन निन्दूरा ब्लॉक में हफ्तों तक अधिकारी दिखाई नहीं देते। जरूरी फाइल और शिकायत लेकर आने वाले लोग ''साहब फील्ड में हैं'' सुनकर वापस लौट जाते हैं।

. रात निवास नहीं

खंड विकास अधिकारी और अन्य अधिकारियों के लिए मुख्यालय पर रात्रि निवास अनिवार्य है। लेकिन निन्दूरा में इसका कोई अनुपालन नहीं। शाम होते ही ब्लॉक परिसर वीरान हो जाता है।

. फोन भी नहीं उठता

सबसे बड़ी दिक्कत संवाद की है। विद्युत संबंधी शिकायत के लिए कुर्सी उपकेंद्र के अवर अभियंताविकास शुक्ला* और विकास कार्यों के लिए उक्तअमन कुमार वर्मा* के सरकारी-सीयूजी नंबर लगातार व्यस्त या नॉट रिचेबल रहते हैं। कई बार कॉल करने के बाद भी रिसीव नहीं होता और न कॉल बैक आती है।

इस संबंध में संवाददाता ने भी अधिकारियों से पक्ष जानने के लिए फोन किया, पर कोई जवाब नहीं मिला।

''चक्कर लगाते-लगाते थक गए''

ग्रामीणों का आरोप है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी फोन उठाकर समस्या सुन लेते हैं। लेकिन ब्लॉक स्तर पर सुनवाई शून्य है। निन्दूरा निवासी रामपाल ने कहा - ट''बिजली का ट्रांसफार्मर खराब है। जेई साहब का फोन 20 बार किया, नहीं उठा। अब 3 बार ब्लॉक के चक्कर लगा चुका हूं।''ट एक अन्य ग्रामीण ने कहा - ट''छोटा सा आवास का काम है। बीडीओ साहब मिलते ही नहीं। ऐसे में गांव का विकास कैसे होगा? विकास कार्य क्यों रुके हैं?

जब अधिकारी ही समय से नहीं बैठेंगे तो योजनाओं की मॉनिटरिंग कौन करेगा? आवास, शौचालय, सड़क, नाली और पेंशन के काम लेट हो रहे हैं। जनता की समस्याएं बढ़ रही हैं और शासन की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

डीएम से हस्तक्षेप की मांग

आमजन ने जिलाधिकारीईशान प्रताप सिंह से मांग की है कि निन्दूरा ब्लॉक में तत्काल औचक निरीक्षण कराया जाए। अधिकारियों की उपस्थिति रजिस्टर, बायोमैट्रिक और रात निवास की जांच हो। फोन न उठाने वाले अफसरों पर कार्रवाई हो। शासन की ''जनसुनवाई'' और ''डोर स्टेप डिलीवरी'' की नीति तब तक सफल नहीं होगी जब तक ब्लॉक स्तर के अफसर जवाबदेह नहीं बनेंगे। निन्दूरा की यह तस्वीर पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर रही है -जब अफसर ही बेलाग हैं, तो विकास कैसे होगा।

125 बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, मौसमी बीमारियों की जांच

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बनीकोडर विकास खंड के ग्राम छंदवल स्थित बेसिक उत्थान एवं ग्रामीण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नि:शुल्क चाइल्ड फ्रेंडली स्कूल में शनिवार को स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. गौरव सिंह ने करीब 125 छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के दौरान कई बच्चों में एनीमिया तथा कुछ में सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षण मिले। चिकित्सक ने जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराईं और अभिभावकों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी।

संस्थान के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित हाथ धोने, साफ-सुथरे वातावरण में रहने और पौष्टिक भोजन करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ बच्चे ही देश का उज्ज्वल भविष्य हैं।

इस अवसर पर शिक्षिकाएं शारदा रावत, प्रिया मौर्य, सरिता यादव, पलक कन्नौजिया, श्रद्धा गुप्ता, अर्चना, छाया देवी और इलावती, शिक्षक सुनील कुमार तथा स्टाफ सदस्य सरोज, सरस्वती, जियालाल और अभिषेक उपस्थित रहे

स्कूल के पास शराब ठेके पर ग्रामीणों का विरोध

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कुर्सी क्षेत्र के अगासंड गांव में संचालित शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेका सरकारी विद्यालय से करीब 200 मीटर तथा निजी विद्यालय से 100 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। ऐसे में प्रतिदिन हजारों विद्यार्थियों को ठेके के सामने से होकर स्कूल जाना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेके के आसपास खुलेआम शराब पी जाती है, जिससे आए दिन गाली-गलौज और हंगामे की स्थिति बनती है। इससे विद्यार्थियों और राहगीरों को परेशानी होती है तथा कई बार सड़क पर जाम जैसी स्थिति भी बन जाती है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आबकारी निरीक्षक गजेंद्र प्रसाद ने बताया कि नियमानुसार शराब का ठेका मंदिर और सरकारी विद्यालय से 100 मीटर की दूरी पर होना चाहिए। अगासंड का ठेका नियमों के अनुरूप है और निजी विद्यालय दूरी संबंधी प्रावधान में शामिल नहीं हैं।

मसौली थाना समाधान दिवस में पांच शिकायतें

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना परिसर में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस दौरान कुल पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जो सभी राजस्व संबंधी थीं। शिकायतों में भूमि विवाद, सरकारी नाली पर अतिक्रमण, धान की फसल बोने, नाली बंद करने और गाली-गलौज जैसे मामले शामिल रहे। प्रभारी निरीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जांच कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

संदिग्ध हालात में युवक का शव मिला

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के बांदीपुर मजरे त्रिलोकपुर में शनिवार को गांव के बाहर बने मकान में 35 वर्षीय अरुण कुमार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया गया कि अरुण मूल रूप से सतरिख का निवासी था और कई वर्षों से परिवार के साथ बांदीपुर में रह रहा था। नशे की लत के कारण एक वर्ष पहले उसकी पत्नी बच्चों के साथ अलग रहने लगी थी। इसके बाद से वह अकेले रह रहा था और मानसिक तनाव में था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

रिश्वत के आरोपों को प्रशासक ने बताया झूठा

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड बंकी की ग्राम पंचायत सुरसण्डा की प्रशासक आशा देवी ने मुख्यमंत्री आवास योजना में रिश्वत लेने के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उन पर और उनके पति धीरज कुमार पर लगाए गए आरोप झूठे और उनकी छवि खराब करने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। आशा देवी ने कहा कि यदि लाभार्थी से धन लिया गया होता तो उसका आवास निर्माण नहीं हो पाता। उन्होंने किसी भी निष्पक्ष जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही और विश्वास जताया कि जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।

महंत संतराम दास को दी श्रद्धांजलि

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्री अयोध्या धाम की हनुमानगढ़ी के पूज्य महंत श्री श्री 1008 संतराम दास जी महाराज के गोलोकगमन पर शनिवार को हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के जिला कार्यालय, मसौली चौराहा पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष छोटा योगी मोहित हिंदू सहित उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर महंत के व्यक्तित्व और आध्यात्मिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त अनुयायियों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो और निजी अस्पताल सील

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामसनेहीघाट की टीम ने देवीगंज चौराहे के पास संचालित दो निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। सीएचसी अधीक्षक के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सबसे पहले श्री राम मेडिकल एवं क्लीनिक का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल संचालक के पास कोई पंजीकरण अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही अस्पताल में कई गंभीर कमियां भी पाई गईं। नियमों के उल्लंघन को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। जबकि दूसरे अनवी नाम से संचालित हॉस्पिटल को नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर सभी वैध दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।सीएचसी अधीक्षक डॉ. रमेश चंद्र ने बताया कि क्षेत्र में बिना मान्यता संचालित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

विधायक बाबूराम की पहल रंग लाई, कलीनगर को जल्द मिलेगी 3 करोड़ के बारात घर की सौगात

पूरनपुर।पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम ने तहसील एवं नगर पंचायत कलीनगर के विकास को गति देने के लिए बारात घर निर्माण की मांग को लेकर अपनी पहल और तेज कर दी है विधायक ने पूर्व में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा को पत्र भेजकर कलीनगर में एक आधुनिक बारात घर स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया था मामले में प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधायक ने अब प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को पुन: पत्र प्रेषित कर प्रकरण का शीघ्र निस्तारण कराने का आग्रह किया है अपने पत्र में उन्होंने क्षेत्र की बढ़ती आबादी और सामाजिक आयोजनों के लिए उपयुक्त सार्वजनिक स्थल के अभाव का उल्लेख करते हुए बारात घर की आवश्यकता पर बल दिया है प्रस्तावित बारात घर के निर्माण पर लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है स्थानीय लोगों का मानना है कि इस परियोजना के साकार होने से विवाह समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों तथा अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी विधायक बाबूराम ने विश्वास व्यक्त किया है ।

किसानों के खेतों से गहरे नहर से परेशान खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी

नहर में पानी न आने से किसानों में भारी आक्रोश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

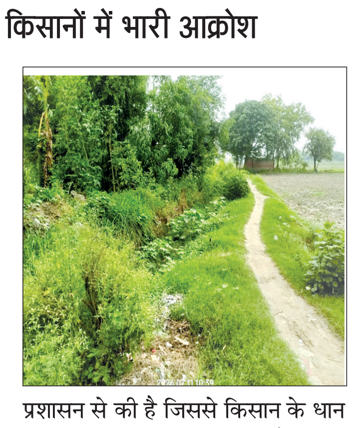

कादीपुर/सुलतानपुर। नहर में पानी न आने से क्षेत्र के किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

नहर विभाग की मनमानी के चलते रोहियावा जलालपुर से डोमापुर तक आने वाली माइनर नहर पूरी तरह से बंद हो गई है इसकी कभी साफ सफाई नहीं होने से झाड़ झंकार और सिल्ट जमा है जिससे इसमें पानी नहीं आ पा रहा है पानी नहीं आने से हजारों किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं। इसके लिए लोगों ने कई बार इसकी शिकायत किया लेकिन नहर विभाग के आला अफसर आज तक कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं किसानों ने शासन प्रशासन से नहर में पानी पहुंचाए जाने की मांग शासन प्रशासन से की है जिससे किसान के धान की रोपाई समय से हो सके और अगर नहर में समय से पानी नहीं आया तो अन्नदाता किसान धरना प्रदर्शन और रोड जाम कर सकते हैं इसलिए नहर विभाग से संबंधित सभी अधिकारियों से विनम्र निवेदन है कि किसानो की बदहाल समस्या को देखते हुए नहर में पानी आना नितांत आवश्यक है।

कॉपी बैग पाकर मुदित हुए नौनिहाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।कस्बा रामनगर के प्राथमिक विद्यालय 2 में भाजपा युवा नेता शिवप्रकाश अवस्थी द्वारा 98 छात्र छात्राओं में कापी सहित स्कूल बैग वितरित किए गए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष रामसिंह वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विद्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाया।उन्होंने शिक्षा में सामाजिक सहभागिता पर बल देते हुए इस पहल की सराहना की।इन्द्रमणि उपाध्याय के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका शमा परवीन सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

भारत का संविधान एवं इक्कीसवीं सदी का संविधान पर कार्यशाला आयोजित

अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में हुआ आयोजन, विधि विशेषज्ञों ने रखे विचार

उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र सिंह रहे मुख्य अतिथि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में सुल्तानपुर दीवानी सभागार में भारत का संविधान एवं इक्कीसवीं सदी का संविधान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने विषय पर गहराई से प्रकाश डाला। कार्यशाला के संयोजक अयोध्या जनपद के गायत्री परिवार के जिला समन्वयक महेंद्र सिंह रहे। सुल्तानपुर में इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का सफल संयोजन व आयोजन गोमती मित्र मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह श्मदनश द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता करुणाशंकर दुबे व नागेंद्र सिंह ने समसामयिक परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर बल दिया। इसके साथ ही विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. सुधाकर सिंह, राकेश सिंह व प्रभाकर सक्सेना ने भी अपने विचार व्यक्त किए और 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच संविधान की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन पर सुल्तानपुर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी आगंतुकों, अधिवक्ताओं और प्रबुद्धजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में अधिवक्ता, प्रबुद्ध नागरिक और गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

असम हाईवे पर फोम से भरे ट्रक में जिंदा जला चालक-मालिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। देर रात पूरनपुर-पीलीभीत हाईवे पर हुई एक दर्दनाक घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया फोम से भरे एक ट्रक में अचानक लगी भीषण आग ने चालक ट्रक मालिक बलविंदर सिंह की जिंदगी कुछ ही मिनटों में छीन ली सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ट्रक में आग लगी होगी, तब क्या बलविंदर सिंह ने खुद को बचाने के लिए मदद की गुहार लगाई होगी? क्या उनकी चीखें हाईवे से गुजर रहे लोगों तक नहीं पहुंचीं? यह सवाल अब एक अनसुलझी गुत्थी बनकर रह गया है रामपुर जनपद के थाना बिलासपुर क्षेत्र के गांव बड़ा बसैना निवासी बलविंदर सिंह अपने ट्रक में जैकेट बनाने में इस्तेमाल होने वाली फोम लेकर लखीमपुर खीरी जा रहे थे शुक्रवार देर रात जब उनका ट्रक पूरनपुर-पीलीभीत हाईवे पर हरदोई ब्रांच नहर पुल स्थित गुरुद्वारे के पास पहुंचा, तभी तेज बारिश के बीच अचानक ट्रक में आग लग गई ट्रक में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील फोम भरी होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया आग इतनी तेजी से फैली कि बलविंदर सिंह को केबिन से बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला और वह ट्रक के अंदर ही जिंदा जल गए घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया सीओ पूरनपुर विधि भूषण मौर्य, पूरनपुर और गजरौला पुलिस और दमकल विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची कुछ देर बाद पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया आग इतनी भीषण थी कि उसे बुझाने के लिए दो बड़ी और एक छोटी दमकल गाड़ी लगानी पड़ी बार-बार पानी खत्म होने के कारण दमकल कर्मियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात लगभग 2:30 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका जब दमकल कर्मियों ने ट्रक के केबिन की तलाशी ली तो अंदर का दृश्य बेहद दर्दनाक था केबिन से बलविंदर सिंह का पूरी तरह जला हुआ कंकाल बरामद हुआ इसके बाद पुलिस ने अवशेषों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

सर्वेश कुशारे ने मोनाको डायमंड लीग में तीसरे स्थान पर रहकर इतिहास रचा

एजेंसी

मोनाको। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके ऊंची कूद में यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा और खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। व्यावसायिक और औद्योगिक इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.26 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया। वह पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के महज दो सप्ताह बाद इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा (2022 से 13 बार), लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर (2023 में एक बार) और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा (2015 में दो बार) के बाद डायमंड लीग प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए हैं। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज़ एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया। महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवरगांव गांव में प्याज की खेती करने वाले किसान के बेटे कुशारे अपने पिता और बचपन के कोच द्वारा तैयार किए गए मक्के के छिलके, कपास आदि से बने अस्थायी 'लैंडिंग पिट' का उपयोग करके ऊंची कूद का अभ्यास किया करते थे। कुशारे ने 2014 में 20 वर्ष की उम्र में पहली बार किसी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने अपना पहला स्वर्ण पदक 2018 में इंडियन ओपन में जीता था। वह अगले वर्ष इस प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहे थे। उन्होंने 2022 में गुजरात राष्ट्रीय खेलों में 2.27 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता था। वह 2025 में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में 2.18 मीटर की कूद लगाकर छठे स्थान पर रहे थे। इस दौरान वह विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की ऊंची कूद के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय भी बने।

डायमंड लीग में पदार्पण पर तीसरे स्थान पर रहे सर्वेश कुशारे

एजेंसी

मोनाको। भारत के ऊंची कूद के एथलीट और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सर्वेश कुशारे ने मोनाको में डायमंड लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में अपने पदार्पण पर ही तीसरा स्थान हासिल करके खुद को विशिष्ट क्लब में शामिल कर दिया। वह इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2.12 मीटर, 2.16 मीटर, 2.20 मीटर, 2.23 मीटर और 2.26 मीटर की कूद लगाई। लेकिन कई स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतियोगिता में 2.28 मीटर की कूद लगाने के तीन प्रयासों में विफल रहने के कारण उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। इसके बावजूद पिछले महीने राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाले कुशारे भाला फेंक के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा, लंबी कूद के एथलीट मुरली श्रीशंकर और चक्का फेंक के पूर्व एथलीट विकास गौड़ा के बाद डायमंड लीग में शीर्ष तीन में जगह बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए। यूक्रेन के विश्व इंडोर चैंपियन ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के जैक किमानी 2.30 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे। किमानी तीन प्रयासों में भी 2.32 मीटर की कूद नहीं लगा सके, जबकि डोरोशचुक ने इसे अपने पहले ही प्रयास में हासिल कर दिखाया। किमानी भाग्यशाली रहे क्योंकि वह अपने तीसरे प्रयास में ही 2.16 मीटर की ऊंचाई को पार कर सके थे, जबकि कुशारे ने इसे आसानी से पार कर लिया। कुशारे ने तीसरे स्थान पर रहकर कतर के तीन बार के विश्व चैंपियन और तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता मुताज़ एस्सा बरशिम और अमेरिका के 2023 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता जुवॉन हैरिसन जैसे स्टार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। बरशिम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। कुशारे ने कुछ दिन पहले ही 27 जून को 2.31 मीटर की कूद लगाकर तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के आठ साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। वह 2.30 मीटर की कूद लगाने वाले पहले भारतीय 'हाई जम्पर' हैं।

फीफा विश्व कप : हैरी केन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलने की पुष्टि की, बोले- यह एक अविस्मरणीय अनुभव था

एजेंसी

मियामी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने पुष्टि की है कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेला था। केन ने इस मुलाकात को ''अवास्तविक और यादगार अनुभव'' बताया और कहा कि ट्रंप का गोल्फ खेल भी काफी अच्छा है। दरअसल, ट्रंप ने इस सप्ताह इंग्लैंड की मेक्सिको पर 3-2 की जीत के बाद खुलासा किया था कि वह पहले केन के साथ गोल्फ खेल चुके हैं और उन्होंने इंग्लिश कप्तान की फुटबॉल के साथ-साथ गोल्फ की भी तारीफ की थी। विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले से पहले मियामी में मीडिया से बातचीत में केन ने कहा, ''मैंने भी ठीक-ठाक गोल्फ खेला। जब मैं पाम बीच में था तो राष्ट्रपति ने मुझे गोल्फ खेलने के लिए आमंत्रित किया। जब अमेरिका का राष्ट्रपति आपको बुलाए, तो उसे ठुकराना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, ''उनसे मिलना और उनके साथ गोल्फ खेलना एक बेहद अलग और अविस्मरणीय अनुभव था। सच कहूं तो उनका गोल्फ खेल काफी अच्छा है। उम्मीद करता हूं कि उनकी उम्र में मैं भी उतना अच्छा खेल सकूं। मैं उनका निमंत्रण पाकर बेहद आभारी हूं। मेक्सिको के खिलाफ इंग्लैंड की जीत के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था, ''इंग्लैंड के हैरी केन महान खिलाड़ी हैं।'' इसके अगले दिन उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मैंने केन के साथ गोल्फ खेला है। वह शानदार खिलाड़ी हैं और बेहतरीन इंसान भी। उनका गोल्फ भी काफी अच्छा है। हैरी केन इस विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं। वह अब तक छह गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में नॉर्वे के एरलिंग हालैंड से केवल एक गोल पीछे हैं। इंग्लैंड अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए नॉर्वे से भिड़ेगा। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह फीफा विश्व कप से जुड़ी एक और वजह से भी चर्चा में रहे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो से अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगे निलंबन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि फीफा ने बाद में स्पष्ट किया कि बालोगुन की सजा में बदलाव ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से नहीं किया गया था।

मेरिनो फिर चमके, बेल्जियम पर करीबी जीत से स्पेन सेमीफाइनल में

एजेंसी

इंगलवुड (अमेरिका)। मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे मैच में कमाल दिखाया और मैदान पर उतरने के बाद अपने दूसरे मिनट में ही निर्णायक गोल दागा, जिससे स्पेन ने बेल्जियम को एक करीबी मुकाबले में 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर आए और उन्होंने 88वें मिनट में बेल्जियम के बैकअप गोलकीपर सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाकर गोल कर दिया। उन्होंने बॉक्स में घुसकर तब गोल दागा जब लैमेंस पाउ कुबार्सी के लंबे शॉट पर रिबाउंड को नहीं रोक पाए थे। यह लगातार दूसरा मैच था जबकि मेरिनो ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरकर निर्णायक गोल किया। उन्होंने पिछले मैच में स्पेन की पुर्तगाल पर 1-0 की जीत में इंजरी टाइम के शुरुआती समय में सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर आने के चार मिनट बाद ही गोल कर दिया था। स्पेन

सेमीफाइनल में टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फ्रांस का सामना करेगा। मेरिनो ने कहा, ''मैंने लगातार दूसरे मैच में ऐसा किया, इसलिए लगता है कि संयोग जैसी कोई चीज होती है। अगर आप तैयार हैं और कोशिश करते हैं तो कोई भी ऐसा कर सकता है। किस्मत ने भी मेरा साथ दिया। ेरिनो ने अपने पहले विश्व कप में दो गोल किए हैं और ये दोनों ही ऐतिहासिक हैं। गोलकीपर लैमेंस को 71वें मिनट में मैदान में उतरना पड़ा, क्योंकि बेल्जियम के लंबे समय से गोलकीपर रहे थिबाउट कर्टोइस जांघ में चोट लगने के कारण मैदान से बाहर चले गए थे। बेल्जियम ने अंतिम मिनटों में बराबरी का गोल करने के लिए जीजान से प्रयास किया, लेकिन आयमेरिक लापोर्टे ने सर्वश्रेष्ठ मौके पर शॉट बाहर मार दिया। स्पेन के लिए फैबियान रुइज़ ने 30वें मिनट में गोल किया। बेल्जियम के फॉरवर्ड चार्ल्स डी केटेलेरे ने 41वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। यह टूर्नामेंट में पहला अवसर है जबकि स्पेन ने गोल खाया। स्पेन मार्च 2023 से लगातार 37 मैचों में अजेय रहा है। वह 2010 में खिताब जीतने के बाद पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा है। बेल्जियम का सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 18 मैचों में अजेय रहने का सिलसिला समाप्त हो गया। स्पेन और फ्रांस के बीच मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इस साल के विश्व कप में दोनों में से कोई भी टीम हारी नहीं है। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा, ''यह दो दिग्गज टीम के बीच मुकाबला होगा लेकिन हम मैच जीतने में सक्षम हैं। उनकी टीम लाजवाब है लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। कर्टोइस ने चार बचाव किए, लेकिन दूसरे हाफ में एक लंबी किक के बाद वह मैदान पर गिर पड़े। उन्हें मैदान पर ही उपचार दिया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद जब कोच रूडी गार्सिया ने उन्हें वापस बुलाया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाए। गार्सिया ने कहा, ''हमने अच्छा प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

अनिमेष ने 100 मीटर की दौड़ में नई उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया

वेटजलर (जमह्ङ)। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल में निकाला गया उनका समय किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने मई में रांची में फ़ेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अनिमेष मुख्य रूप से 200 मीटर दौड़ में भाग लेते हैं और वह इस स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। वह ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार भाग लेंगे।

अनिमेष ने 100 मीटर की दौड़ में नई उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया

वेटजलर (जर्मनी)। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल में निकाला गया उनका समय किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने मई में रांची में फ़ेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अनिमेष मुख्य रूप से 200 मीटर दौड़ में भाग लेते हैं और वह इस स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। वह ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार भाग लेंगे।

अमेरिका और मैक्सिको के बाहर होने क्वार्टर फाइनल के टिकटों की कीमत गिरी

न्यूयॉर्क। सह मेजबान अमेरिका और मैक्सिको के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद विश्व कप के क्वार्टर फाइनल मैचों के लिए टिकटों की कीमतों में गिरावट आई है। टिकपिक वेबसाइट ने कैलिफोर्निया के इंगलवुड में शुक्रवार को स्पेन और बेल्जियम के बीच खेले गए मैच के लिए टिकटों की सबसे कम कीमत 1,381 डॉलर बताई। अंतिम 16 के मैच में बेल्जियम से अमेरिका की हार से पहले इनकी कीमत 3,261 डॉलर थी। इंग्लैंड और नॉर्वे के बीच शनिवार को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में होने वाले मैच के लिए सबसे कम टिकट की कीमत 2,049 डॉलर हो गई है। इंग्लैंड की मैक्सिको पर जीत से पहले यह कीमत 3,866 डॉलर थी। इसी तरह कनसास सिटी में अर्जेंटीना और स्विट्जरलैंड के बीच होने वाले मैच के लिए सबसे कम टिकट की कीमत 1,142 डॉलर तक गिर गई है जो इससे पहले 2,381 डॉलर थी। इस बीच फीफा ने न्यूजर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड स्थित मेटलाइफ स्टेडियम में 19 जुलाई को होने वाले विश्व कप फाइनल के लिए श्रेणी दो के लगभग 1,200 टिकट 7,380 डॉलर की कीमत पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं।

इंडिगो 04 अगस्त से देवघर से गुवाहाटी के लिए शुरू करेगी सीधी उड़ान

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो 04 अगस्त से देवघर और गुवाहाटी के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करेगी। एयरलाइंस ने शनिवार को बताया कि यह सेवा सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। इससे झारखंड की धर्म स्थली और पूर्वोत्तर के बीच संपर्क मजबूत होगा। यात्री एयरलाइंस के वेबसाइट, मोबाइल ऐप और प्राधिकृत ट्रेवल एजेंटों के माध्यम से टिकट बुक करा सकते हैं। देवघर में हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करने आते हैं। इंडिगो की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस सीधी उड़ान से पूर्वोत्तर और देवघर के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक आदान प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा। गुवाहाटी से देवघर की उड़ान सुबह 9.25 पर चलकर 11.20 पर पहुंचेगी।

यामल की चेतावनी, सेमीफाइनल में स्पेन से डरकर रहे फ्रांस

एजेंसी

इंगलवुड (अमेरिका)। स्पेन के युवा स्ट्राइकर लामिन यामल ने फ्रांस के खिलाफ मंगलवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल से पहले शाब्दिक जंग शुरू करते हुए अपने कट्टर प्रतिद्वंदी से कहा है कि वह उनकी टीम से डरकर रहे। स्पेन ने शुक्रवार को बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। यामल ने मैच के बाद कहा, ''मेरा मानना है कि अगर फ्रांस को किसी से डरना चाहिए, तो वह हमारी टीम होनी चाहिए। हमने पहले भी उन्हें बड़ी प्रतियोगिताओं में बाहर का रास्ता दिखाया है। स्पेन ने 2024 यूरोपीय चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांस को हराया था। उसने पिछले साल नेशंस लीग में भी उसे पराजित किया था। यामल तब इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। बेल्जियम के खिलाफ मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए यामल ने कहा, ''हम किसी से नहीं डरते। यह स्पष्ट है कि यह मुकाबला दो दिग्गज टीमों के बीच होगा। मेरे लिए उनकी सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। देखते हैं आगे क्या होता है। स्पेन और फ्रांस ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है। स्पेन ने अभी तक केवल एक गोल खाया है जबकि फ्रांस ने अपने छह विश्व कप मैचों में 16 गोल दागे हैं। फ्रांस पिछले दो विश्व कप फाइनल में पहुंचा है और 2018 में उसने खिताब जीता था। स्पेन केवल एक बार 2010 में विश्व कप फाइनल में पहुंचा है जब वह चैंपियन बना था। स्पेन हालांकि मार्च 2023 से लगातार 37 प्रतिस्पर्धी मैचों में अजेय रहा है।

मैं चाहता हूं कि कोई गोलकीपर 'गोल्डन बॉल' जीते: सुब्रत पॉल

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सुब्रत पॉल का मानना है कि अमेरिका में चल रहा फीफा विश्व कप लियोनेल मेस्सी, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हालैंड और हैरी केन जैसे स्ट्राइकर के लिए ही नहीं, बल्कि गोलकीपरों के असाधारण प्रदर्शन के लिए भी याद किया जाएगा। भारत की तरफ से 84 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पॉल का मानना है कि फीफा विश्व कप के अंतिम चरण तक पहुंचने वाली टीमों की सफलता का श्रेय काफी हद तक उनके गोलकीपरों को जाता है। उन्होंने कहा, ''यह विश्व कप पूरी तरह से गोलकीपरों का है। मुझे लगता है कि गोलकीपर मैच जीतने, क्लीन शीट (मैच में एक भी गोल नहीं खाना) हासिल करने और स्कोर बराबर रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मैं यही चाहता हूं कि कोई गोलकीपर 'गोल्डन ग्लब्स' के साथ 'गोल्डन बॉल' भी जीते। फीफा टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार से सम्मानित करता है, जबकि 'गोल्डन ग्लब्स' पुरस्कार उस गोलकीपर को दिया जाता है जिसने पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो। पॉल ने कहा, ''इस विश्व कप में हर कोई गोलकीपर की चर्चा कर रहा है। उन्होंने कई अहम बचाव किए हैं। अच्छा प्रदर्शन करने वाली सभी टीमें फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, अर्जेंटीना सभी के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। फुटबॉल में एक कहावत है, 'मैच स्ट्राइकर जीतता है, लेकिन चैंपियनशिप गोलकीपर जीतता है। जब उनसे पूछा गया कि विश्व कप में किस गोलकीपर ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, उन्होंने कहा, ''(स्पेन के) उनाई सिमोन ने लगातार सबसे ज्यादा मैच बिना गोल खाए खेलने का रिकॉर्ड बनाया। अर्जेंटीना के (एमिलियानो) मार्टिनेज और बेल्जियम के थिबाउट कर्टोइस ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। पुर्तगाल के डियोगो कोस्टा और केप वर्दे के वोजिन्हा ने भी प्रभावित किया है।

एफएसएसएआई ने स्विगी इंस्टामार्ट को खराब खाद्य उत्पादों की आपूर्ति पर नौ नोटिस भेजे

नयी दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने शनिवार को कहा कि उसने त्वरित आपूर्ति मंच स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं। यह कार्रवाई मंच के जरिए सड़े-गले और उपयोग अवधि समाप्त हो चुके खाद्य उत्पादों की आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों पर की गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत उल्लंघन की शिकायतें मिलने के बाद स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं। खाद्य नियामक ने कहा कि उपभोक्ताओं ने स्विगी इंस्टामार्ट के माध्यम से उपयोग अवधि समाप्त हो चुके (एक्सपायर), खराब, दूषित और अन्य असुरक्षित खाद्य उत्पादों की आपूर्ति की शिकायतें की हैं। एफएसएसएआई ने मंच को विस्तृत स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं करने पर उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। स्विगी इंस्टामार्ट, ऑनलाइन खाद्य आपूर्ति कंपनी स्विगी का त्वरित आपूर्ति मंच है। एफएसएसएआई ने शिकायतों का ब्योरा देते हुए कहा, 'एक शिशु खाद्य उत्पाद के अत्यधिक खराब और असुरक्षित स्थिति में पाए जाने की शिकायत मिली थी। इसके दूषित होने और अनुचित भंडारण एवं रखरखाव के संकेत मिले थे। उस उत्पाद को लौटाए जाने के बाद भी कथित तौर पर ग्राहक के पास दोबारा भेज दिया गया। शिकायतों में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्विगी इंस्टामार्ट के जरिए खराब अंडे और दूध के साथ क्षतिग्रस्त डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की भी आपूर्ति की गई। एफएसएसएआई के मुताबिक, जांच में यह भी पाया गया कि कुछ मामलों में एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर गलत, अमान्य या मौजूद ही नहीं थे। इसके अलावा, खाद्य व्यवसायों को कथित तौर पर उन नामों से अलग नामों के तहत सूचीबद्ध किया गया था जो उनके एफएसएसएआई पंजीकरण में दर्ज हैं।

'एआई एज़ ए सर्विस' की ओर बढ़े देश का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग: वैष्णव

एजेंसी

हैदराबाद। रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के आईटी उद्योग से समस्याओं के बेहतर समाधान निकालने और आईटी उद्योग को 'सॉफ्टवेयर एज़ ए सर्विस' (एसएएस) से अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में 'एआई एज़ ए सर्विस' की ओर बढ़ने का आह्वान किया है। श्री वैष्णव ने शनिवार को यहां बौद्धिक लोगों के एक सम्मेलन में कहा कि भारत के आईटी उद्योग ने दुनिया के लिए आईटी सेवा समाधान दे कर अपनी पहचान और भरोसा बनाया है। इस क्षेत्र को अब और अच्छे समाधान खोजने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि पहले साफ्टवेयर को समाधान के रूप में (सॉफ्टवेयर एज़ ए सर्विस) प्रस्तुत किया जाता था लेकिन अब एआई के जरिए समाधान निकाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ॢभारत के आईटी उद्योग को 'सॉफ्टवेयर एज़ ए सर्विस' से 'एआई एज़ ए सर्विस' की ओर बढ़ना होगा। हमारी सबसे बड़ी ताकत वह भरोसा है जो हमने दुनिया भर में समाधान देकर बनाया है। एआई भारत के लिए अगला बड़ा मौका है।ॣ उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के कार्यक्रम के तहत सौ से ज़्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन दिया है, जिससे तेलंगाना राज्य को भी बहुत फ़ायदा हुआ है। अपने संबोधन में उन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में नयी-नयी रेल परियोजनाओं की मंजूरी का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद को तीन उच्च गति (बुलेट) ट्रेन गलियारे दिये हैं, जो इस शहर की तस्वीर बदलेंगे। उन्होंने कहा कि पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से चेन्नई और हैदराबाद से बेंगलुरु के बीच विकसित किये जोने वाले उच्च गति के रेल गलियारे पूरे इलाके के लिए 'गेम-चेंजर' साबित होंगे। इसमें हैदराबाद उच्च गति ट्रेन का एक केंद्र बन जाएगा और इलाके का बड़ा विकास होगा। उन्होंने कहा कि उच्च गति रेल गलियारे के शुरू हो जाने के बाद यात्रा के समय में काफी कमी आएगी। हैदराबाद से अमरावती में लगभग 70 मिनट, हैदराबाद से चेन्नई में करीब तीन घंटे, हैदराबाद से बेंगलुरु में लगभग दो घंटे 35 मिनट, हैदराबाद से पुणे में करीब दो घंटे और हैदराबाद से मुंबई में लगभग दो घंटे 50 मिनट लगेंगे। श्री वैष्णव ने कहा , ॢप्रधानमंत्री श्री मोदी ने तेलंगाना में रेल नेटवर्क के विकास के लिए 5,400 करोड़ रुपये का बजट दिया है। इससे राज्य में बहुत बड़ा बदलाव आ रहा है।

पुस्तकालयों की भीड़ तय करती है देश का भविष्य : शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में लोकनायक जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया और कहा कि किसी देश के भविष्य का आकलन उसकी आर्थिक प्रगति से अधिक इस बात से किया जा सकता है कि उसके पुस्तकालय कितने आबाद हैं और वहां कितने युवा पढ़ने आते हैं।

शाह ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''यदि किसी देश के भविष्य का आकलन करना हो तो यह उसकी कृषि समृद्धि, बाजारों की चहल-पहल या उद्योगों की संख्या देखकर नहीं किया जा सकता। इसका आकलन इस आधार पर किया जा सकता है कि उसके पुस्तकालय कितने भरे रहते हैं और वहां युवा आते हैं या नहीं।'' उन्होंने कहा कि ज्ञान और विवेक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं तथा पुस्तकालय दोनों के संवर्धन में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। शाह ने कहा, ''जो गतिविधियां किसी राष्ट्र को आगे बढ़ाती हैं और उसे समृद्ध बनाती हैं, उनकी जड़ें ज्ञान और विवेक में होती हैं। और यह ज्ञान केवल पुस्तकालयों से ही प्राप्त होता है।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने पुस्तकालय प्रशासन से आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों से संपर्क स्थापित करने का आग्रह करते हुए कहा कि युवाओं में पढ़ने की आदत को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''मैं यहां के पुस्तकालय कर्मचारियों से आग्रह करता हूं कि आसपास के 10 विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों से संपर्क करें। युवाओं को एक बार यहां लेकर आइए। इसके बाद किताबें अपना काम स्वयं कर देंगी। जब किसी युवा में पढ़ने की आदत विकसित हो जाती है तो वह स्वयं सही और गलत में अंतर करना सीख जाता है। शाह ने कहा कि पुस्तकालय

में लगभग 32,000 पुस्तकों और एक करोड़ ई-पुस्तकों तक पहुंच की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिल्ली सरकार शहर के सभी पुस्तकालयों को एक-दूसरे से जोड़ेगी और उन्हें स्कूलों के साथ भी संबद्ध करेगी। उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर पुस्तकालय का नाम रखने के लिए एनडीएमसी की सराहना भी की। शाह ने कहा, ''जयप्रकाश नारायण ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अपने जीवन में अनेक विचारधाराओं को अपनाया, लेकिन जिस भी विचारधारा के साथ उन्होंने काम किया, उसमें उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयास किया। स्वतंत्रता संग्राम में जयप्रकाश नारायण की भूमिका का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना हजारीबाग जेल से भागकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन में फिर से हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सार्वजनिक पुस्तकालय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगा। गुप्ता ने कहा, ''मेरा मानना है कि इस पुस्तकालय का उद्घाटन दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार है। यह युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर बनेगा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को यहां पढ़ाई करने का वह वातावरण मिलेगा जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान राजधानी में नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिल्ली के लोगों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता था, वे धीरे-धीरे समाप्त हो रही हैं। दिल्ली एक विकसित शहर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस बार जल निकासी की व्यवस्था पहले से कहीं बेहतर है और जलभराव की घटनाएं बहुत कम हुई हैं। इसका बड़ा श्रेय लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और पूरी सरकार को जाता है, जो मिलकर काम कर रही है। एनडीएमसी के अनुसार, मंदिर मार्ग स्थित इस पुस्तकालय को आधुनिक सार्वजनिक अध्ययन एवं पठन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां एक समय में 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। नागरिक निकाय ने बताया कि पुस्तकालय में 30,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्थिति स्पष्ट करें मोदी : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के कारण करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात पहुंचा है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेस कांफ्रेंस कर इस मामले में देश के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव तथा प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनिल भारद्वाज ने शनिवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई के बजाय लीपापोती की जा रही है। उनका कहना था कि सामान्यतः ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज होती है लेकिन यहां सीधे एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी गठित होने से पहले ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही उन्हें जांच के दायरे में लाया गया जबकि कार्रवाई केवल निचले स्तर के लोगों तक सीमित रखी गई है। पार्टी नेताओं ने राम मंदिर ट्रस्ट पर अनाप शनाप खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मनमाने तरीके से छोटे छोटे कार्यक्रमों पर पैसा खर्च किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 22 जनवरी 2024 के कार्यक्रम पर 113 करोड़ रुपये और एक अन्य कार्यक्रम पर 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च दिखाया गया है। उनका कहना था कि राम भक्तों के दान का दुरुपयोग किया गया है, जिससे ट्रस्ट की साख और करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास को ठेस पहुंची है। उन्होंने पूरे मामले की व्यापक एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वक्ता बहुत अच्छे हैं लेकिन वह उसी मामले में बोलते हैं जो वह चाहते हैं। उनका कहना था कि चढ़ावा चोरी का मामला बहुत गंभीर है लेकिन आश्चर्य की बात है कि श्री मोदी ने अब तक इस मामले पर एक शब्द भी नहीं कहा।

एआई के युग में आ रहे बदलाव का फायदा उठाएं आईटी उद्योग : वैष्णव

एजेंसी

हैदराबाद। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'विकसित भारत 2047' में तकनीक की भूमिका को अहम बताते हुए कृत्रितम बुद्धिमता (एआई) के युग में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग से बदलते माहौल के हिसाब से पाठ्यक्रम में बदलाव करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों की मदद करने का आह्वान किया।

तेलंगाना के एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे श्री वैष्णव ने शनिवार को हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसआईसीसी) में 'विकसित भारत 2047' बनाने में तकनीक की भूमिका पर आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान आईटी उद्योग से जुड़े लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक तेज़ी से बदल रही है और एआई वैश्विक आईटी उद्योग को बदल रहा है। उन्होंने कहा कि इन बदलावों के लिए लगातार सीखने, नवाचार और नयी स्थितियों के अनुसार ढलने की ज़रूरत है। उन्होंने आईटी उद्योग से आग्रह किया कि वे अगली पीढ़ी के तकनकी समाधान विकसित करके और वैश्विक तकनीक का नेतृत्वकर्ता के तौर पर भारत की स्थिति को मज़बूत करके इस मौके का पूरा फ़ायदा उठाएं। इस दौरान उन्होंने आईटी उद्योग से जुड़े लोगों को आश्वासन दिया कि देश की कंप्यूटर क्षमता बढ़ाई जाएगी क्योंकि यह समय की ज़रूरत है। केंद्रीय मंत्री ने आईटी उद्योग के नेताओं से आग्रह किया कि वे शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी करें और उद्योग की ज़रूरतों के हिसाब से उनके पाठ्यक्रम को अपडेट करने में मदद करें। उन्होंने गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) का उदाहरण देते हुए कहा कि एयरबस के साथ मिलकर जीएसवी अपने पाठ्यक्रम को उद्योग की ज़रूरतों के अनुसार बनाया और अब एयरबस वहाँ से इंजीनियरों को नौकरी पर रख रही है। इस दौरान आईटी उद्योग से जुड़े लोगों ने भारतीय शिक्षण संस्थानों में सेक्टर-स्पेसिफिक डेटा ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया। इस सुझाव का स्वागत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि उद्योगों के साथ मिलकर यहां स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद में एक पायलट प्रोजेक्ट (शुरुआती परियोजना) शुरू किया जा सकता है। इस पहल के तहत, डेटा ट्रस्ट खास सेक्टर के लिए भारतीय डेटासेट को सुरक्षित रूप से होस्ट करेंगे। इसके लिए उचित इस्तेमाल की नीतियां बनाई जाएंगी ताकि स्टार्टअप, अनुसंधानकर्ता और कंपनियां ज़िम्मेदारी से डेटा का इस्तेमाल कर सकें।

ब्रिक्स देशों को भविष्य के अनुकूल परिवहन व्यवस्था के लिए मिलकर करना होगा काम : गडकरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रिक्स समूह में टिकाऊ, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए परस्पर सहयोग बढ़ाने की ज़रूरत पर बल देते हुए सभी देशों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

श्री गडकरी ने नागपुर ब्रिक्स देशों के परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक का उद्घाटन करते हुए शनिवार को कहा कि बैठक में विचार के लिए परिवहन व्यवस्था का जो एजेंडा तैयार किया है ,वह महत्वपूर्ण है क्योंकि बदलती अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिवहन भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती पर समूह के सभी देशों का मिलकर ध्यान देना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन क्षेत्र में सहयोग से काम करने की जरूरत है क्योंकि ब्रिक्स देशों में अर्थव्यवस्थाएं तेजी से बदल रही

हैं और बदलती अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस समूह में नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के जरिए पूरी वैश्विक परिवहन व्यवस्था की दिशा तय करने की क्षमता है। नागपुर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' है, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना और 'मानवीयता प्रथम'' दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स देश स्वच्छ, सुरक्षित, स्मार्ट और दक्ष परिवहन प्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है तथा एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे और मल्टीमॉडल संपर्क का तेजी से विस्तार किया है। दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा, सोनमर्ग सुरंग और 10 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं आधुनिक अवसंरचना, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। रेलवे, समुद्री और विमानन क्षेत्रों में भी व्यापक आधुनिकीकरण हुआ है। उन्होंने ब्रॉडगेज नेटवर्क के लगभग पूर्ण विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना, मैरीटाइम अमृत काल विजन-2047, ग्रीन शिपिंग पहल और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से मल्टीमॉडल संपर्क और लॉजिस्टिक्स क्षमता को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता भारत की परिवहन नीति के प्रमुख आधार हैं।

नीति आयोग ने शांति अधिनियम के कार्यान्वयन पर आयोजित की परामर्श बैठक

नयी दिल्ली। नीति आयोग ने अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ शुक्रवार को शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन पर एक परामर्श बैठक का आयोजन किया। दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित इस बैठक में सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं प्रमुखों तथा नीति निर्माताओं ने अधिनियम के परिचालन तंत्र पर विचार-विमर्श किया। परामर्श बैठक की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर अभय करंदीकर (सदस्य, नीति आयोग) ने की। बैठक में एमओपी के सचिव पंकज अग्रवाल, सीईए के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह, नीति आयोग में कार्यक्रम निदेशक अंशु भारद्वाज और नीति आयोग के सलाहकार राजनाथ राम भी मौजूद थे। तकनीकी चर्चाएं अधिनियम के सफल कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण तीन मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित थीं – विधायी एवं नियामक ढांचा, वित्त, बीमा और जनधारणा, तथा विनिर्माण, संचालन एवं क्षमता विकास। बैठक में शांति अधिनियम, 2025 के तहत संवैधानिक अनुपालन तंत्रों को प्रस्तुत किया गया और इस बात पर चर्चा की गयी कि घरेलू हितों की रक्षा करते हुए विदेशी पूंजी को कैसे आकर्षित किया जा सकता है। बैठक के दूसरे भाग में हितधारकों ने अधिनियम के कार्यान्वयन में सहयोग हेतु आवश्यक वित्तीय तंत्रों और जोखिम-निवारण ढांचों की समीक्षा की। चर्चा में दीर्घकालिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्थाओं के साथ-साथ परमाणु ऊर्ज़ा परियोजनाओं के प्रति जन जागरूकता, सामुदायिक विश्वास और व्यापक स्वीकृति को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्य ध्यान परिचालन चरण पर था जिसमें घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने परिचालन की तैयारी सुनिश्चित करने और व्यवस्था को बनाए रखने के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने पर बल दिया गया। हितधारकों ने सभी तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विविध विचार प्रस्तुत किए जो शांति अधिनियम, 2025 के कार्यान्वयन तंत्र को मजबूत करने में उपयोगी होंगे।

केंद्रीय ऋण सहायता योजना से सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हुआ है निवेश : चिराग पासवान

नयी दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण (पीएम एफएमई) योजना के अंतर्गत दो लाख से अधिक सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों में 20,300 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को प्रोत्साहन मिला है और उद्यमों ने रोजगार सृजन के मामले में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। श्री पासवान ने इस योजना की सफलता को उजागर करने के लिए राजधानी में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा, ' दो लाख से अधिक ऋण स्वीकृतियों के साथ इस योजना के माध्यम से 20,300 करोड़ रुपये से अधिक के परियोजना निवेश को प्रोत्साहन मिला है।'' उन्होंने कहा कि योजना के लगभग 90 प्रतिशत लाभार्थी प्रथम पीढ़ी के उद्यमी हैं तथा 44 प्रतिशत महिलाएं हैं। वहीं, 75,000 से अधिक पीएम एफएमई समर्थित उद्यम आधार, उद्यम सहायता, एफएसएसएआई तथा जीएसटी जैसे पंजीकरणों के माध्यम से औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने हैं। इस योजना से लगभग 11 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। श्री पासवान ने कहा कि दो लाख लाभार्थियों का आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि सरकार की परिकल्पना पूरे देश में ठोस परिणामों में बदल रही है।

पेज एक का शेष

लखनऊ-कानपुर...

शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वह शाम 4:30 बजे से 5:45 बजे तक सैनिक स्कूल परिसर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। सभी निर्धारित कार्यक्रमों के समापन के बाद रक्षा मंत्री शाम छह बजे लखनऊ एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

अत्याधुनिक स्वदेशी...

आईएनएस महेंद्रगिरि का शामिल होना स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे नौसेना की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए के तहत शुभारंभ से डिलीवरी तक का समय 63 महीने से घटाकर 31 महीने और कुल निर्माण अवधि 95 महीने से घटाकर 75 महीने कर दी गयी है, जबकि सभी तकनीकी परीक्षण केवल एक समुद्री परीक्षण में पूरे किये गये। करीब 6,670 टन वजन और 28 समुद्री मील प्रति घंटा की अधिकतम गति वाला आईएनएस महेंद्रगिरि फ्लीट एयर डिफेंस, सतह-रोधी युद्ध, पनडुब्बी-रोधी युद्ध, समुद्री अवरोधन, निगरानी तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। यह युद्धपोत उन्नत स्टील्थ क्षमताओं, आधुनिक सेंसर, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणालियों, अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों से लैस है और इसमें सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल भी लगायी जा सकती है। पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वतमाला के नाम पर रखे गये इस फ्रिगेट के निर्माण में 200 से अधिक भारतीय उद्योगों, जिनमें अनेक एमएसएमई शामिल हैं, का योगदान रहा है। पूर्वी बेड़े में शामिल होने के बाद यह भारतीय नौसेना की समुद्री युद्ध क्षमता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी परिचालन पहुंच को और मजबूत करेगा।

भारत दुनिया...

सराहना की और कहा कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयास के माध्यम से कीवी भारतीय समुदाय न्यूज़ीलैंड के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक सशक्त शक्ति के रूप में उभरा है। प्रधानमंत्री ने अपनी संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं को संरक्षित रखने तथा साथ ही न्यूज़ीलैंड की बहुसांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाने के लिए समुदाय की प्रशंसा की। उन्होंने विशेष रूप से समुदाय की सेवा भावना की सराहना करते हुए स्वयंसेवा, परोपकारी दान और सामुदायिक कल्याण में उसके उत्कृष्ट योगदान का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा कि यह सभा भले ही भारतीय प्रवासी समुदाय की थी, लेकिन वास्तव में यह भारत-न्यूज़ीलैंड मित्रता, खेल संबंधों और उनकी आर्थिक साझेदारी का उत्सव थी। उन्होंने कहा कि 2026 खेल सहयोग के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है और दोनों देश अपने खेल संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के इच्छुक हैं। स्थानीय माओरी संस्कृति के समावेशी और सतत दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत भी विकास के ऐसे मार्ग पर अग्रसर है जो विरासत और विकास का समन्वय करता है। प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय से भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच मित्रता, विश्वास और सहयोग का सेतु बने रहने का आग्रह किया, ताकि दोनों देशों के लाभ के लिए रणनीतिक साझेदारी की पूर्ण क्षमता को साकार किया जा सके।

भारत न्यूजीलैंड ने रक्षा, व्यापार...

सहयोग के तहत दोनों देशों ने 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 35000 करोड रुपए तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में आगे बढ़ने और सीमा शुल्क सहयोग के माध्यम से व्यापार को आसान बनाने पर सहमति बनी। बागवानी, वानिकी, पशुपालन, डेयरी और पर्यटन क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा तथा सीधी हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा। रोडमैप में प्रवासी भारतीय समुदाय की भागीदारी, खेल सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा, समुद्री क्षेत्र और सांस्कृतिक साझेदारी के माध्यम से लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर जोर दिया गया है। दोनों देश स्थानीय सरकारों और सांस्कृतिक संस्थानों के बीच सहयोग को भी प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दोनों देशों ने संस्थागत साझेदारी बढ़ाने, कृषि, जलवायु कार्रवाई, डिजिटल परिवर्तन और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग करने तथा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा सहयोग मजबूत करने का फैसला किया। दोनों देश आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाएंगे, जिसमें भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के बीच सहयोग व्यवस्था को लागू करना शामिल है। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत और न्यूजीलैंड ने आसियान आधारित मंचों पर सहयोग, नियम आधारित हिंद-प्रशांत व्यवस्था को समर्थन, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, संयुक्त राष्ट्र में सहयोग बढ़ाने और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी के समर्थन सहित संयुक्त राष्ट्र सुधारों को आगे बढ़ाने पर सहमति जतायी। दोनों सरकारों ने स्पष्ट किया कि रोडमैप 2030 में कोई वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है और यह घरेलू या अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कानूनी रूप से बाध्यकारी अधिकार या दायित्व पैदा नहीं करता।

वियतनाम में नाव...

विवरण नहीं दिया है। दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''एक दुखद घटना में, वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गयी। उसने कहा कि जानकारी और मदद मुहैया कराने के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारत के वाणिज्य दूतावास और हनोई स्थित भारतीय दूतावास में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गये हैं।

देश में सभी...

बताया कि मंत्रालय ऐसे साझा मानक तैयार करने पर काम कर रहा है, जिनके लिए स्पष्ट कानूनी आधार हो। सरकार का कहना है कि ऐसा नहीं हो सकता कि एक प्लेटफॉर्म को किसी फीचर पर रोक दिया जाए, जबकि दूसरे प्लेटफॉर्म उसी सुविधा को जारी रखें। अंतिम फैसला लेने से पहले सभी मैसेजिंग कंपनियों से चर्चा की जाएगी। इस बीच, व्हाट्सऐप और टेलीग्राम ने मंत्रालय के नोटिस का जवाब देते हुए अपने यूजरनेम फीचर में मौजूद सुरक्षा उपायों की जानकारी दी है। हालांकि सरकार इन जवाबों की समीक्षा कर रही है। वहीं 'सिग्नल' ने अभी तक नोटिस का जवाब नहीं दिया है। उधर, जोहो के संस्थापक श्रीधर वेंबू ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी मैसेजिंग ऐप अरट्टई नियामकीय बदलावों का पालन करने के लिए यूजरनेम आधारित अकाउंट फीचर को बंद करेगी। फिलहाल व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, सिग्नल और अरट्टई सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और आईटी नियम, 2021 के तहत मध्यस्थ (इंटरमीडियरी) के रूप में काम करते हैं। मौजूदा कानूनों में यह स्पष्ट नहीं है कि मैसेजिंग प्लेटफॉर्म कौन-से फीचर दे सकते हैं या नहीं। इसी कानूनी कमी को दूर करने के लिए सरकार समान नियम बनाने पर विचार कर रही है। हालांकि, डिजिटल अधिकारों से जुड़े विशेषज्ञों और कुछ कानूनी जानकारों ने इस पहल पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मौजूदा आईटी कानून मंत्रालय को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के डिजाइन और फीचर्स को नियंत्रित करने का स्पष्ट अधिकार नहीं देता।

अनिल अंबानी ग्रुप...

निरोधक कानून के तहत दर्ज चार प्राथमिकी और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फ़ेमा) के प्रावधानों के तहत दर्ज तीन मामले शामिल हैं। इस नए आदेश के साथ, इस मामले में कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 20,367 करोड़ रुपये हो गया है। ईडी ने अब तक चार आरोपपत्र दाखिल किए हैं और आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, ईडी के मुताबिक फ़ेमा के तहत 77.86 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

मेरी हत्या हुई...

अमल करती है, तो तुरंत हज़ारों और मिसाइलें दागी जाएंगी।'' उन्होंने आगे चेतावनी दी कि अगर उनकी जान लेने की कोई भी कोशिश की गई, तो अमेरिका ईरान के सभी इलाकों को पूरी तरह तबाह और बर्बाद करने के लिए ''तैयार और सक्षम'' है और यह कार्रवाई एक साल तक चलेगी, जिसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। श्री ट्रंप ने अपनी पोस्ट के आखिर में यह भी लिखा कि अमेरिकी सेना ''ईरान के सभी इलाकों को पूरी तरह तबाह और बर्बाद कर देगी ईरान के साथ तनाव और उसके बाद हुए युद्धविराम के दौरान श्री ट्रंप ने तेहरान के ख़िलाफ़ कड़ी सैन्य कार्रवाई की धमकी देते हुए कई बार अपने सार्वजनिक बयानों में ईश्वर के लिए अरबी शब्द का इस्तेमाल किया है। तुर्की से निकलने से पहले श्री ट्रंप ने माना कि उन्हें लगता है कि वे अभी भी निशाने पर हैं। हाल ही में इज़रायली खुफिया विभाग ने ट्रंप प्रशासन के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या की कथित ईरानी धमकियों के बारे में जानकारी साझा की। हालांकि, खुफिया जानकारी के आकलन से वाकिफ दो अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हत्या की किसी नई या आसन्न साजिश का कोई सबूत नहीं मिला। इसके बजाय इन आकलनों में अलग-अलग ईरानी लोगों के बीच लगातार हो रही ऐसी बातचीत का पता चला, जिनमें श्री ट्रंप को निशाना बनाने की इच्छा जताई गई थी। सबसे पहले 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने खबर दी थी कि इज़रायल ने हत्या की कथित ईरानी साजिश के बारे में खुफिया जानकारी साझा की है। बाद में सीएनएन ने खबर दी कि हाल अमेरिकी खुफिया विभाग ने ईरानी कट्टरपंथियों के बीच लगातार शत्रुतापूर्ण बयानबाजी देखी थी, लेकिन अधिकारियों को किसी खास कार्यात्मक योजना का कोई सबूत नहीं मिला। कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि हो सकता है कि इस खुफिया जानकारी का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच मतभेदों को और बढ़ाना हो, जबकि संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत जारी है। श्री ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम प्रभावी रूप से ''समाप्त'' हो गया है, हालांकि उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनयिक वार्ता जारी रहेगी। सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा कि इन धमकियों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए। श्री ट्रंप और ईरान के बीच शत्रुता 2020 से चली आ रही है, जब उन्होंने अमेरिकी ड्रोन हमले का आदेश दिया था जिसमें ईरानी मेजर जनरल कासिम सुलेमानी मारे गए थे और जिसके बाद ईरान के नेतृत्व ने बदला लेने की कसम खाई थी।

मंदिरों के सुंदरीकरण...

उपलब्ध कराई गई है। इन सबको एक्सिडेंटल इंश्योरेंस कवर भी दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशीनगर को कनेक्टिविटी, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को जेवर व गया से जोड़ने की तैयारी चल रही है। नए विमान उपलब्ध होने के बाद यहां से हवाई सेवाओं का विस्तार होगा। खड्डा क्षेत्र में नारायणी नदी पर लगभग 800 करोड़ रुपये की लागत से नए सेतु का निर्माण कराया गया है, जबकि रामकोला-कसया मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव भी जल्द मंजूर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को बेहतर अवसर देने के लिए कुशीनगर में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है, जहां इसी शैक्षणिक सत्र से प्रवेश शुरू होंगे। केला उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए टिश्यू कल्चर लैब की आधारशिला रखी गई है। निवेश और रोजगार अब केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि पूर्वांचल के कुशीनगर और गोरखपुर जैसे क्षेत्रों में भी ये तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मंदिरों के सुंदरीकरण व पुनरुद्धार का कार्य कराया जा रहा है। कुशीनगर में रामाभार स्तूप के निकट बौद्ध घाट तथा हिरण्यवती नदी के किनारे पर्यटक सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। कार्यक्रम में सीएम ने दो वरिष्ठ कार्यकर्ताओं 110 वर्षीय राम विलास भगत व 104 वर्षीय राम प्रसाद साहनी को सम्मानित करते हुए कहा कि इन लोगों ने एक विचारधारा, मूल्यों और सिद्धांतों के साथ जुड़े रहकर अपना पूरा जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने दो बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया और कहा कि डबल इंजन सरकार ने इनके भविष्य को सुरक्षित किया है। आज बचपन सुरक्षित होगा तो कल देश का भविष्य भी सुरक्षित होगा।

लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर : मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला हैं। लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की क्षमता, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। विधायकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें अपने संवैधानिक दायित्वों और जनहित से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को गयाजी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता ने विधायकों को विश्वास और अपेक्षाओं के साथ विधानसभा भेजा है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं, जनता की आकांक्षाओं और विकास से जुड़े मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यात्मक जानकारी और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सदन में उठाएं। सम्राट चौधरी ने विधायकों से विधानसभा की कार्यप्रणाली, नियमों और संसदीय परंपराओं का गंभीरता से अध्ययन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की रचनात्मक भूमिका जरूरी है। स्वस्थ संवाद, सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना से ही सदन की गरिमा बढ़ती है और राज्य के विकास को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने विधायकों से विधानसभा सत्र के दौरान सदन में अधिक समय देने और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी के साथ निभानी होगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक विधायक और जनप्रतिनिधि का भी कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यप्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित नई तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से विधायी कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से बस स्टैंड, टाउनशिप और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को गति दे रही है, जिससे बिहार के विकास को नई दिशा मिलेगी।

पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान तेज, 16 दिनों में एक करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलीकरण का कार्य तेज़ी से जारी है। 25 जून से शुरू हुए इस अभियान के महज 16 दिनों में एक करोड़ से अधिक गणना प्रपत्रों का सफलतापूर्वक डिजिटलीकरण किया जा चुका है। राज्य में 99.34 प्रतिशत घरों तक गणना प्रपत्रों का वितरण भी पूरा हो चुका है। पंजाब की मुख्य चुनाव अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने शनिवार को बताया कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार रखने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए गणना प्रपत्रों का संग्रहण और उनका डिजिटलीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बी.एल.ओ.), पर्यवेक्षकों, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ए.ई.आर.ओ.) तथा निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ई.आर.ओ.) के निरंतर प्रयासों की विशेष सराहना की, जिनके सहयोग से राज्य के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों तथा 24,453 मतदान केंद्रों पर गणना प्रपत्रों का समयबद्ध वितरण, संग्रहण और डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को और गति देने तथा जनसहभागिता को अधिकतम बढ़ावा देने के उद्देश्य से 11 एवं 12 जुलाई, 2026 को पंजाब के सभी मतदान केंद्रों पर प्रातः 8:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक दो दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के दौरान शेष गणना प्रपत्र भरे जाएंगे, एकत्र किए जाएंगे और उनका डिजिटलीकरण किया जाएगा। साथ ही मतदाता सूची की त्रुटियों एवं लिंकिंग संबंधी विसंगतियों को दूर किया जाएगा तथा नागरिकों को अपने मतदाता विवरणों के सत्यापन एवं अद्यतन कराने में सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि इस विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत 24,453 बी.एल.ओ. 25 जून से 24 जुलाई, 2026 के दौरान पूरे पंजाब में 2,14,61,043 मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मतदान केंद्रों का युक्तिकरण (रैशनलाइजेशन) 24 जुलाई, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 3 अगस्त, 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे एवं आपत्तियां 3 अगस्त से 2 सितंबर, 2026 तक प्रस्तुत की जा सकेंगी, जबकि उनका निपटारा 3 अगस्त से 28 सितंबर, 2026 के बीच किया जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। अनिंदिता मित्रा ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे इन विशेष शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनके मतदाता संबंधी सभी विवरण पूर्ण, सही एवं अद्यतन हों, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारी तेज

भागलपुर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रस्तावित भागलपुर दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिले के गोराडीह थाना क्षेत्र स्थित कार्यक्रम स्थल का नगर पुलिस अधीक्षक अतुल कुमार झा ने शनिवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, वीआईपी मूवमेंट, प्रवेश एवं निकास मार्ग समेत अन्य आवश्यक तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया गया। इस अवसर पर मौजूद पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को कार्यक्रम के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी तैयारियों को समयबद्ध, प्रभावी और त्रुटिरहित तरीके से पूरा करने का निर्देश भी दिया गया। पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने की बात कही है। वहीं भागलपुर गोराडीह सड़क मार्ग पर जगह जगह हुए गड्ढे की भराई का काम भी शुरू हो गया है। लोगों का कहना है, कि बीते एक माह से सड़क खराब है। लेकिन इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर सड़क को ठीक किया जा रहा है।

आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर रुकेंगी दो प्रमुख ट्रेनें

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुरोध को स्वीकार करते हुए आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर दो महत्वपूर्ण ट्रेनों (दिल्ली-कालका एक्सप्रेस और दिल्ली-दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस) के ठहराव को मंजूरी दी है। यह जानकारी शनिवार को दिल्ली सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में दी गई है। विज्ञप्ति के मुताबिक, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र भेजकर बताया कि उनके द्वारा भेजे गए अनुरोध पत्र स्वीकार लिया गया है। गाड़ी संख्या 14331 दिल्ली-कालका एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 14053 दिल्ली-दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस अब आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर भी रुकेंगी। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार नागरिकों की दैनिक जरूरतों और जनसुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर इन दोनों ट्रेनों के ठहराव से उत्तर व पश्चिम दिल्ली के निवासियों का समय बचेगा और उन्हें नई दिल्ली या पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तक जाने की अतिरिक्त परेशानी से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-कालका एक्सप्रेस के आदर्श नगर में ठहरने से कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़ और कालका की यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही हिमाचल प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाले पर्यटकों के लिए भी यह सुविधा अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इसी प्रकार दिल्ली-दौलतपुर चौक हिमाचल एक्सप्रेस के ठहराव से कुरुक्षेत्र, फतेहगढ़ साहिब, आनंदपुर साहिब तथा हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से श्री फतेहगढ़ साहिब और श्री आनंदपुर साहिब जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की यात्रा अब उत्तर और पश्चिम दिल्ली के लोगों के लिए पहले की तुलना में अधिक सरल और सुगम हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आदर्श नगर रेलवे स्टेशन पर इन दोनों ट्रेनों के ठहराव की स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

दो घंटे में सुलझी हत्या की गुत्थी, पांच नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के अशोक विहार इलाके में 34 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो घंटे के भीतर वारदात का खुलासा करते हुए पांच नाबालिगों को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या के पीछे की वजह क्या थी और वारदात की साजिश कैसे रची गई। पुलिस के अनुसार, नौ जुलाई को अशोक विहार थाना पुलिस को पीसीआर के माध्यम से सूचना मिली कि प्रेमबाड़ी पुल से केशवपुरम की ओर जाने वाले मार्ग पर एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। वहां युवक के सीने, पेट और हाथ-पैर पर चाकू के कई गहरे घाव मिले। उसकी हालत बेहद गंभीर थी। पुलिस तत्काल उसे दीपचंद बंधु अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान उद्यम सिंह पार्क, डब्ल्यूपीआईए निवासी बंसी लाल के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (बीजेआरएम) अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया और स्वजन को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर पुलिस को कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला। इसके बावजूद जांच टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई और तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। प्रारंभिक जांच में हत्या की पुष्टि होने पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। उत्तर पश्चिमी जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने शनिवार को बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल सभी पांच नाबालिग की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के पीछे की असली वजह, आपसी रंजिश, विवाद या अन्य किसी कारण की गहन जांच की जा रही है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब ड्रोन की निगरानी में सीवान जंक्शन, यार्ड और रेलवे ट्रैक पर आरपीएफ की 'तीसरी आंख'

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सीवान रेलवे स्टेशन, रेलवे यार्ड और संवेदनशील रेलवे ट्रैक की सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक बनाते हुए ड्रोन सर्विलांस शुरू कर दिया है। अब रेल परिसर में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, चोरी और अनधिकृत प्रवेश पर आरपीएफ की 'तीसरी आंख' यानी ड्रोन कैमरा चौबीसों घंटे पैनी नजर रखेगा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट सीवान के सहायक उप-निरीक्षक मयंक भूषण तिवारी एवं कांस्टेबल राजू यादव द्वारा ड्रोन के माध्यम से विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रेलवे यार्ड में खड़े माल वैगनों, रेलवे ट्रैक तथा संवेदनशील स्थानों की हवाई निगरानी की जा रही है।

स्थानीय निकाय चुनावों में धांधली के आरोपों को लेकर भाजपा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में नगर परिषदों, नगर निगमों और महापौर (मेयर) चुनावों के दौरान सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा कथित गुंडागर्दी और सरकारी मशीनरी के खुलेआम दुरुपयोग के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने सीधा मोर्चा खोल दिया है। आज पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा तथा राज्य में संवैधानिक मर्यादाओं की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। राज्यपाल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने 'आप' सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने स्थानीय निकाय चुनावों में राजनीतिक लाभ लेने के लिए सभी नियमों को ताक पर रख दिया। सबसे पहले वार्डों का मनमाने ढंग से परिसीमन किया गया, फिर विपक्षी उम्मीदवारों को डराया-धमकाया गया, उनके नामांकन पत्र छीनकर उन्हें चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश की गई। चुनाव प्रचार के दौरान दबाव और धमकियों का सहारा लिया गया, मतदान और मतगणना के समय प्रशासन की मिलीभगत से खुलेआम धांधलियां की गईं और अब बिना बहुमत के नगर निगमों में मेयर तथा नगर परिषदों में अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष साक्ष्यों सहित पूरा मामला रखते हुए बताया कि जहां-जहां 'आप' के पास बहुमत नहीं था, वहां अफसरशाही के माध्यम से जनता के जनादेश को पलट दिया गया। उन्होंने अबोहर नगर निगम का उदाहरण देते हुए कहा कि 50 सदस्यीय सदन में भाजपा के पास 28 पार्षदों और एक विधायक के समर्थन के साथ स्पष्ट बहुमत था, जबकि 'आप' के पास केवल 20 वोट थे। इसके बावजूद अफसरशाही ने 'आप' के महापौर की घोषणा कर दी, जिसे भाजपा के तीव्र विरोध के बाद स्थगित करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार की मनमानी और लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना राजपुरा, कपूरथला, बरनाला तथा पंजाब के अन्य हिस्सों में भी की गई, जो संवैधानिक लोकतंत्र पर गंभीर हमला है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि चुनावों के दौरान हुई संवैधानिक उल्लंघनों तथा अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए राज्य सरकार से स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच प्राधिकरण का गठन किया जाए। साथ ही अबोहर, कपूरथला, राजपुरा और बरनाला सहित प्रभावित नगरों के चुनावों से संबंधित समस्त रिकॉर्ड, वीडियोग्राफी और सरकारी दस्तावेज तत्काल तलब किए जाएं। ज्ञापन में राजनीतिक दबाव में गैरकानूनी कार्य करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई, प्रभावित क्षेत्रों में कानून के अनुसार पुनः निष्पक्ष चुनाव कराने तथा भविष्य में सिविल प्रशासन की राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार को सख्त निर्देश जारी करने की भी मांग की गई। केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव लड़े नहीं, बल्कि उन्हें लूटा है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने भाजपा प्रतिनिधिमंडल की इन गंभीर शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का पूरा भरोसा दिया। इस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों के साथ पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील जाखड़, अश्वनी शर्मा, जंगी लाल महाजन, राकेश राठौर, दयाल सिंह सोढ़ी, परमिंदर सिंह बराड़, अमनजोत कौर रामूवालिया, सुभाष शर्मा, विनीत जोशी तथा काका कंबोज भी उपस्थित थे।

महापौर ने रोहिणी में जन सुनवाई कर सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शनिवार को अपने क्षेत्रीय कार्यालय, रोहिणी में आयोजित जन सुनवाई के दौरान क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस जन सुनवाई में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे। महापौर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक मामले में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से समयबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान करने और शिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा करने को भी कहा। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना निगम की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

श्रीमहंत देवेन्द्र दास ने आखर शब्दकोश एप का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। देहरादून स्थित श्री दरबार साहिब में आयोजित एक कार्यक्रम में दरबार साहिब के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास ने ऐप आधारित त्वरित पॉकेट शब्दकोश 'आखर' का उद्घाटन किया। कर्नल (डॉ.) डी.पी. डिमरी व उनके सहयोगी टीमकर्मियों पृथवी, सरस्वती, नरेन्द्र, उर्मिला सिंह व पूरन ने यह ऐप विकसित किया है। श्रीमहंत देवेन्द्र दास ने कहा कि हिंदी, अंग्रेजी, गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी को समाहित करने वाला यह डिजिटल शब्दकोश दैनिक संवाद में प्रयुक्त शब्दों, वाक्यांशों और मुहावरों को सहज रूप से समझने तथा अपनाने में सहायक होगा। श्री गुरु राम राय पीजी कॉलेज के पूर्व छात्र कर्नल डॉ. डिमरी भारतीय सेना में सेवाएं देने के साथ भारत सरकार में कौशल एवं उद्यमिता सलाहकार के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उनका विश्वास है कि 'आखर' विश्वभर में बसे उत्तराखण्डियों, प्रवासी भारतीयों तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ेगा और घर-परिवार, सामाजिक समारोहों तथा सांस्कृतिक आयोजनों में स्थानीय भाषाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि यह ऐप सुझावों के लिए खुला रहेगा और शीघ्र ही गूगल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा

पंजाब कांग्रेस का सियासी घमासान तेज भूपेश बघेल ने चन्नी गुट से की अलग बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में जारी अंदरूनी खींचतान शनिवार को उस समय और तेज हो गई, जब पार्टी के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने दिल्ली लौटने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समर्थक नेताओं के साथ अलग बैठक की। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग मौजूद नहीं थे। चंडीगढ़ में पार्टी विधायक राणा गुरजीत के घर करीब 2 घंटे चली बैठक में चन्नी गुट के सभी नेताओं ने अपनी बात रखी। आज होने वाली बैठक को लेकर हाईकमान ने चन्नी को दो से तीन नेताओं के साथ मुलाकात करने के लिए कहा था लेकिन चन्नी गुट के 80 नेता बघेल से मिलने पहुंचे। मीटिंग से पहले बागी गुट ने पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी को 2027 के चुनाव के लिए मुख्यमंत्री चेहरा बनाने की मांग की। चन्नी गुट का कहना है कि अगर उन्हें प्रधान नहीं बनाना तो फिर सीएम चेहरा घोषित करें ताकि उनके नाम पर पंजाब में वोटें मांगी जा सकें। हाईकमान पहले ही कह चुका है कि वह अमरिंदर राजा वडिंग को प्रधान पद से नहीं हटाएंगे। चन्नी गुट की शर्त के मुताबिक इस मीटिंग में प्रधान राजा वडिंग़ को नहीं बुलाया गया है। बैठक के बाद भूपेश बघेल ने दावा किया कि वह हाईकमान को रिपोर्ट देंगे। उसके बाद हाईकमान ही फैसला करेगी। बघेल ने कहा कि वह लगातार 5 दिन से चंडीगढ़ में हूं। सभी नेताओं से मिला हूं। मुझे आज राणा गुरजीत ने न्योता दिया था। सभी साथियों से बात हुई। मुलाकात हुई। उन्होंने अपनी बात रखी है।

जनसेवा शिविर में मुख्यमंत्री ने सुनीं समस्याएं त्वरित समाधान के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून जिले के सहसपुर में आयोजित जनसेवा शिविर में लोगों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। राज्य सरकार के अनुसार 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत चार जुलाई से प्रदेशभर में जनसेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका अब तक 65 हजार से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं। शनिवार को आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकार और जनता के बीच की दूरी कम करना तथा नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों से जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। शिविर के दौरान सहसपुर निवासी बबली देवी ने मुख्यमंत्री से सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संबंधित अधिकारियों ने उसी दिन उनके घर सिलाई मशीन उपलब्ध करा दी, जिससे उन्हें स्वरोजगार के लिए सहायता मिली। मुख्यमंत्री ने शिविर में सड़क, बिजली, श्मशान भूमि, ओपन जिम और अन्य जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें भी सुनीं तथा अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर इनके समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी सोच के साथ प्रशासन को जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के अनुसार चार जुलाई से संचालित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न जनसेवा शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

चंडीगढ़ के जीएमसीएच-32 को एमबीबीएस की 50 और सीटों की मंजूरी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को बड़ी उपलब्धि मिली है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने जीएमसीएच-32 में एमबीबीएस की वार्षिक सीटें 150 से बढ़ाकर 200 करने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगी।इस फैसले से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। अब अधिक विद्यार्थियों को उत्तर भारत के प्रमुख सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल जीएमसीएच चंडीगढ़ में पढ़ाई करने का अवसर मिल सकेगा।संस्थान प्रशासन ने इस मंजूरी को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। प्रशासन का कहना है कि यह फैसला चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने, संस्थान की आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के गुणवत्ता मानकों को पूरा करने की दिशा में अहम कदम है।50 अतिरिक्त सीटें मिलने से न केवल चिकित्सा शिक्षा का दायरा बढ़ेगा, बल्कि भविष्य में योग्य और प्रशिक्षित डॉक्टरों की संख्या में भी वृद्धि होगी।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063